शर्मा হাৰ্ডৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 165 | गुवाहाटी | बुधवार, 10 जनवरी, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

कांग्रेस को लेकर एआईयूडीएफ नेता बदरूद्दीन अजमल के बिगड़े बोल पेज 3
वाइब्रेंट गुजरात समिट : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तिमोर-लेस्ते के राष्ट्रपति से मुलाकात पेज 4
सबसे लंबी सोलर पावर्ड स्ट्रीट लाइट लाइन बनाकर अयोध्या में सऊदी अरब... पेज 5
देश को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाना है : मुख्यमंत्री भजन लाल पेज 8

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(অসমীয়া দৈনিক)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

जिस आदमी से हमें काम लेना है, उससे हमें वही बात करनी चाहिए जो उसे अच्छी लगे। जैसे एक शिकारी हिरन का शिकार करने से पहले मधुर आवाज में गाता है।

– आचार्य चाणक्य

राष्ट्रपति का राज्य दौरा

सीएम ने की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा

गुवाहाटी। पूर्वोत्तर राज्य असम में, एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम की तैयारी चल रही है जिसमें राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की उपस्थिति होगी। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा, जो असम सरकार के शीर्ष पर हैं, राष्ट्रपति की यात्रा से पहले व्यवस्थाओं की सावधानीपूर्वक समीक्षा कर रहे हैं। आधिकारिक एक्स हैंडल लेते हुए, सीएमओ असम ने लिखा कि भारत की माननीय राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की डीफू यात्रा से पहले, एचसीएम डॉ. हिमंत विश्व ने विभिन्न विभागों के शीर्ष अधिकारियों के साथ एक बैठक की और तैयारियों की समीक्षा की। एचसीएम ने पूरी तरह से जायजा लिया। सुरक्षा, स्वास्थ्य सुविधाओं और सड़क संचार जैसे विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की और विभागीय अधिकारियों को राष्ट्रपति की सुचारू और सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। राष्ट्रपति मुर्मू 17 जनवरी, 2024 को तारलांगसो, डीफू में मुख्य अतिथि के रूप में कार्बी युवा महोत्सव 2024 के स्वर्ण जयंती समारोह में भाग लेने वाले हैं। यह उत्सव, कार्बी युवाओं के लिए एक प्रमुख आकर्षण, 12 जनवरी से 19 जनवरी, 2024 तक तारालांगसो, डीफू में कार्बी पीपुल्स हॉल में होगा। राष्ट्रपति मुर्मू की यह यात्रा मुख्यमंत्री शर्मा -शेष पृष्ठ दो पर

नड्डा असम और अरुणाचल प्रदेश में लोस चुनाव की तैयारियों पर करेंगे बैठक

नई दिल्ली। भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा मंगलवार से पूर्वोत्तर राज्यों के अपने तीन दिवसीय दौरे पर रवाना हो रहे हैं। इस तीन दिवसीय दौरे में नड्डा असम और अरुणाचल प्रदेश में लोकसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर पार्टी नेताओं के साथ महत्वपूर्ण बैठक करेंगे। भाजपा के राष्ट्रीय मीडिया प्रमुख अनिल बलूनी ने पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा के पूर्वोत्तर राज्यों असम और अरुणाचल प्रदेश के दौरे को लेकर बयान जारी कर बताया कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा मंगलवार से असम और अरुणाचल प्रदेश के तीन दिवसीय दौरे पर रहेंगे। नड्डा 10 जनवरी को असम में भाजपा की राज्य कार्यकारिणी और राज्य कोर कमेटी की बैठक में शामिल होंगे और 11 जनवरी को अरुणाचल प्रदेश में राज्य कार्यकारिणी और राज्य कोर कमेटी की बैठक लेंगे। दोनों राज्यों के दौरे के दौरान नड्डा लोकसभा चुनाव के लिए पार्टी की तैयारियों की समीक्षा करेंगे। असम दौरे के दौरान नड्डा कामख्या मंदिर में दर्शन और पूजा अर्चना करेंगे। नड्डा मंगलवार की रात 9 बजे गुवाहाटी के लोकप्रिय गोपीनाथ बोरदोलोई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचेंगे, जहां एयरपोर्ट के बाहर भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारियों और पार्टी नेताओं द्वारा उनका स्वागत किया जाएगा। नड्डा असम के खानपारा -शेष पृष्ठ दो पर

राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह नौटंकी : ममता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को आरोप लगाया कि भाजपा लोकसभा चुनाव से पहले अयोध्या में राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के जरिए *नौटंकी* कर रही है। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ने कहा कि मैं ऐसे उत्सव का समर्थन नहीं करती हूं, जिसमें अन्य समुदायों को अलग रखा जाए। दक्षिण 24 परगना जिले के जयनगर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए बनर्जी ने कहा कि वह जनता को धार्मिक आधार पर -शेष पृष्ठ दो पर

असम विधानसभा का बजट सत्र पांच फरवरी से

गुवाहाटी। असम का 24 दिवसीय विधानसभा बजट सत्र पांच फरवरी से शुरू होगा। इस संबंध में विधानसभा सचिवालय ने एक अधिसूचना जारी की है। यह बजट सत्र सुबह साढ़े नौ ब जे शुरू होगा। यह घोषणा राज्य के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया के निर्देशों के बाद असम विधान सभा सचिवालय द्वारा की गई। असम विधान सभा सचिवालय ने एक अधिसूचना जारी की है जिसमें कहा गया है कि असम राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने असम विधानसभा का बजट सत्र 5 फरवरी को सुबह 9.30 बजे दिसपुर के विधानसभा कक्ष में बुलाया है। सत्र 28 फरवरी, 2024 तक चलने वाला है। इस वर्ष का बजट सत्र विशेष रूप से उल्लेखनीय है क्योंकि असम सरकार ने हरित बजट 2023-24 पेश किया है, जिससे असम इस तरह की पहल अपनाने वाला पूर्वोत्तर भारत का पहला और देश का दूसरा राज्य बन गया है। ग्रीन बजट का लक्ष्य राज्य के -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

कर्नाटक के राज्यपाल कोरोना संक्रमित

बेंगलुरू (हि.स.)। देश में बढ़ते कोरोना वायरस के मामलों के बीच कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत भी कोरोना संक्रमित पाए गए हैं। वह राजभवन में क्वारंटाइन हो गए हैं। राजभवन की तरफ से जारी जानकारी के मुताबिक कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत का कोविड-19 परीक्षण सकारात्मक आया है। फिलहाल उन्हें उनके आवास पर ही क्वारंटाइन कर दिया गया है। गौरतलब है कि देश में पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना वायरस संक्रमण के 475 नए मामले सामने आए हैं। इसके साथ ही कोरोना -शेष पृष्ठ दो पर

बंगाल में सागर परिक्रमा चरण- 12 कार्यक्रम आयोजित

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री परषोत्तम रूपाला और राज्य मंत्री डा. एल मुरुगन के साथ 10 से 11 जनवरी के दौरान पश्चिम बंगाल के विभिन्न स्थानों पर आयोजित सागर परिक्रमा चरण- 12 कार्यक्रम में भाग लेंगे। एक सरकारी प्रवक्ता ने यह जानकारी देते हुए बताया कि केंद्रीय मत्स्य पालन विभाग और पश्चिम बंगाल सरकार, राष्ट्रीय मत्स्य विकास -शेष पृष्ठ दो पर

ईडी टीम पर हमले को लेकर केंद्रीय गृह मंत्रालय सख्त

कोलकाता। उत्तर 24 परगना जिले के संदेशखाली और इसके बाद बनगांव में तृणमूल नेताओं के ठिकानों पर राशन घोटाले में छापेमारी के दौरान प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों पर हालिया हमले के संबंध में केंद्रीय गृह मंत्रालय ने ममता सरकार से रिपोर्ट मांगी है। सूत्रों के हवाले से मंगलवार को पता चला है कि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने पांच जनवरी की घटना को लेकर बंगाल सरकार से रिपोर्ट मांगी है। इस घटना को लेकर सत्तारूढ़ तृणमूल और विपक्षी दल भाजपा के बीच जुबानी जंग चल रहा है। तृणमूल के कुछ मंत्रियों ने यह जताने की कोशिश की है कि ईडी की टीम पर हमला -शेष पृष्ठ दो पर

राहुल की भारत जोड़ो न्याय यात्रा को लेकर मणिपुर में अनिश्चितता

इंफाल (हि.स.)। कांग्रेस के राष्ट्रीय नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा के मणिपुर से शुरू होने को लेकर अभी अनिश्चितता बनी हुई है। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने आज राहुल गांधी की *भारत जोड़ो न्याय यात्रा* पर बात करते हुए कहा कि राज्य में मौजूदा कानून-व्यवस्था की स्थिति गंभीर है। ऐसे में राहुल गांधी की यात्रा कितनी सुरक्षित होगी, इसको लेकर निश्चित नहीं हो पायी है। मुख्यमंत्री ने आज मीडिया से बात करते हुए कहा कि राहुल गांधी की रैली को अनुमति देने के फैसले पर सक्रिय विचार चल रहा है। विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों की रिपोर्ट की समीक्षा की जा रही है। इन रिपोर्टों की समीक्षा के बाद ही इसपर निर्णय लिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी ने भारत जोड़ो न्याय यात्रा की योजना बनाई है, जो 14 जनवरी को इंफाल से शुरू होगी और 20 मार्च को मुंबई में समाप्त होगी। हालांकि, राज्य सरकार ने अभी तक इस छह हजार पांच सौ किलोमीटर की यात्रा को शुरू करने की अनुमति नहीं दी है। कांग्रेस महासचिव -शेष पृष्ठ दो पर

भूमि पत्तन प्राधिकरण में बढ़ेगी महिलाओं की भागीदारी

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्र सरकार की ओर से हर क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने की दिशा में व्यापक स्तर पर काम किए जा रहे हैं। इसी क्रम में भारतीय भूमि पत्तन प्राधिकरण ने भी अपने सभी कार्य स्थलों पर महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने व उनको सुरक्षित माहौल देने की दिशा में काम कर रही है। भारतीय भूमि पत्तन प्राधिकरण के अध्यक्ष आदित्य मिश्र ने मंगलवार को कहा कि हम चाहते हैं कि प्राधिकरण में महिलाओं की भूमिका बढ़े। उनको सुरक्षित व अनुकूल वातावरण दिया जाए। इस दिशा में प्राधिकरण व्यापक स्तर पर काम कर रहा है। मिश्र ने कहा कि लैंड पोर्ट में अमूमन पुरुष अधिक काम करते -शेष पृष्ठ दो पर

राजनाथ सिंह ने भारत-ब्रिटेन रक्षा संबंधों की समीक्षा की

नई दिल्ली (हि.स.)। पिछले 22 साल के इतिहास में पहली बार भारतीय रक्षा मंत्री के तौर पर लंदन की यात्रा पर गए राजनाथ सिंह ने मंगलवार को अपने समकक्ष ग्रांट शाप्स के साथ भारत-ब्रिटेन रक्षा संबंधों की समीक्षा की। ब्रिटेन के रक्षा मंत्री के साथ रक्षा सहयोग, सुरक्षा और रक्षा औद्योगिक सहयोग बढ़ाने से संबंधित व्यापक मुद्दों पर सार्थक चर्चा हुई। इससे पहले उन्होंने लंदन के टैविस्टॉक स्क्वायर गार्डन में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करके अपनी यात्रा शुरू की। लंदन में ब्रिटिश रक्षा मंत्रालय बिल्डिंग पहुंचने पर राजनाथ सिंह ने गार्ड ऑफ ऑनर का निरीक्षण किया। इसके बाद उन्होंने अपने ब्रिटिश समकक्ष ग्रांट शाप्स के साथ द्विपक्षीय बैठक की। राजनाथ -शेष पृष्ठ दो पर

सड़क दुर्घटनाओं की अब हर महीने होगी समीक्षा

नई दिल्ली। सड़क दुर्घटनाओं के मामले में निराशाजनक तस्वीर से चिंतित केंद्र सरकार अब हादसों की हर महीने समीक्षा करेगी। यह भी संभव है कि नई व्यवस्था में महीने के आधार पर सड़क दुर्घटनाओं के आंकड़े भी सार्वजनिक किए जाएं। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने हादसों की रिपोर्टिंग का अपना जो तंत्र तैयार कर लिया है, वह सटीक भी है और कम समय लेने वाला भी। मंत्रालय के एक शीर्ष अधिकारी के अनुसार पिछले साल सितंबर तक की दुर्घटनाओं का ऑडिट इसी माह पूरा हो जाएगा और इसके बाद बाकी तीन महीनों के लिए भी यही कवायद की जाएगी। इसके बाद रियल टाइम रिपोर्टिंग के साथ हर महीने पिछले माह की घटनाओं की समीक्षा की जाने लगेगी। यह इसलिए अहम है, क्योंकि सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी कई बार अपने मंत्रालय में डाटा विश्लेषण में वर्षों की देरी को लेकर अपनी नाखुशी जता चुके हैं। केंद्रीय मंत्री गडकरी का कहना है कि दुर्घटनाओं के विश्लेषण में छह-सात साल की देरी का कोई मतलब नहीं है। ऐसा विश्लेषण होना या न होना बराबर है। मंत्रालय ने अपने स्रोतें से दुर्घटनाओं का जो आंकड़ा और विवरण जुटाया है, वह राज्यों की पुलिस की ओर से मिले ब्योरे से मिलता-जुलता है। गौरतलब है कि अभी केंद्र सरकार हर वर्ष सड़क दुर्घटनाओं की जो रिपोर्ट जारी करती है, वह पुलिस से मिले आंकड़ों पर आधारित है। अधिकारी ने कहा कि हमने सितंबर तक के जिन आंकड़ों का विश्लेषण किया है, वह पुलिस की सूचना से 95 प्रतिशत तक मिलते-जुलते हैं। इसका मतलब है कि हम हादसों -शेष पृष्ठ दो पर

मथुरा से भगवान राम के लिए पांच मन लड्डुओं का भोग

मथुरा (हि.स.)। 22 जनवरी को अयोध्या में होने वाले भव्य प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए श्रीकृष्ण जन्मस्थान से भगवान राम के प्रसाद के लिए 05 मन यानी 200 किलो मेवायुक्त देसी घी के लड्डू भेजे जाएंगे। सोमवार शाम भगवान श्रीकृष्ण के जन्मस्थान स्थित इंटरनेशनल गेस्ट हाउस पर आयोजित वार्ता में श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान के सचिव कपिल शर्मा एवं सदस्य गोपेश्वर चतुर्वेदी ने दी। उन्होंने बताया कि प्राण प्रतिष्ठा समारोह वाले दिन पहली बार भागवत भवन स्थित श्री राधा कृष्ण सियाराम के रूप में अपने भक्तों को दर्शन देंगे तो वहीं श्री राम प्राण प्रतिष्ठा समारोह के अवसर पर जन्म स्थान परिसर में भव्य व्यवस्थाएं की जाएगी एवं -शेष पृष्ठ दो पर

सदन में कोई अध्यक्ष नहीं चाहता निलंबन लेकिन मर्यादा जरूरी : ओम बिरला

भोपाल (हि.स.)। संसद से 141 सदस्यों के निलंबन की कार्यवाही को लेकर विपक्ष द्वारा उठाए जा रहे प्रश्न का उत्तर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मंगलवार को भोपाल में मध्य प्रदेश विधानसभा के सदस्यों के प्रबोधन कार्यक्रम में दिया। उन्होंने कहा कि कोई अध्यक्ष नहीं चाहता कि सदस्यों का निलंबन हो पर सदन की गरिमा और मर्यादा को बनाए रखना जरूरी है। सदन नहीं चलने देना है इसलिए नियोजित तरीके से व्यवधान करना लोकतंत्र के लिए अच्छी परंपरा नहीं है। लोकसभा अध्यक्ष बिरला ने कहा कि विधानमंडल गंभीर बहस और चर्चा के महत्वपूर्ण मंच है। मतभेद होने पर सभा के कामकाज में बाधा नहीं आने देनी चाहिए। यह सुनिश्चित करना प्रत्येक विधायक का दायित्व है कि विधायी संस्थाओं के समय का उपयोग सार्थक रूप से जनता के कल्याण -शेष पृष्ठ दो पर

स्वर्ण कपाटों से सज गया राम मंदिर

अयोध्या। रामलला के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा की तैयारी के बीच मंगलवार को बहुप्रतिक्षित पल आ गया और मंदिर के भूतल में स्वर्ण मंडित कपाट लगाने का क्रम प्रारंभ हो गया। शाम तक दो कपाट लगाए जा सके हैं। हालांकि अभी गर्भगृह के मुख्य द्वार पर स्वर्ण मंडित कपाट नहीं लगाया जा सका। गर्भगृह के बांयी ओर व परकोटे के बगल में कुल मिलाकर दो कपाट लगाए गए। एक सप्ताह के भीतर भूतल के सभी 14 स्वर्ण जड़ित कपाट लगा दिए जाएंगे। 15 जनवरी तक हरहाल में भूतल की तैयारी को अंतिम स्पर्श दिया जाना है। राम मंदिर के तीनों तल को मिलाकर कुल 44 कपाट -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

एसकेएम चलाएगा किसान-मजदूर जनजागरण अभियान

नई दिल्ली (हि.स.)। संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) किसानों व मजदूरों के मुद्दों को लेकर किसान-मजदूर जनजागरण अभियान चलाएगी। एसकेएम ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि 10 से 20 जनवरी के बीच किसान-मजदूर जनजागरण अभियान चलाया जाएगा। इसके तहत किसानों और मजदूरों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने का काम किया जाएगा। इस देशव्यापी अभियान में एसकेएम के नेतृत्व में अनेक किसान व मजदूर संगठन हिस्सा लेंगे व गांव-गांव में जाकर मजदूरों व किसानों को पत्रक सौंपेंगे। एसकेएम ने कहा कि आज नई दिल्ली में जन जागरण अभियान के लिए नोटिस और पत्रक जारी किए गए हैं। पत्रक देश में लंबे समय से चल रहे भयानक कृषि संकट और इस संकट का किसानों, कृषि श्रमिकों, श्रमिकों और युवाओं पर प्रभाव के बारे में बताता है।

कोचिंग संस्थानों पर होगी सख्ती

केंद्र के कठोर नियम सभी इंस्टीट्यूट पर होगा लागू

नई दिल्ली। भ्रामक विज्ञापनों के जरिए अभ्यर्थियों को भरमाने और सौ प्रतिशत सफलता की गारंटी देने वाले कोचिंग संस्थानों पर सरकार सख्ती करने जा रही है। उनके झूठे दावों वाले विज्ञापनों पर नियंत्रण एवं मनमानी रोकने के लिए केंद्र ने नियमावली बनाई है, जिसे सभी को मानना आवश्यक होगा। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) की नई नियमावली के दायरे में ऑनलाइन एवं ऑफलाइन दोनों मोड में चलने वाले कोचिंग संस्थानों को लाया जाएगा। अभ्यर्थियों के हितों की रक्षा करने के लिए प्राधिकरण द्वारा बनाई गई कमेटी की पहली बैठक मंगलवार को हुई। इसमें दिशा-निर्देश के ड्राफ्ट पर चर्चा के बाद उसे अंतिम रूप दिया गया। समिति ने यह भी बताया है कि क्या करना चाहिए और क्या नहीं। प्राधिकरण ने कहा कि उसने कोचिंग संस्थानों के भ्रामक विज्ञापनों के खिलाफ स्वत:संज्ञान लेते हुए कार्रवाई की है। कोचिंग संस्थान सफलता दर, चयनित अभ्यर्थियों की संख्या और किसी अन्य ऐसे झूठे दावे नहीं करेंगे, जिससे उपभोक्ता को गलतफहमी या उसकी स्वायत्तता या पसंद प्रभावित हो सकती है। प्राधिकरण ने यह कदम भ्रामक विज्ञापनों के लिए देशभर के 31 कोचिंग संस्थानों को नोटिस भेजने एवं नौ पर जुर्माना लगाने के कुछ महीने बाद उठाया है। प्राधिकरण ने कहा है कि यह दिशा-निर्देश सभी संस्थानों पर लागू होंगे, चाहे वे ऑनलाइन हों या ऑफलाइन। प्राधिकरण ने कहा कि कोचिंग संस्थान सौ प्रतिशत चयन, नौकरी या प्रारंभिक एवं मुख्य परीक्षा में पास होने की गारंटी नहीं दे सकता है। कोचिंग संस्थानों को विज्ञापन जारी करने से पहले विभिन्न पहलुओं को गंभीरता से देखने की हिदायत दी गई है। कहा गया है कि कोचिंग संस्थानों को सफल उम्मीदवारों की तस्वीर के साथ अपेक्षित जानकारी का उल्लेख करना होगा। सफल उम्मीदवारों की रैंक, पाठ्यक्रम एवं अवधि के साथ यह भी बताना होगा कि कोचिंग पैसे लेकर दी गई है या मुफ्त थी। विज्ञापन जारी करने का तरीका भी बताया गया है। कहा गया है कि अस्वीकरण, प्रकटीकरण या महत्वपूर्ण जानकारी का फांट साइज भी वही होगा जो विज्ञापन में उपयोग किया गया है। साथ ही ऐसी जानकारी का प्लेसमेंट विज्ञापन में प्रमुख और देखने योग्य स्थान पर होगा। दिशा-निर्देशों के अनुसार कुछ कोचिंग संस्थान सफल उम्मीदवारों द्वारा चुने गए पाठ्यक्रमों, अवधि एवं फीस भुगतान के संबंध में जानबूझकर नहीं बताते। यह उपभोक्ताओं को गुमराह करना हुआ।

राम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा पर अमेरिका में होगा जश्न, कई शहरों में निकाली जाएगी कार रैली

न्यूयार्क, वाशिंगटन (हि.स.)। अयोध्या में 22 जनवरी को होने वाले राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का जश्न मनाने की अमेरिका में भी तैयारियां तेज हो गई हैं। इस ऐतिहासिक महोत्सव के अवसर पर अमेरिका के प्रमुख शहरों में भर में कार रैलियां निकाली जाएंगी। पिछले हफ्ते वाशिंगटन, शिकागो और अमेरिका के अन्य शहरों में कई रैलियां आयोजित की गईं थीं। अमेरिका में *कैलिफार्निया इंडियंस* नाम का समूह *भगवान श्रीराम की घर वापसी* का जश्न मनाने के लिए 20 जनवरी को विशाल कार रैली का आयोजन करने जा रहा है। आयोजकों ने कहा कि रैली में 400 से अधिक कारों के प्रतिभाग करने की संभावना है और यह रैली साउथ बे से प्रतिष्ठित गोल्डन गेट ब्रिज तक जाएगी। आयोजकों ने कहा कि उत्तरी कैलिफोर्निया के भारतवंशी भारत के आधुनिक इतिहास के सबसे बड़े और गौरवपूर्ण कार्यक्रम का जश्न मनाने के लिए एकजुट है। आयोजकों ने कहा कि हम अयोध्या नहीं जा सकते हैं लेकिन राम हमारे दिल में हैं। स्थानीय मंदिरों और भारतवंशियों ने 22 जनवरी को भी विशेष आयोजन करने की तैयारी की है। पूरे अमेरिका में स्थानीय मंदिर और प्रवासी संगठनों ने 22 जनवरी तक विशेष उत्सव आयोजित करने की योजना बनाई है। 22 जनवरी अयोध्या में बन रहे राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा होगी। आयोजकों ने कहा कि रोहित शर्मा, मणि किरण, परम देसाई, दैपायन देब, दीपक बजाज और बिमल भागवत सहित समुदाय के नेता कैलिफोर्निया रैली की योजना बना रहे हैं।

गेब्रियल अटल बने फ्रांस के नए प्रधानमंत्री, खुद को बता चुके हैं गे

पेरिस। राइट विंगर्स के बढ़ते राजनीतिक दबाव के बीच अपने शेष कार्यकाल के लिए नई शुरुआत करते हुए राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने मंगलवार को ग्रेब्रियल अटल को फ्रांस के अब तक के सबसे युवा प्रधानमंत्री के तौर पर नामित किया। मैक्रों के कार्यालय ने एक बयान में नियुक्ति की घोषणा की। अटल (34) सरकार के प्रवक्ता और शिक्षा मंत्री के रूप में प्रमुखता से उभरे। वह फ्रांस के ऐसे पहले प्रधानमंत्री भी हैं, जिन्होंने खुद के समलैंगिक होने को छिपाया नहीं है। मध्यमार्गी मैक्रों (46) का कार्यकाल 2027 में समाप्त हो रहा है, आने वाले दिनों में वह एक सरकार बनाएंगे। सोशलिस्ट पार्टी के पूर्व सदस्य अटल 2016 में मैक्रॉन के राजनीतिक आंदोलन में शामिल हुए और 2020 से 2022 तक सरकार के प्रवक्ता रहे। एक नौकरी जिसने उन्हें फ्रांसीसी जनता के बीच अच्छी तरह से जाना। जुलाई में शिक्षा मंत्री के रूप में नियुक्त होने से पहले उन्हें वित्त मंत्री नामित किया गया था। जो फ्रांसीसी सरकार में सबसे प्रतिष्ठित पदों में से एक था। अटल ने हाल ही में राष्ट्रीय टेलीविजन टीएफ1 पर विस्तार से बताया कि कैसे उन्हें मिडिल स्कूल में बदमाशी का सामना करना पड़ा, जिसमें होमोफोबिक उत्पीड़न भी शामिल था। फ्रांसीसी जनमत सर्वेक्षणों से पता चलता है कि वह बोर्न सरकार में सबसे लोकप्रिय मंत्री थे। इससे पहले फ्रांस के प्रधानमंत्री एलिजाबेथ बोर्न ने सोमवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। राष्ट्रपति कार्यालय ने यह जानकारी दी।

पीएम ने राष्ट्रीय खेल और साहस पुरस्कार 2023 के विजेताओं को दी बधाई

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय खेल और साहस पुरस्कार 2023 के विजेताओं को बधाई दी है। खिलाड़ियों की उल्लेखनीय उपलब्धियों और अटूट समर्पण को स्वीकार करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि खिलाड़ियों ने न केवल अपने-अपने क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है, बल्कि वैश्विक मंच पर भारत का झंडा भी ऊंचा उठाया है। राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रीय खेल और साहस पुरस्कार 2023 के समारोह के बारे में राष्ट्रपति की एक्स पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रधानमंत्री ने एक्स पोस्ट में कहा कि राष्ट्रीय खेल और साहस पुरस्कार 2023 के शानदार विजेताओं को बधाई। उनकी उल्लेखनीय उपलब्धियां और अटूट समर्पण हमारे देश के लिए प्रेरणा हैं। उन्होंने न केवल अपने-अपने क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है, बल्कि वैश्विक मंच पर भारत का झंडा भी ऊंचा उठाया है। 2023 का प्रतिष्ठित मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार शटलर चिराग चंद्रशेखर शेट्टी और रंकीरेड्डी सात्विक साई राज को प्रदान किया गया। कुश्ती कोच ललित कुमार, शतरंज कोच आर.बी. रमेश, पैरा-एथलेटिक्स कोच महावीर प्रसाद सैनी, हॉकी कोच शिवेंद्र सिंह, मल्लखंभ कोच गणेश प्रभाकर देवरुखकर, गोल्फ कोच जसकीरत सिंह ग्रेवाल, कबड्डी कोच कैप्टन भास्करन ई, टेबल टेनिस कोच जयंत कुमार पुशीलाल को द्रोणाचार्य पुरस्कार प्रदान किए गए। इसके अलावा राष्ट्रपति ने क्रिकेटर मोहम्मद शमी, ओजस प्रवीण, अदिति गोपीचंद स्वामी, श्रीशंकर एम, पारुल चौधरी, मोहम्मद हुसामुद्दीन, आर वैशाली, अनुश अग्रवाल, दिव्याकृति सिंह, दीक्षा डागर, कृष्ण बहादुर पाठक, पुखरामबम सुशीला चानू, पवन कुमार, रितु नेगी, नसरीन, पिंकी, ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर, ईशा सिंह, हरिंदर पाल सिंह संधू, अयहिका मुखर्जी, सुनील कुमार, अंतिम पंघाल, नाओरेम रोशिबिना देवी, शीतल देवी, इलुरी अजय कुमार रेड्डी और प्राची यादव को अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कविता सेल्वराज, मंजूसा कंवर और विनीत कुमार शर्मा को ध्यानचंद पुरस्कार (लाइफटाइम), 2023 प्रदान किए।

अपोलो हॉस्पिटल्स चेन्नई
चेन्नई

कॉनसलटेंट पैडियाट्रिक्स
डॉ. संगीता, MBBS, MD, (Paed)
गुवाहाटी में केवल परामर्श के लिए उपलब्ध होंगे
21 जनवरी, 2024 को

जो बच्चे संक्रामक रोग, बचपन संक्रामकता, ब्रॉन्सियल अस्थमा, एलर्जी, निरंत बुखार, वजन में कमी, भूख कम लगना, नींद में कमी,उचित विकास में कमी, हड्डी में दर्द, पेट दर्द एवं पाचन संबंधी समस्याएं, दर्द एब्डोमेन, ब्रेड वीटिंग, एब्डोमेन संबंधी समस्ताएं इत्यादि से परेशान हो, वे अपना-अपना नाम रजिस्टर करा सकते हैं :

APOLLO HOSPITALS REGIONAL OFFICE
Rajgarh Main Road, Opp-By Lane-10
Ph : 8404037649, 0361-3102669, 0361-3102166

पृष्ठ एक का शेष

सीएम ने की ...

के पहले के राजनयिक संकेत का अनुसरण करती है, जिन्होंने उन्हें जनवरी 2024 में 50वें कार्बी युवा महोत्सव में भाग लेने के लिए निमंत्रण दिया था, जो असम की प्राचीन स्वदेशी संस्कृति का उत्सव है। मुख्यमंत्री ने राष्ट्रपति को आमंत्रित करने में अपना सम्मान व्यक्त किया और आशा व्यक्त की कि उनकी गरिमामयी उपस्थिति महोत्सव को और समृद्ध बनाएगी। जैसे-जैसे राष्ट्रपति की यात्रा की तारीख नजदीक आ रही है, मुख्यमंत्री शर्मा का तैयारियों की देखरेख में विस्तार पर ध्यान देना इस अवसर के महत्व और भारत के सर्वोच्च पद को दिए गए सम्मान को दर्शाता है। उधर मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने असम पुलिस आपातकालीन प्रबंधन प्रणाली परियोजना के प्रारंभिक विकास की देखरेख की, जो जल्द ही देरगांव में चालू होने वाली है। आपातकालीन प्रतिक्रिया बुनियादी ढांचे को बदलने के इच्छुक मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों से इस प्रणाली को अत्याधुनिक बनाने का आग्रह किया, जिसका लक्ष्य इसे देश में सर्वश्रेष्ठ के रूप में स्थापित करना है। समीक्षा बैठक के दौरान, सीएम शर्मा ने यह सुनिश्चित करने के महत्व को बताया कि असम पुलिस आपातकालीन प्रबंधन प्रणाली परियोजना उच्चतम मानकों को पूरा करती है। उन्होंने देश भर में आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणालियों के लिए इसे बेंचमार्क बनाने के लिए उन्नत प्रौद्योगिकी और एक मजबूत ढांचे की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। आपातकालीन प्रबंधन प्रणाली के अलावा, चर्चा का विस्तार दवा और जादुई उपचार (आपत्तिजनक विज्ञापन) अधिनियम, 1954 के उल्लंघन के प्रावधानों तक हुआ। सीएम शर्मा ने विस्तृत बातचीत की और अधिनियम को अधिक न्यायोन्मुख और प्रभावशाली बनाने के लिए प्रभावी उपायों की आवश्यकता पर बल दिया। सभा को संबोधित करते हुए, मुख्यमंत्री ने दवाओं और जादुई उपचारों से संबंधित आपत्तिजनक विज्ञापनों के आसपास कानूनी ढांचे को मजबूत करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। उन्होंने ऐसी प्रथाओं पर अंकुश लगाने, न्याय सुनिश्चित करने के लिए एक सक्रिय दृष्टिकोण के महत्व को बताया।

नड्डा असम और ...

स्थित कोइनाधोरा राज्य अतिथि गृह में रात्रि विश्राम करेंगे। बुधवार को सुबह 9:30 बजे भाजपा अध्यक्ष नड्डा सबसे पहले मां कामाख्या मंदिर जाकर दर्शन और पूजा-अर्चना करेंगे। इसके बाद नड्डा दोपहर 2 बजे गुवाहाटी में श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र अंतर्राष्ट्रीय सभागार में असम राज्य भाजपा कार्यकारिणी की बैठक में भाग लेंगे। शाम 6:30 बजे नड्डा गुवाहाटी में प्रदेश भाजपा कार्यालय में प्रदेश भाजपा कोर कमेटी की बैठक की अध्यक्षता करेंगे और लोकसभा चुनाव के लिए पार्टी की तैयारियों की समीक्षा करेंगे। नड्डा 11 जनवरी को सुबह 9 बजे अरुणाचल प्रदेश के लिए रवाना हो जाएंगे। अरुणाचल प्रदेश में वह ईटानगर हवाई अड्डे पर उतरेंगे, जहां पार्टी नेताओं और भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारियों द्वारा उनका स्वागत किया जाएगा। इसके बाद नड्डा सुबह 10:30 बजे ईटानगर के स्टेट बैंक्वेट हॉल में अरुणाचल प्रदेश भाजपा की राज्य कार्यकारिणी की बैठक में भाग लेंगे। दोपहर बाद 3:05 बजे के लगभग नड्डा ईटानगर के राज्य अतिथि गृह में राज्य भाजपा कोर कमेटी की बैठक की अध्यक्षता करेंगे और राज्य में लोकसभा चुनाव के लिए पार्टी की तैयारियों की समीक्षा करेंगे।

राम मंदिर प्राण ...

बांटने में विश्वास नहीं रखतीं। उन्होंने कहा कि मैं उन उत्सवों में विश्वास करती हूं जो सभी समुदायों के लोगों को साथ लेकर चलते हैं और एकता की बात करते हैं। भाजपा इसे (राम मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा समारोह) अदालत के निर्देश पर कर रही है, लेकिन नौटंकी के तौर पर यह लोकसभा चुनाव से पहले किया जा रहा है। बनर्जी ने कहा कि मैं लोगों को धार्मिक आधार पर बांटने में विश्वास नहीं रखती। अयोध्या में राम मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा समारोह 22 जनवरी को होगा, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और 6,000 से अधिक लोगों के शामिल होने की उम्मीद है।

असम विधानसभा का...

भीतर पर्यावरणीय स्थिरता और जलवायु परिवर्तन उपायों को बढ़ाना है। असम सरकार के वित्त मंत्री वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए बजट पेश करेंगे। बजट सत्र असम के विधायी कैलेंडर में एक महत्वपूर्ण घटना है, जो आगामी वर्ष के लिए सरकार की वित्तीय योजना और प्राथमिकताओं को दर्शाता है। यह उम्मीद की जाती है कि सत्र राजस्व व्यय, पूंजीगत परिव्यय और राज्य द्वारा दिए गए ऋण सहित विभिन्न व्यय और आवंटन को संबोधित करेगा। इसके अलावा, सत्र दिसपुर में विधानसभा कक्ष में होगा, जो 3.53 लाख मतदाताओं के साथ असम का सबसे बड़ा निर्वाचन क्षेत्र होने का गौरव रखता है। असम विधान सभा के वर्तमान अध्यक्ष बस्वजीत दैमारी हैं, जो कार्यवाही की अध्यक्षता करेंगे।

ईडी टीम पर ...

जन आक्रोश के कारण हुई है। पांच जनवरी को ईडी की टीम राज्य की राशन प्रणाली में कथित अनियमितताओं के संबंध में संदेशखाली में तृणमूल कांग्रेस नेता शाहजहां शेख के आवास पर छापेमारी करने पहुंची थी, जब शेख के सैकड़ों समर्थकों ने उस पर हमला कर दिया। इस हमले में ईडी के तीन अधिकारी घायल हो गए। हमले के बाद ईडी ने कहा था कि तलाशी के दौरान एक परिसर में ईडी टीम और सीआरपीएफ कर्मियों पर 800-1000 लोगों ने जान लेने के इरादे से हमला किया। वे लोग लाठी, पत्थर और ईंट जैसे हथियार से लैश थे। अधिकारियों ने यह भी आरोप लगाया था कि हिंसक भीड़ ने ईडी अधिकारियों के निजी और आधिकारिक सामान जैसे कि उनके मोबाइल फोन, लैपटाप, नकदी, वालेट आदि भी छीन लिए, या लूट लिए लिए थे और एजेंसी के कुछ वाहनों को बुरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया था। इसके बाद देर रात बनगांव में भी एक अन्य तृणमूल नेता की गिरफ्तारी के दौरान ईडी की टीम पर फिर पथारव और हमले हुए थे जिसमें उनकी गाड़ी के कांच टूट गए।

राहुल की भारत ...

केसी वेणुगोपाल और मणिपुर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष कीशम मेघचंद्र सहित कांग्रेस पदाधिकारियों ने मुख्य सचिव से मुलाकात की और मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह से दलगत राजनीति से ऊपर उठकर शांति को प्राथमिकता देने का आग्रह किया। इस बात पर जोर दिया कि इस यात्रा का उद्देश्य मणिपुर के भविष्य को सुनिश्चित करना है, यह महज एक राजनीतिक कार्यक्रम मात्र नहीं है। यह यात्रा लोकसभा चुनावों से पहले कांग्रेस पार्टी द्वारा एक रणनीति के तहत शुरू की जा रही है। पहले की भारत जोड़ो यात्रा की अगली कड़ी के रूप में इसे देखा जा रहा है। मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने राज्य में मौजूदा कानून और व्यवस्था की स्थिति पर चिंता व्यक्त की है, जहां बीते वर्ष मई से जातीय हिंसा हो रही है। इसके परिणामस्वरूप बड़ी संख्या में लोग हताहत, घायल और विस्थापित हुए हैं। मुख्य रूप से बहुसंख्यक मैतेई समुदाय और कुकी-ज़ो आदिवासी समुदाय के बीच संघर्ष हो रहा है। इन तनावों के आलोक में मुख्यमंत्री ने संकेत दिया है कि कांग्रेस की इस रैली को अनुमति देने के निर्णय पर गहनतापूर्वक विचार किया जा रहा है। साथ ही मणिपुर की पहले से ही नाजुक स्थिति पर इसके संभावित प्रभाव का आकलन करने के लिए विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों की रिपोर्ट की समीक्षा की जा रही है।

भूमि पत्तन प्राधिकरण...

हैं लेकिन अब समय आ गया है जब इस क्षेत्र में भी महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित की जानी चाहिए। प्राधिकरण ने इस संबंध में एक सर्वे करवाया है, जिसमें लगभग 16 सुझाव प्राप्त हुए हैं। हम इन सुझावों पर अमल करेंगे और प्राधिकरण के काम-काज में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करेंगे। हम यह भी ध्यान रखेंगे कि कार्य के दौरान महिलाओं को किसी भी तरह की दिक्कत न होने पाए। सर्वे के माध्यम से जो सुझाव प्राप्त हुए हैं उन पर गौर किया जाएगा। मिश्र ने कहा कि हमारे लैंड पोर्ट अधिकतर सीमावर्ती क्षेत्र में हैं। ऐसे में हमारी सोच है कि सीमावर्ती क्षेत्रों की महिलाओं को उचित प्रशिक्षण देकर उन्हें लैंड पोर्ट में काम दिया जाए। इससे सीमावर्ती क्षेत्रों की महिलाओं को रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। उल्लेखनीय है कि गृह मंत्रालय के तहत सीमा प्रबंधन विभाग सांविधिक निकाय के रूप में स्थापित हुआ, भारतीय भूमि पत्तन प्राधिकरण को भारत की सीमा पर भूमि पत्तन के निर्माण, सुव्यवस्थित सुगम और सुरक्षित सुविधा के लिए अत्याधुनिक बुनियादी सुविधाएं प्रदान करने का काम सौंपा गया है। भारत की सीमा पर भूमि पत्तन के निर्माण का कार्य और आवाजाही में लगने वाला समय एवं व्यापार लेन- देने से जुड़ी लागत को कम करना, क्षेत्रीय व्यापार और लोगों के बीच संपर्क को बढ़ावा देने के समग्र उद्देश्य के साथ कार्गो और यात्रियों की सुगम और कुशल आवाजाही को सुविधाजनक बनाने के लिए सर्वोत्तम अंतर्राष्ट्रीय प्रथाओं को आत्मसात करना है।

राजनाथ सिंह ने ...

सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म *एक्स* पर बताया कि ब्रिटेन के रक्षा मंत्री ग्रांट शाप्स के साथ एक उत्कृष्ट बैठक हुई। हमने भारत-ब्रिटेन रक्षा संबंधों की संपूर्ण श्रृंखला की समीक्षा की। हमने रक्षा सहयोग, सुरक्षा और रक्षा औद्योगिक सहयोग बढ़ाने से संबंधित व्यापक मुद्दों पर सार्थक चर्चा की। ब्रिटेन की अपनी दो दिवसीय यात्रा के दौरान राजनाथ सिंह ने आज लंदन के टैविस्टॉक स्क्वायर गार्डन में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। उनके साथ रक्षा मंत्रालय का एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी गया है, जिसमें रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ), सेवा मुख्यालय, रक्षा विभाग और रक्षा उत्पादन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी हैं। राजनाथ सिंह के ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक से मुलाकात करने और विदेश, राष्ट्रमंडल और विकास मामलों के राज्य सचिव डेविड कैमरन के साथ बैठक करने की भी उम्मीद है। वह यूनाइटेड किंगडम (यूके) रक्षा उद्योग के सीईओ और उद्योग जगत के नेतृत्व के साथ भी बातचीत करेंगे, जिससे ब्रिटेन और भारत के बीच रिश्तों को मजबूती मिलेगी। वह वहां भारतीय समुदाय से भी मिलेंगे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह अपनी ब्रिटेन यात्रा के दौरान हथियार निर्माण स्थलों में से एक का दौरा कर सकते हैं। बातचीत के दौरान रक्षा क्षेत्र में केंद्र सरकार के मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत एजेंडे के कार्यान्वयन पर ध्यान केंद्रित किया जा सकता है। इस बैठक में सैन्य सहयोग और रक्षा औद्योगिक साझेदारी को गहन करने की कोशिश की जाएगी। इससे पहले जून, 2022 में राजनाथ सिंह की ब्रिटेन यात्रा प्रोटोकॉल कारणों से रद्द कर दी थी। पिछले 22 वर्षों में भारत के रक्षा मंत्री की ब्रिटेन की यह पहली यात्रा है। इससे पहले 22 जनवरी, 2002 को तत्कालीन रक्षा मंत्री जॉर्ज फर्नांडिस लंदन दौरे पर गए थे। इस लिहाज से राजनाथ सिंह की यह यात्रा खास मानी जा रही हैं।

सड़क दुर्घटनाओं की...

की रिपोर्टिंग का अपना नेटवर्क कायम कर लेंगे। यह सड़क सुरक्षा के लिए बड़ी बात होगी, क्योंकि इसी के आधार पर हमें दुर्घटनाओं के कारण और सुधार के उपायों के बारे में समझने में मदद मिलेगी। मंत्रालय ने सड़क सुरक्षा के लिहाज से एक अन्य अहम काम सड़कों को रखरखाव के ठेकों के दायरे में लाने का किया है। वैसे तो अब नई सड़कों के ठेके निश्चित अवधि तक रखरखाव की अनिवार्यता के साथ दिए जा रहे हैं, लेकिन सड़कों की एक बड़ी संख्या ऐसी है, जिनके संदर्भ में रखरखाव की जिम्मेदारी ही निर्धारित नहीं है। मंत्रालय के सचिव अनुराग जैन ने पिछले दिनों मीडिया को बताया कि 90 प्रतिशत से अधिक सड़कें अब मेंटिनेंस के ठेकों के दायरे में हैं। अगर गड्ढों के कारण कोई दुर्घटना होती है तो हम उसे तुरंत ठीक करने के साथ ही इसकी जिम्मेदारी भी निर्धारित कर सकते हैं। पांच हजार से अधिक लोगों की जान हर साल सड़कों में गड्ढों या अन्य कमियों के कारण चली जाती है।

मथुरा से भगवान...

मकर संक्रांति के दिन श्री कृष्ण जन्म भूमि से सुसज्जित वाहन में अयोध्या के लिए दिव्य लड्डुओं का भोग रवाना किया जाएगा, जो विभिन्न शहरों के रास्ते होते हुए अयोध्या पहुंचेंगे। साथ ही बताया कि जिस समय श्रीराम का प्राण प्रतिष्ठा समारोह अयोध्या में मनाया जाएगा तो वहीं जन्म स्थान परिसर में भी सुबह नौ बजे से खीर-हलवा-पूरी प्रसाद का वितरण किया जाएगा एवं 12:15 बजे से भगवान श्री राम की दिव्य आरती और दो बजे से लीला मंच पर भजन गायक जगदीश बृजवासी अपने भजनों की प्रस्तुतियां देंगे। वहीं 16 जनवरी से निरंतर 23 जनवरी तक संपूर्ण जन्म स्थान परिसर में रामधुन बजाई जाएगी एवं शाम को 5 बजे से संपूर्ण मंदिर परिषद में विशाल दीपदान का आयोजन प्रारंभ हो जायेगा। जिसमें विभिन्न प्रकार की भव्य रंगोली बनाई जाएगी एवं शाम को 7 बजे से भव्य दीपदान किया जाएगा। जिसमें हजारों की संख्या में समूचे मंदिर परिसर में दीपदान किए जाएंगे एवं जन्म स्थान परिसर में आने वाले सभी यात्री अयोध्या में होने वाले कार्यक्रम भी देख सकें। जिसके लिए एक विशाल स्क्रीन भी जन्म स्थान परिसर में लगाई जाएगी।

सदन में कोई ...

के लिए हो। विधान मंडलों में अनुशासन और शालीनता की कमी और सदस्यों के अमर्यादित आचरण से विधानमंडल की गरिमा कम होती है, जिससे लोकतंत्र पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। प्रत्येक जनप्रतिनिधि राष्ट्र की आशाओं और आकांक्षाओं का रक्षक है। जनता अपने बेहतर भविष्य के लिए जनप्रतिनिधियों पर विश्वास करती है। लोकसभा अध्यक्ष मंगलवार को मध्यप्रदेश विधानसभा में नवनिर्वाचित विधायकों के लिए आयोजित दो दिवसीय प्रबोधन कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर, उत्तरप्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष सतीश महाना, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, संसदीय कार्य मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार सहित मंत्रीगण उपस्थित थे। लोकसभा अध्यक्ष बिरला ने कहा कि मध्यप्रदेश की जनता से नवनिर्वाचित विधायकों को मिले जनादेश से उन्हें विशेष रूप से महिलाओं और कमजोर वर्गों की सामाजिक, आर्थिक प्रगति के लिए रचनात्मक प्रयास करने की जिम्मेदारी मिली है। विधायकों और जनप्रतिनिधियों के रूप में अपनी भूमिका के साथ पूर्ण न्याय करने के लिए विधायकगण को विधानसभा के नियमों और प्रक्रियाओं की जानकारी होना आवश्यक है। उन्होंने संसद को पेपरलेस बनाने की दिशा में की गई कार्यवाही का उल्लेख करते हुए बताया कि भारत की संसद डिजिटलीकरण में विश्व में अग्रणी है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कार्यक्रम के आयोजन के लिए मप्र विधानसभा के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर को धन्यवाद दिया। विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने लोकसभा के प्रभावी संचालन से संसदीय परम्परा को समृद्ध बनाने के साथ-साथ लोकतंत्र की जड़ों को मजबूत किया है, उन्हें लोकसभा में कई नए आयाम स्थापित करने का गौरव भी प्राप्त है। यह अपेक्षा है कि मध्यप्रदेश विधानसभा के गरिमावान सदस्यों से प्रदेश की विधानसभा की प्रतिष्ठा पूरे देश में बढ़ेगी। विधायकों के लिए आवश्यक हैकि अपनी बात रखते समय उनका जोश दिखे, परंतु क्रोध पूरी तरह से नियंत्रण में हो। उन्होंने कहा कि विधानसभा में अपनी बात रखने के लिए पर्याप्त प्लेटफार्म उपलब्ध है। प्रबोधन और प्रशिक्षण का यह कार्यक्रम विधायकगण को विधानसभा की नियमावली, परम्पराओं, प्रचलित व्यवस्थाओं से परिचित कराने में प्रभावी सिद्ध होगा और यह कार्यक्रम विधायकों को पूरे कार्यकाल की लिए उपयोगी सिद्ध होगा। दायित्वों का निर्वहन करने और उत्कृष्ट जनप्रतिनिधि बनने में प्रशिक्षण का बहुत अधिक महत्व है। उन्होंने विधायकगण को अपनी विधानसभा क्षेत्र से संबंधित विषयों के साथ-साथ क्षेत्र और प्रदेश के सम्पूर्ण विकास से जुड़े मुद्दों को व्यापकता के परिप्रेक्ष्य में देखते हुए कार्य करने के लिए प्रेरित किया। तोमर ने मध्यप्रदेश विधानसभा के लिए ई-विधान प्रोजेक्ट स्वीकृत करने तथा विधायकों के आवास की व्यवस्था के लिए नया प्रोजेक्ट लेने का मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से अनुरोध किया। मप्र विधानसभा के प्रमुख सचिव एपी सिंह ने समस्त अतिथिगण का स्वागत किया। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव सहित सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह और भारत के संविधान की पुस्तक भेंट की। मुख्यमंत्री मोहन यादव, संसदीय कार्य मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार तथा लोक सभा के महासचिव उत्पल कुमार सिंह ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। इस अवसर पर मध्यप्रदेश विधानसभा द्वारा प्रकाशित पुस्तकों का विमोचन भी किया गया। मध्यप्रदेश विधानसभा सचिवालय द्वारा लोकसभा सचिवालय के संसदीय लोकतंत्र शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान (प्राइड) के सहयोग से आयोजित दो दिवसीय प्रबोधन कार्यक्रम में विधायकगण, संसदीय शिष्टाचार और आचरण, बजटीय प्रक्रियाएं और संसद/विधानमंडलों में वित्तीय कार्य, संसदीय विशेषाधिकार, प्रश्नकाल, अल्पकालीन चर्चा, स्थगन, ध्यानाकर्षण, अविलंबनीय लोक महत्व के मामलों की सूचनाओं का महत्व और उपयोग तथा संसदीय प्रणाली में समितियों की भूमिका और कार्यप्रणाली के संबंध में जानकारी प्राप्त करेंगे।

स्वर्ण कपाटों से ...

लगाए जाने हैं। इसमें भूतल पर 18 कपाट हैं, लेकिन 14 कपाट स्वर्ण मंडित होंगे। महाराष्ट्र की सागौन की लकड़ी से ये कपाट तैयार किए गए। बाद में इन पर चढाने के लिए सोने की पत्तल तैयार की गई। कारीगरों का कहना है कि एक सप्ताह के भीतर कपाट लगा दिया जाएगा। एलएंडटी के निदेशक बीके मेहता ने बताया कि स्वर्ण मंडित कपाट लगाना शुरू हो गया है।

कर्नाटक के राज्यपाल ...

के उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़कर 3,919 हो गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय के मंगलवार सुबह 08 बजे के ताजा आंकड़ों के मुताबिक इस दौरान छह संक्रमितों की मौत हुई है, जिनमें कर्नाटक के तीन, छत्तीसगढ़ के दो और असम का एक मरीज है।

बंगाल में सागर ...

बोर्ड, भारतीय तट रक्षक, भारतीय मत्स्य सर्वेक्षण, मछुआरा संघ और अन्य गण्यमान्य व्यक्ति भी सागर परिक्रमा चरण- 12 कार्यक्रम में भाग लेंगे। *सागर परिक्रमा* के पहले चरण की यात्रा 5 मार्च, 2022 को मांडवी, गुजरात से शुरू हुई थी। सागर परिक्रमा चरण- 12 कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय मंत्री रुपाला विशेष रूप से तटीय मछुआरों और मछली किसानों, युवा मत्स्य उद्यमियों आदि को किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) लाभार्थियों और अन्य हितधारकों को सम्मानित करेंगे। पश्चिम बंगाल आठ लाख हेक्टेयर से अधिक अंतर्देशीय जल निकायों और 158 किमी की तट रेखा के साथ विविध जलीय संसाधनों वाले छह कृषि-जलवायु क्षेत्रों से संपन्न है। सागर परिक्रमा चरण-12 पश्चिम बंगाल के तटीय क्षेत्र दीघा, शंकरपुर फिशिंग हार्बर, डायमंड हार्बर में सुल्तानपुर फिशिंग हार्बर और गंगा सागर को कवर करेगा।

कांग्रेस को लेकर एआईयूडीएफ नेता बदरूद्दीन अजमल के बिगड़े बोल

ग्वालपाड़ा (हिंस)। ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) के प्रमुख मौलाना बदरूद्दीन अजमल ने शब्दों की मर्यादा की सारी सीमाएं आज पार कर दी। आज ग्वालपाड़ा सर्किट हाउस में संवाददाताओं से बातचीत करते हुए उन्होंने कांग्रेस पार्टी को लेकर विवादित शब्द (सियार) का प्रयोग किया। उन्होंने कहा कि अजमल तो अजमल हैं, उनका कांग्रेस के साथ कोई मुकाबला नहीं है। बीते चुनाव में अजमल की कृपा से कांग्रेस को लोकसभा की 14 सीटों में से तीन सीटें मिल गई थीं। इस बार कांग्रेस में दम है तो अजमल के समर्थन के बिना एक भी सीट जीतकर दिखाए।

बदरूद्दीन अजमल ने आरोप लगाया कि कांग्रेस के नेता मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के डिक्टेशन पर कार्य कर रहे हैं। हिमंत विश्व शर्मा जो कहते हैं कांग्रेस के नेता वही बयान देते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता मुख्यमंत्री हिमंत से रुपये लेते हैं, लेकिन अजमल को खरीदने का दम किसी में नहीं है। उन्होंने कहा कि चुनाव के मौके पर आकर राज्य सरकार मुसलमानों के घर तोड़ रही है, मदरसों को तोड़ रही है और कांग्रेस मूकदर्शक बनी हुई है क्योंकि कांग्रेस समझती है कि लोग मजबूरन अजमल को छोड़ कांग्रेस की ओर चले जाएंगे। अजमल ने कहा कि कांग्रेस के लिए आज एनआरसी, डी वोटर, बांग्लादेशी, मुस्लिम, मदरसा आदि कुछ भी मुद्दा नहीं रहा कांग्रेस का एकमात्र मुद्दा अजमल है। पत्रकारों के एक प्रश्न के उत्तर में अजमल ने कहा कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा का कोई लाभ मिलने वाला नहीं है। पहले भी राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा शुरू की थी चुनाव में परिणाम क्या निकला सबके सामने है। उन्होंने कहा कि लोग राहुल गांधी को देखने जरूर आएंगे। मौलाना बदरूद्दीन अजमल ने हद तो तब कर दी, जब उन्होंने कहा कि राहुल गांधी गोरे और चिकने हैं, यदि किसी गोरी और चिकनी लड़की पर उनकी नजर पड़ जाए तो लड़की की भाग्य खुल जाएगी। अजमल यहीं पर नहीं रुके। उन्होंने कहा कि स्कूलों में लड़कियां लिपस्टिक लगाकर, गालों को लाल करके आती हैं। वहीं मौलाना ने बताया कि स्कूल के मुस्लिम छात्रों से उन्होंने कहा है कि उन्हीं लड़कियों से शादी करना जो लड़कियां हिजाब लगातार स्कूल में आती हो। संवाददाताओं से बातचीत के दौरान अजमल ने कई आपत्तिजनक बातें कहीं, जो राजनीति की मर्यादा को तार-तार करने वाली है।

करीमगंज में 100 करोड़ रुपए के ड्रग्स के साथ चार तस्कर गिरफ्तार

करीमगंज (हिंस)। करीमगंज में 100 करोड़ रुपए मूल्य के ड्रग्स के साथ चार तस्करों को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने आज बताया कि ड्रग्स के खिलाफ मुहिम में यह एक बड़ी जीत है। असम पुलिस के डीआईजी पार्थसारथी महंत और करीमगंज के पुलिस अधीक्षक पार्थ प्रतिम दास के नेतृत्व में स्पेशल टास्क फोर्स और करीमगंज पुलिस के संयुक्त अभियान में आज नीलामबाजार थाना अंतर्गत सुप्राकांदी में भारी मात्रा में ड्रग्स जब्त किए गए। कुल जब्ती में 5.10 किलोग्राम हेरोइन, 64 हजार याबा टैबलेट और विदेशी सिगरेट के चार पैकेट शामिल हैं। पुलिस ने इन नशीली दवाओं के साथ चार लोगों को गिरफ्तार किया है। उनकी पहचान करीमगंज के रहने वाले नूर अहमद और मिजोरम के थेनजोल के रहने वाले ज़ोसांगलियानी, रामनघेका और लालचमलियाना के रूप में की गई है। बाजार मूल्य के लिहाज से पूर्वी भारत में नशीली दवाओं की यह सबसे बड़ी जब्ती मानी जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने ड्रग्स की इस बरामदगी के लिए सोशल मीडिया के जरिए असम पुलिस को बधाई दी है।

पुलिसकर्मियों के लिए मुफ्त स्वास्थ्य जांच शिविर

इटानगर (हिंस)। अरुणाचल प्रदेश की राजधानी पुलिस ने टोमो रीबा इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ एंड मेडिकल साइंसेज (टीआरआईएचएमएस) के सहयोग से राजधानी पुलिस के लिए दो दिवसीय मुफ्त स्वास्थ्य जांच शिविर आज यहां राजधानी पुलिस निरीक्षक कार्यालय में शुरू हुआ। दो दिवसीय शिविर में व्यापक चिकित्सा जांच, गैर संचारी रोग स्क्रीनिंग, मुफ्त लैब परीक्षण, नेत्र परीक्षण, मुफ्त दवाएं और बीएमआई स्क्रीनिंग शामिल होगी। इस अवसर पर बोलते हुए एसपी कैपिटल रोहित राजबीर सिंह ने बताया कि दो दिनों तक चलने वाले नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर में वे राजधानी क्षेत्र के सभी पुलिस कर्मियों सहित अग्निशमन सेवा आदि के पुलिसकर्मियों को नि:शुल्क स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करेंगे। नि:शुल्क दवा उपलब्ध कराई जाएगी। जांच के लिए विभिन्न विभाग से कुल 6 डॉक्टरों का पैनल है। विभिन्न शारीरिक या स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को देखते हुए कई पुलिसकर्मी अपने कर्तव्यों का पालन ठीक से नहीं कर पा रहे हैं, इसलिए नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर के माध्यम से हम यह जानने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम पुलिस कर्मियों के स्वास्थ्य जांच रिपोर्ट का रिकॉर्ड सर्विस बुक में रखेंगे और उनकी स्वास्थ्य स्थिति रिपोर्ट के अनुसार हम उनकी ड्यूटी लगाएंगे। उन्होंने यह भी बताया कि कल इस अवसर पर एक स्वैच्छिक रक्तदान भी आयोजित किया जाएगा, जिसमें राजधानी पुलिस की टीम भाग लेगी, जिसमें राजधानी क्षेत्र में तैनात सीआरपीएफ जवान भी शामिल होंगे।

राज्यपाल ने ई-गवर्नेंस पर दो दिवसीय क्षेत्रीय सम्मेलन का किया उदघाटन

गुवाहाटी (हिंस)। राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने आज यहां असम प्रशासनिक स्टाफ कॉलेज में केंद्रीय कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह की उपस्थिति में ई-गवर्नेंस पर दो दिवसीय क्षेत्रीय सम्मेलन का उदघाटन किया। इस अवसर पर बोलते हुए राज्यपाल कटारिया ने भारत को डिजिटल रूप से सशक्त समाज और ज्ञान अर्थव्यवस्था बनाने के उद्देश्य से *डिजिटल इंडिया* के दृष्टिकोण को साकार करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि हम एक मजबूत डिजिटल बुनियादी ढांचा बनाने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं, जो हमारे नागरिकों के हितों की सेवा करेगा और उनके जीवन को बदल देगा। ई-गवर्नेंस हमारे डिजिटल इंडिया के सपने का एक अनिवार्य हिस्सा है। राज्यपाल ने कहा कि हम शासन में जो प्रौद्योगिकियां शामिल कर रहे हैं, उनका उद्देश्य हमारे जीवन को सरल और आसान बनाना है। ई-गवर्नेंस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए, कटारिया ने यह भी कहा कि ई-गवर्नेंस कई बाधाओं को दूर करता है, जो अन्यथा काम की गति और प्रगति की उपलब्धि को धीमा कर देता है। ई-गवर्नेंस पारदर्शिता लाता है, भ्रष्टाचार को समाप्त करता है, कार्रवाई की समयबद्धता, देरी को समाप्त करता है, लागत को कम करता है और बिचौलियों आदि को हटाता है। राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारा देश डिजिटल प्रौद्योगिकी में अग्रणी है। इसके अलावा, राष्ट्र के पास जो युवा ऊर्जा है वह हमारी बेशकीमती संपत्ति है। इसलिए, हम ई-गवर्नेंस के एक हिस्से के रूप में प्रौद्योगिकी के माध्यम से कौशल विकास पर अधिक जोर दे रहे हैं। राज्यपाल ने एम-गवर्नेंस (मोबाइल गवर्नेंस) के महत्व को भी रेखांकित किया जो मोबाइल फोन के माध्यम से बिल भुगतान, ट्रैफिक अलर्ट, ट्रैफिक जुर्माना भुगतान और अन्य उपयोगिता सेवाएं उपलब्ध कराता है। यह सेवाओं की समयबद्ध डिलीवरी के साथ-साथ शिकायतों के त्वरित निवारण के लिए सरकार और नागरिकों को जोड़ने के लिए एक व्यापक नागरिक मंच, सेवा सेतु तक पहुंच भी सुनिश्चित करता है। उन्होंने कहा कि असम, जो पूर्वोत्तर राज्यों के साथ-साथ दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के लिए प्रवेश द्वार है, आईटी का एक अग्रणी केंद्र है, जिसने नागरिक-सरकारी जुड़ाव की एक नई प्रक्रिया बनाने के लिए प्रौद्योगिकी, नवाचार और शासन को एकजुट रूप से विलय कर दिया है। कटारिया ने हालांकि कहा कि पारंपरिक पद्धति से इलेक्ट्रॉनिक फिलिंग में बदलाव के लिए लाभार्थियों की मानसिकता में बदलाव की आवश्यकता है। इसलिए, लोगों को ई-गवर्नेंस पहल का पूरा लाभ उठाने के लिए खुद को इलेक्ट्रॉनिक प्रक्रियाओं के अनुकूल ढालने की जरूरत है। इसलिए, इस बदलाव को सुविधाजनक बनाने में सक्रिय भूमिका निभाना विभिन्न सरकारी एजेंसियों और अन्य हितधारकों के लिए प्रासंगिक है। राज्यपाल ने कहा कि ई-गवर्नेंस की सफलता पूरी तरह से प्रक्रियात्मक, तकनीकी और सांस्कृतिक परिवर्तन के सफल और सुचारू प्रबंधन पर निर्भर करती है। राज्यपाल ने प्रसन्नता व्यक्त की कि असम में भी ई-गवर्नेंस डिजिटल असम कार्यक्रम की प्रमुख पहलों में से एक है। असम के नागरिक अब प्रमाणपत्रों के लिए आवेदन करने, करों का भुगतान करने और सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने के लिए विभिन्न ऑनलाइन सेवाओं का लाभ उठा रहे हैं। मुझे खुशी है कि राज्य सरकार प्रौद्योगिकी के माध्यम से भूमि रिकॉर्ड के डिजिटलीकरण और मैपिंग के लिए *मिशन वसुंधरा*, सचिवालय में आधिकारिक फाइलों के डिजिटलीकरण के लिए *मिशन सदभावना*, *कृतज्ञता पोर्टल* और पेंशनभोगियों के लिए *जीवन प्रमाण* जैसी परियोजनाओं को लागू कर रही है। प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग (डीएआरपीजी) ने असम सरकार के सहयोग से दो दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया है। इस अवसर पर असम सरकार के मुख्य सचिव पबन कुमार बरठाकुर, डीएआरपीजी वी श्रीनिवास, आयुक्त और सचिव, एआर और प्रशिक्षण, शांतनु गोतमारे के साथ कई अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। 25 क्षेत्रीय सम्मेलनों की यात्रा पर एक पुस्तिका और ई-गवर्नेंस पहल पर ई-जर्नल एमजीएमजी (जुलाई-दिसंबर, 2023 संस्करण) भी जारी किया गया।

साधुमार्गी जैन संघ, बिलासीपाड़ा की नई कार्यकारिणी गठित

कोकराझार (विभास)। श्री साधुमार्गी जैन संघ, बिलासीपाड़ा के दो वर्षीय कार्यकाल के लिए चुनाव बृहस्पतिवार को सभी संघ सदस्यों की उपस्थिति में आज की सभा अध्यक्ष श्रीमान संतोकचंद जी आंचलिया के निवास स्थान पर सर्वसम्मति से हुए। संघ मीडिया प्रभारी चांद लुणावत ने बताया कि संघ के वरिष्ठ सदस्यों की देख रेख एवं निगरानी में चुनाव प्रक्रिया सुचारू रूप से संपन्न हुई एवं संघ के सभी पदों के लिए प्रस्तावित नामों पर सर्वसम्मति से सहमति बनी। तत्पश्चात नई कार्यकारणी सत्र 2024-2026 का गठन किया गया। श्री साधुमार्गी जैन संघ, बिलासीपाड़ा की नई कार्यकारिणी निम्नलिखित रूप से गठन की गई। सर्वप्रथम संघ के सभी सदस्यों ने संघ के वरिष्ठ सदस्य एवं पूर्व अध्यक्ष भंवरलाल लुणावत व पूर्व उपाध्यक्ष मालचंद लालानी, कमल चंद मुणोत एवं संघ के वरिष्ठ सदस्य करनीदान बोथरा को संघ सघंरक्षक के रूप में नियुक्त किया। तत्पश्चात वर्तमान अध्यक्ष संतोकचंद आचलिया को निर्विरोध दोबारा अध्यक्ष पद के लिए सर्वसम्मति से चुन लिया गया। एवं उपाध्यक्ष पद के लिए चम्पालाल चोरड़िया को, महामंत्री पद के लिए हंसराज लुणावत को, कोषाध्यक्ष पद के लिए पवन कुमार लुणावत को, सह मंत्री पद के लिए श्याम सुंदर चोरड़िया को एवं मीडिया प्रभारी के लिए चांद लुणावत को इसी के साथ नई कार्यकारिणी के लिए आठ सदस्यों इंदरचंद लुणावत, सुशीलकुमार आंचलिया, प्रकाशचंद लुणावत, किशोर धारीवाल, राजकुमार भुरा, मनोजकुमार चोड़डिया, अमर कुमार बोथरा एवं पंकज कुमार मरोठी के नाम पर सर्वसम्मति बनी। और इसी के साथ नए कार्यकारिणी सत्र 24-26 का गठन सुचारु रूप से सम्पन्न हुआ संघ अध्यक्ष मंत्री ने सभी को धन्यवाद दिया एवं संघ के प्रगति में एक एक सदस्य की भागीदारी का आह्वान करते हुए सभी से सहयोग की अपील की जय गुरू राम।

नोखा नागरिक परिषद ने सबके राम सब घर राम का पोस्टर का किया विमोचन

गुवाहाटी। नोखा नागरिक परिषद द्वारा *सबके राम सब घर राम* कार्यक्रम के पोस्टर विमोचन का कार्यक्रम छत्रीबा ?ी स्थित श्याम मंदिर में किया गया। मंदिर के पुजारी पंडित गोपाल शर्मा ने भगवान श्याम की आराधना के साथ पोस्टर का विमोचन करवाया। नोखा नागरिक परिषद के अध्यक्ष कमल बैद द्वारा मुख्य पुजारी का पीताम्बर दुप्पटा से स्वागत किया। इस मौके पर मोटर्स पार्ट्स एसोसिएशन और श्याम मंदिर के प्रकाश लोहिया भी उपस्थित थे। उन्होंने परिषद के कार्य की सराहना की और मंदिर कमेटी की तरफ से नोखा नागरिक परिषद के अध्यक्ष कमल बैद का स्वागत किया। मंत्री उमाशंकर गट्टाणी में बताया इस कार्यकम का सयोंजक नारायण गट्टानी, महावीर चांडक, मनीषा पींचा, विनीता डागा को बनाया गया है। सयोंजक महावीर चांडक ने जनाकारी देते हुवे बताया भगवान राम के मंदिर के स्थापना दिवस ओर सम्पूर्ण नोखा प्रवासियों को धूमधाम से मनाने का आवहान किया है साथ मे रंगोली और अपने घर के मंदिर को सजाने का निवेदन किया और उसका फोटो के माध्यम से संयोजको भेजे। जिनके मंदिर की सजावट और रंगोली मनमोहक होगी उनको पुस्करत किया जाएगा। परिषद की और से कन्हैया लाल पींचा ने बताया कि इस कार्यक्रम में अशोक लुणावत, सुंदरलाल मरोठी, प्रीति बैद सहित काफी संख्या सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन महावीर चांडक ने किय।

त्रिपुरा में भारी मात्रा में गांजा के साथ तस्कर गिरफ्तार

अगरतला (हिंस)। त्रिपुरा में भारी मात्रा में गांजा के साथ तस्कर को गिरफ्तार कर लिया गया। त्रिपुरा पुलिस ने आज बताया कि विशिष्ट खुफिया जानकारी के आधार पर *नशा मुक्त त्रिपुरा* की दिशा में एक और सफलता हासिल करते हुए राज्य की धलाई पुलिस ने अंबासा के बेंतबागान नाका पॉइंट पर दो वाहनों को रोका। वाहनों से कुल 410 किलोग्राम सूखा गांजा बरामद किया गया, जिसका बाजार मूल्य 41 लाख रुपए बताया गया है। एक अन्य इनपुट के आधार पर सीआरपीएफ, असम राइफल्स तथा टीएसआर के साथ बेंतबागान नाका पर तैनात पुलिस कर्मियों ने एक ट्रक को रोका। तलाशी लेने पर 80 पैकेटों में लपेटा हुआ 1630 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया। जिसकी बाजार में कीमत 1.63 करोड़ रुपए आंकी गई है। एक व्यक्ति को हिरासत में ले लिया गया। दोनों ही मामलों में अंबासा थाने में एनडीपीएस एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज की गई। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री प्रो (डॉ.) माणिक साहा ने इस बड़ी बरामदगी के लिए त्रिपुरा पुलिस को बधाई दी है।

रंगिया : धर्मपरायण महिला बासंती समाद्दार का निधन

रंगिया (विभास)। रंगिया के प्रतिष्ठित स्व. नलिनी राजन समाद्दार की धर्मपत्नी तथा धर्मपरायण महिला बासंती समाद्दार का 8 जनवरी, सोमवार को निधन हो गया। स्व. बासंती समाद्दार को बीते बुधवार को अचानक हुई उच्च रक्तचाप की जटिलता के कारण गुवाहाटी चिकित्सा महाविद्यालय अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहाँ उन्होंने सुबह 11 बजे अपनी अंतिम सांस ली। रंगिया के वरिष्ठ पत्रकार तापस समाद्दार एवं विशिष्ठ व्यवसायी तरुण समाद्दार, तपन समाद्दार की माता तथा धर्मपरायण महिला 79 वर्षीय बासंती देवी के निधन से अंचल में भारी शोक व्याप्त है। उनके निधन की खबर पाकर उनके परिजनों और स्थानीय लोगों ने उनका अंतिम दर्शन उनके निवास स्थान पर श्रद्धासुमन के साथ किया। स्व. बासंती समाद्दार सभी सामाजिक और धार्मिक कार्यो से जुड़ी हुई थी। रंगिया समाज के कई संगठनों सहित स्थानीय लोगों ने दिवंगत आत्मा की चिर शांति के लिए प्रार्थना की है। उनकी अंतिम यात्रा सोमवार को संध्या 4 बजे रंगिया के वार्ड नं-1 स्थित उनके आवास से निकाली गई और धार्मिक रीति रिवाज के साथ रंगिया मुक्तिधाम में उनका अंतिम संस्कार किया गया। स्व. समाद्दार अपने पीछे पति, तीन पुत्र, 2 पुत्रियों, नाती, पोतों सहित भरापूरा परिवार छोड़ गई है।

शंकर प्रसाद गुप्ता के स्मरण में चार शोक संदेश व श्रद्धांजलि पत्र का पाठ किए गए

विश्वनाथ (विभास)। असम के जाने में वरिष्ठ नागरिक, समाजसेवी, हिंदी प्रेमी, मृदुभाषी एवं कर्मठ व्यक्ति शंकर प्रसाद गुप्ता के आज उनके प्रथम मासिक पुण्यतिथि के अवसर पर सामाजिक स्तर से विश्वनाथ के वरिष्ठ नागरिक व परिवार वर्ग द्वारा श्रद्धांजलि अनुष्ठान और स्मरणीय सभा का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम असम के जाने - माने शिक्षाविद जीतेन भागवति के अध्यक्षता में आयोजित श्रद्धांजलि अनुष्ठान और स्मरणीय सभा की संचालन वरिष्ठ नागरिक कमल भुञां ने की। इसके बाद सभा में चैंबर ऑफ कॉमर्स विश्वनाथ के अध्यक्ष प्रभुनाथ सिंह ने स्वर्गीय शंकर प्रसाद गुप्ता जी के प्रतिछवि के सामने दीप प्रज्ज्वलन कर शुभारंभ किया। उसके बाद सभा में मंचासीन अतिथियों को फुलाम गामोछा से स्वागत किया गया। सभा में विख्यात नाट्यकार तरुण शइकीया ने सर्वप्रथम स्वर्गीय शंकरप्रसाद गुप्ता के प्रतिछवि में सर्वप्रथम श्रद्धांजलि सुमन अर्पित किया। इसके बाद उपस्थित महानुभावों ने उनके श्रीचरण में श्रद्धा सुमन अर्पित कर नम आंखों से श्रद्धांजलि दी। तत्पश्चात् स्वर्गीय गुप्ता जी वरिष्ठ पुत्र श्रीप्रकाश गुप्ता ने अपने स्वागत भाषण से सभी को आभार जाताया। इसके बाद विश्वनाथ चारिआलि राष्ट्रभाषा प्रबोध विद्यालय परिचालना समिति, राष्ट्रभाषा प्राथमिक विद्यालय, राष्ट्रीय विद्यालय हाई स्कूल और मध्यदेशीय वैश्य महासभा, विश्वनाथ ने शोक संदेश एवं श्रद्धांजलि पत्र पाठकर सभा के अध्यक्ष व परिवार वर्ग को भेंट की। इसके बाद सभा में उपस्थित वरिष्ठ नागरिक व परिवार द्वारा गुप्ता जी के जीवन के स्मरणीय पलों को याद करते हुए उनके किये अवदानों पर प्रकाश डाले। वरिष्ठ कवि जमीर अहमद द्वारा गुप्ता, पुत्र नागेश कुमार गुप्ता, मनीषा पाल ने गुप्ता जी के जीवन पर आधारित कविता का प्रस्तुति कर सभी को नम किया। इस मौके पर वरिष्ठ नागरिक विद्युत शर्मा, विजय गोस्वामी, सीदा भागवति, कमल शइकीया, दीपक दास, धनदा कलिता, शंकर प्रसाद साहू, लोकनाथ शास्त्री, जमीर अहमद, सूर्य नारायण पाण्डेय, पारस गुप्ता, विनोद कुमार गुप्ता, विश्वनाथ जिला के आसू के अध्यक्ष विक्रम तथा गणमान्य व समस्त गुप्ता परिवार मौजूद थे।

भारी मात्रा में गांजा समेत तीन गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी रेलवे स्टेशन से जीआरपीएफ की टीम ने भारी मात्रा में गांजा समेत तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। जीआरपीएफ प्रभारी ने मंगलवार को बताया कि गुवाहाटी रेलवे स्टेशन पर नियमित तलाशी के दौरान रेलवे स्टेशन पर खड़ी ट्रेन नंबर 20501 तेजस एक्सप्रेस से तीन लोगों को गंजा समेत गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार तस्कर के पास से बैग में भरकर रख गए नौ पैकेट गांजा बरामद किया गया है। जिसका वजन लगभग 29 किग्रा आंकी गई है। इस मामले में गांजा तस्कर राकेश दास (34, त्रिपुरा), रवीन्द्र मंडल (त्रिपुरा) और अजय कुमार (भागलपुर, बिहार) को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार तीनों आरोपित ट्रेन के जरिए अगरतला से बिहार जा रहे थे। घटना के संबंध में रेलवे पुलिस एनडीपीएस एक्ट के तहत एक प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार गांजा तस्करों से सघन पूछताछ की जा रही है।

गुवाहाटी ज्ञानशाला ज्ञानार्थी परीक्षा आयोजित

गुवाहाटी। युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमणजी की परम अनुकम्पा से श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा, गुवाहाटी के तत्वावधान एवं ज्ञानशाला संयोजिका कान्ता देवी बच्छावत, सभी संचालन समिति सदस्य, ज्ञानशाला परीक्षा व्यवस्थापिका एवं सहसंयोजिका ममता पुगलिया तथा ज्ञानशाला प्रायोजक बिमला कोचर की उपस्थिति में गुवाहाटी ज्ञानशाला ज्ञानार्थी वार्षिक परीक्षा 2024 गत 7 जनवरी को दोपहर 2 बजे से स्थानीय तेरापंथ धर्मस्थल में सफलतापूर्वक आयोजित की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ नमस्कार महामंत्र से किया गया, जिसमें सभी संघीय संस्थाओं के पदाधिकारी एवं सदस्यगण उपस्थित थे। तेरापंथी सभा के अध्यक्ष बजरंग कुमार सुराणा, मंत्री रायचंद पटावरी एवं पदाधिकारीगण तथा महिला मंडल की उपाध्यक्ष सुनीताजी गुजरानी और तेरापंथ युवक परिषद के अध्यक्ष जयंत सुराणा व मंत्री संदीप कुमार भादानी के द्वारा दोपहर 1:45 पर प्रश्न-पत्र खोले गए, जिसमें पूर्ण गोपनीयता और प्रामाणिकता बरती गई। भाग-1 (49), भाग-2 (30), भाग-3 (16), भाग-4 (7), भाग-5 (13) कुल 115 विद्यार्थियों ने इस परीक्षा में उत्साहपूर्वक भाग लिया। सभी विद्यार्थियों ने समय पर उपस्थिति दर्ज कराई। इसमें परीक्षा भाग-1 की प्रशिक्षिका कनक लता सेठिया, बबीता पटवा, मंजू डागा, सायर भंडारी, दीपिका कुंडलिया, लीला छाजेड़, एकता नौलखा, पिंकी पटावरी, भाग-2 विजयलक्ष्मी पुगलिया, ललिता मालू, इंदु डागा, शांति गुलगुलिया, सुनीता पटवा, अनीता गुलगुलिया, कविता बांठिया, सुजाता बोथरा, भाग-3 एकता बोथरा, रेणु बरड़िया, नीलम चिंडालिया, भारती महणोत, भाग-4 जतनी देवी संचेती, संगीता बैद, भाग-5 कोकिला सुराणा, जया घीया के अलावा विशेष सहयोगी बहनें शांति कुंडलिया, सुष्मा बोथरा, संगीता मालू, रीता मरोठी के सहयोग से परीक्षा का समापन अपराह्न 4 बजे हुआ, जिसके पश्चात अल्पाहार करवाया गया। सह-ज्ञानशाला के बच्चों की आसपास के क्षेत्रों में परीक्षा ली गई, जिसमें करीब 20 बच्चे थे। परीक्षा के सफल समापन पर सभी प्रशिक्षकाओं, विशेष सहयोगी बहनों व ज्ञानशाला के सभी ज्ञानार्थी एवं अभिभावकों को धन्यवाद दिया गया। इस आशय की जानकारी संचालन समिति सदस्य हेमंत सेठिया द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में दी गई है।

वाइब्रेंट गुजरात समिटः प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तिमोर-लेस्ते के राष्ट्रपति से मुलाकात

गांधीनगर, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और तिमोर-लेस्ते के राष्ट्रपति डॉ. जोस रामोस होर्टा ने मंगलवार को गांधीनगर में मुलाकात की। तिमोर-लेस्ते के राष्ट्रपति होर्टा 10वें वाइब्रेंट गुजरात वैश्विक शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए 8-10 जनवरी तक भारत की यात्रा पर हैं। प्रधानमंत्री ने वाइब्रेंट गुजरात शिखर सम्मेलन में राष्ट्रपति होर्टा और उनके प्रतिनिधिमंडल का गर्मजोशी से स्वागत किया। यह दोनों देशों के बीच राज्य प्रमुख या सरकार स्तर की पहली यात्रा है। प्रधानमंत्री ने एक जीवंत "दिल्ली-दिली" संपर्क बनाने की भारत की प्रतिबद्धता की फिर से पुष्टि की। सितंबर 2023 में उन्होंने तिमोर-लेस्ते में भारतीय मिशन खोलने की घोषणा की थी। उन्होंने तिमोर-लेस्ते को क्षमता निर्माण, मानव संसाधन विकास, आईटी, फिनटेक, ऊर्जा तथा पारंपरिक चिकित्सा और फार्मा सहित स्वास्थ्य सेवा में सहायता की पेश-ाकश की। उन्होंने तिमोर-लेस्ते को अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) और आपदा प्रतिरोधी अवसंरचना गठबंधन (सीडीआरआई) में शामिल होने के लिए भी आमंत्रित किया। उन्होंने तिमोर-लेस्ते को अपने 11वें सदस्य के रूप में शामिल करने के आसियान के सैद्धांतिक निर्णय के लिए राष्ट्रपति होर्टा को बधाई दी और जल्द ही पूर्ण सदस्यता प्राप्त करने का भरोसा जताया। राष्ट्रपति होर्टा ने शिखर सम्मेलन के आमंत्रण के लिए प्रधानमंत्री को धन्यवाद दिया। उन्होंने अपनी विकास प्राथमिकताओं को पूरा करने में, विशेष रूप से स्वास्थ्य सेवा और आईटी में क्षमता निर्माण के क्षेत्र में, भारत से समर्थन मांगा। दोनों राजनेताओं ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में क्षेत्रीय मुद्दों और विकास पर भी चर्चा की। राष्ट्रपति होर्टा ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता के लिए सशक्त समर्थन व्यक्त किया। दोनों राजनेताओं ने बहुपक्षीय क्षेत्र में अपना उत्कृष्ट सहयोग जारी रखने की प्रतिबद्धता जताई। प्रधानमंत्री मोदी ने वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ शिखर सम्मेलन के दो संस्करणों में तिमोर-लेस्ते की सक्रिय भागीदारी की सराहना की। वे इस बात पर सहमत हुए कि ग्लोबल साउथ के देशों को वैश्विक मुद्दों पर अपनी स्थिति में तालमेल बिठाना चाहिए।

भारत और तिमोर-लेस्ते के बीच द्विपक्षीय संबंध लोकतंत्र और बहुलता के साझा मूल्यों पर आधारित हैं। भारत 2002 में तिमोर-लेस्ते के साथ राजनयिक संबंध स्थापित करने वाले पहले देशों में से एक था।

ईडी के कार्यवाहक प्रमुख राहुल नवीन अतिरिक्त सचिव स्तर पर पदोन्नत

- एसीसी ने 10 अन्य अधिकारियों को अतिरिक्त सचिव स्तर के बराबर पदोन्नति को मंजूरी दी

नई दिल्ली, (हि.स.)। केंद्र सरकार ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के कार्यवाहक प्रमुख राहुल नवीन को अतिरिक्त सचिव के स्तर पर पदोन्नत किया है। भारतीय राजस्व सेवा के अधिकारी नवीन केंद्रीय जांच एजेंसी के प्रभारी निदेशक के रूप में कार्यरत हैं। केंद्रीय कार्मिक मंत्रालय की ओर से जारी आदेश के मुताबिक कैबिनेट की नियुक्ति समिति (एसीसी) ने राहुल नवीन के पद और वेतन को अतिरिक्त सचिव के स्तर पर करते हुए उन्हें ईडी के विशेष निदेशक के रूप पदोन्नति को मंजूरी दी है। भारतीय राजस्व सेवा के 1993 बैच के अधिकारी राहुल नवीन पिछले साल 15 सितंबर को ईडी निदेशक संजय कुमार मिश्रा का कार्यकाल पूरा होने के बाद से जांच एजेंसी के प्रभारी निदेशक के तौर पर काम कर रहे हैं। एसीसी ने 10 अन्य अधिकारियों को अतिरिक्त सचिव स्तर के बराबर पदोन्नति को मंजूरी दी है।

शुभा ठाकुर कृषि एवं किसान कल्याण विभाग में, संजुक्ता मुद्गल संस्कृति मंत्रालय, अनंत स्वरूप वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय और नवलजीत कपूर जनजातीय कार्य मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव होंगे। इस-ाके अलावा मनोज पांडे कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय, अनुराग बाजपेयी रक्षा उत्पादन विभाग, आलोक पांडे निवेश और लोक परिसंपत्ति प्रबंधन विभाग और सुनील कुमार विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग में अतिरिक्त सचिव होंगे, जबकि हनीफ कुरैशी को भारी उद्योग मंत्रालय और आनंदराव विष्णु पाटिल को स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग में अतिरिक्त सचिव के पद पर नियुक्त किया गया है।

ठाकरे गुट के सांसद राजन विचारे के घर आयकर विभाग का छापा

मुंबई, (हि.स.)। शिवसेना (यूबीटी) पार्टी के सांसद राजन विचारे के घर पर आयकर विभाग की टीम मंगलवार को सुबह छापा मारा है। इस छापेमारी का कारण अभी तक पता नहीं चल सका है। आयकर विभाग की टीम कई कारोबारियों को विचारे के घर पर बुलाकर दोनों से आमने-सामने बैठ-ाकर वित्तीय हेराफेरी के बारे में पूछताछ कर रही है। खबर लिखे जाने तक आयकर विभाग की कार्रवाई चल रही थी। जानकारी के अनुसार मंगलवार सुबह ही आयकर विभाग की एक टीम सांसद राजन विचारे के ठाणे में हीरानंदानी स्थित घर पहुंची। टीम ने घर के सभी सदस्यों के मोबाइल जब्त कर लिया। जानकारी के अनुसार आयकर की एक टीम ने ठाणे में एक और घर पर औरन विचारे के पुराने घर के ऑफिस पर भी छापा मारा है। आयकर विभाग के अधिकारियों ने विचारे से जुड़े कुछ कारोबारियों को भी जांच के लिए विचारे के घर पर बुलाया है। इन सभी से जुड़े कुछ दफ्तरों पर भी छापेमारी की जारी है। विचारे के यहां इस का-र्रवाई को शिवसेना के लिए सबसे बड़ा झटका माना जा रहा है। आज सुबह ही ईडी ने ठाकरे गुट के विधायक रवींद्र वायकर के घर पर छापा मारा। इतना ही नहीं एंटी करप्सन ब्यूरो (एसीबी) ने ठाकरे गुट के एक और विधायक राजन सालवी को बुधवार को वित्तीय अनियमितता मामले में पूछताछ के लिए बुलाया है।

कानून सही है तो विपक्ष को सहयोग करना चाहिए, सही नहीं है तो चर्चा करें: ओम बिरला

भोपाल, (हि.स.)। मध्य प्रदेश विधानसभा में दो दिवसीय प्रबोधन कार्यक्रम मंगलवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की अध्यक्षता में शुरू हुआ। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने नव निर्वाचित विधायकों को संसदीय शिष्टाचार और आचरण की सीख दी। उन्होंने कहा कि नियोजित तरीके से विधानसभा में व्यवधान पैदा करने की नई परंपरा चल पड़ी है, यह लोकतंत्र के लिए अच्छा नहीं है। कानून सही है तो विपक्ष को सहयोग करना चाहिए। अगर सही नहीं है तो चर्चा करनी चाहिए। कानून बनाते समय तर्कों से चर्चा करें तो कानून बेहतर बनेगा। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि देशभर की विधानसभाओं में शालीनता का स्तर गिरता जा रहा है, यह बड़ी चिंता का विषय है। आजकल विधायकों की रुचि प्रदेश और देश के विषयों में कम होती जा रही है। संक्षिप्त में सवाल पूछने से ज्यादा से ज्यादा जवाब मिलते हैं। प्रश्न करने वाले विधायक और जवाब देने वाले मंत्रियों के सवाल और जवाब के अध्ययन से सरकार में पारदर्शिता बढ़ती है। किसी कानून की चर्चा में केवल विरोध के लिए विरोध और पक्ष को केवल समर्थन करने से हट कर तर्कों के साथ सकारात्मक चर्चा होनी चाहिए। उन्होंने कहा मध्य प्रदेश विधानसभा में 30 फीसदी यानी 69 विधायक पहली बार चुन कर आए हैं। इस विधानसभा में कई अनुभवी विधायक भी हैं। इस अनुभव और ज्ञान का लाभ जनता को विधानसभा के माध्यम से मिले, यह हमारा प्रयास होना चाहिए। उन्होंने कहा विधानसभा राज्य की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक संस्था है। इसका इस्तेमाल कैसा होगा, यह विधानसभा के सदस्यों पर निर्भर करता है। विधायक अपने क्षेत्र में लोकप्रिय हो सकता है, लेकिन विधानसभा एक ऐसा मंच है जिससे एक विधायक प्रदेश का लीडर बन सकता है। देश के जितने बड़े नेता बने हैं वो इन सदनों की चर्चा से ही बड़े बने हैं। उन्होंने हर विधानसभा के अंदर एक रिसर्च सेल बनने की बात कही। उन्होंने कहा कि कानून बनने के बाद नियम बनने में सालों हो जाते हैं, लेकिन जनकल्याण के लिए कानून बनने के बाद जल्द से जल्द नियम बनाए जाने चाहिए। दर-असल, सदन में भूमिका और आचरण कैसा हो, जनहित के मुद्दों को कैसे नियम-प्रक्रिया के अंतर्गत उठाया जाए, बजट चर्चा में किस तरह बात रखें और अन्य विधायी कार्यों की क्या प्रक्रिया है- ऐसे कई पहलुओं की जानकारी नवनिर्वाचित विधायकों को देने के उद्देश्य से मध्य प्रदेश विधानसभा में दो दिवसीय प्रबोधन कार्यक्रम हो रहा है।

आईआईएमसी का 55वां दीक्षांत समारोह कल, पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द होंगे मुख्य अतिथि

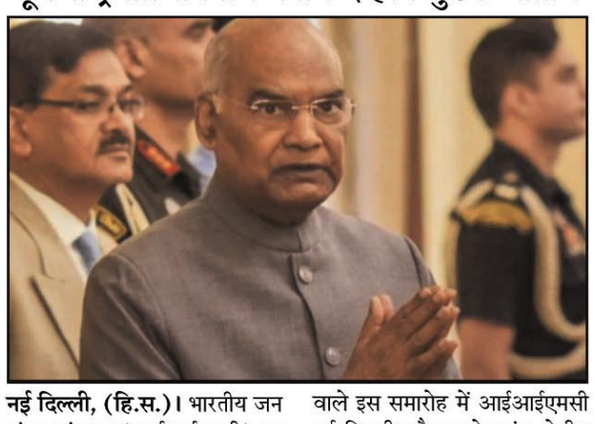

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारतीय जन संचार संस्थान (आईआईएमसी) का 55वां दीक्षांत समारोह बुधवार को प्रगति मैदान के भारत मंडपम में आयोजित किया जाएगा। पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविन्द समारोह के मुख्य अतिथि होंगे और दीक्षांत भाषण देंगे। आईआईएमसी के चेयरमैन आर जगन्नाथन और महानिदेशक डॉ. अनुपमा भटनागर भी समारोह में शामिल होंगे। एक स-रकारी प्रवक्ता ने बताया कि बुधवार को पूर्वाह्न 10:00 बजे प्रारंभ होने वाले इस समारोह में आईआईएमसी नई दिल्ली और इसके पांच क्षेत्रीय केंद्रों ढेंकनाल, आइजोल, अमरावती, कोट्टायम और जम्मू के संकाय सदस्य भी शामिल होंगे। दीक्षांत समारोह में वर्ष 2021-22 और 2022-23 बैच के विद्यार्थियों (आईआईएमसी दिल्ली और उसके सभी केंद्र) को पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा सर्टिफिकेट प्रदान किये जाएंगे। इसके अलावा दोनों बैचों के 65 विद्यार्थियों को अलग-अलग पु-रस्कारों से सम्मानित किया जाएगा।

राष्ट्रपति ने क्रिकेटर मोहम्मद शमी सहित खिलाड़ियों को प्रदान किए अर्जुन पुरस्कार

नई दिल्ली, (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने मंगलवार को राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक समारोह में राष्ट्रीय खेल और साहसिक पुरस्कार 2023 प्रदान किए। क्रिकेटर मोहम्मद शमी सहित अन्य खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। राष्ट्रपति ने शमी के अलावा ओजस प्रवीण, शीतल देवी और अन्य को अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया। भारत में दूसरा सबसे बड़ा खेल सम्मान अर्जुन पुरस्कार अच्छे प्रदर्शन के साथ-साथ नेतृत्व, खेल कौशल और अनुशासन का प्रदर्शन करने के लिए दिया जाता है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने लॉन बाउल्स में उनकी उपलब्धियों के लिए पिंकी, शूटिंग में ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर, स्क्वैश में हरिंदर पाल सिंह संधू, टेबल टेनिस में अयहिका मुखर्जी, कुश्ती में सुनील कुमार और अंतिम पंघाल, नाओरेम रोशिबिना देवी को वुशू, शीतल देवी को पैरा तीरंदाजी, इलुरी अजय कुमार रेड्डी को ब्लाइंड क्रिकेट, प्राची यादव को पैरा कैनोइंग में उनकी उपलब्धियों के लिए अर्जुन पुरस्कार, 2023 प्रदान किए। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने विनीत कुमार शर्मा और कविता सेल्वराज को ध्यानचंद पु-रस्कार (लाइफटाइम), 2023 प्रदान किए। राष्ट्रपति ने लैंड एडवेंचर में उनकी उपलब्धियों के लिए सविता कंसवाल (मरणोपरांत) को तेनजिंग नोर्गे राष्ट्रीय साहसिक पुरस्कार, 2022 प्रदान किया। इसके अलावा राष्ट्रपति ने तुलसी चैतन्य मोथुकुरी, मास्टर वारंट ऑफिसर अंशू कुमार तिवारी और परवीन सिंह को तेनजिंग नोर्गे राष्ट्रीय साहसिक पुरस्कार, 2022 प्रदान किए। मौलाना अबुल कलाम आजाद (एमएकेए) ट्रॉफी, 2023 गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर को दी गई। ओडिशा माइनिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड (ओएमसी) और जैन (डीम्ड-टू-बी यूनिवर्सिटी) को राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार, 2023 दिए गए।

'आप' विधायक दुर्गेश पाठक ने नेपाली पार्क में आग पीड़ितों को पहुंचाई राहत सामग्री

नई दिल्ली, (हि.स.)। विधानसभा राजेंद्र नगर के लोहा मंडी नेपाली पार्क में दो दिन पहले आग लगने से वहां बसे लोगों की झुग्गियां उजड़ गईं। दमकल विभाग एवं स्थानीय लोगों की मदद से आग पर काबू पाया गया। विधायक दुर्गेश पाठक ने तुरंत सभी पीड़ितों के लिए खाना, वाटरप्रूफ टेंट, सोने के लिए गद्दे-रजाई, पानी आदि की व्यवस्था कराई। दुर्गेश पाठक ने अपने बयान में कहा कि लोहा मंडी के नेपाली पार्क में बहुत ही दुखद घटना हुई है। आग लगने की खबर मिलते ही हम सब घटना स्थल पर पहुंचकर पीड़ितों से मिले। ऐसे में पूरी रात हमने अपने कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर पीड़ितों के रहने और खाने का इंतजाम किया।

चावल मिल मालिकों से कटमनी लेते थे ज्योतिप्रिय, ईडी ने किए कई चौंकाने वाले खुलासे

कोलकाता, (हि.स.)। राज्य के बहुचर्चित राशन वितरण भ्रष्टाचार के मामले में गिरफ्तार मंत्री ज्योतिप्रिय मल्लिक के बारे में केंद्रीय प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने चौंकाने वाला खुलासा किया है। पता चला है कि लोगों को सरकार की ओर से मिलने वाले खाद्य सुरक्षा योजना के राशन को चावल मिल मालिकों को सौंपने के बदले मल्लिक बड़ी राशि कटमनी के रूप में लेते थे। ईडी ने यह भी उजागर किया है कि पूर्व खाद्य मंत्री कितनी रिश्वत लेते थे। ज्योतिप्रिय खाद्य मंत्री के रूप में खाद्य विभाग के तहत "पश्चिम बंगाल आवश्यक सामान आपूर्ति कंपनी" के अध्यक्ष थे। ईडी ने दावा किया कि उस कंपनी की अध्यक्षता के दौरान वह चावल मिल मालिकों से नियमित कटमनी लेते थे। ईडी ने दावा किया कि 20 रुपये प्रति क्विंटल की दर से कटमनी की गई। इससे पहले जांचकताओं ने जांच के दौरान एक "मैरून डायरी" बरामद की थी। ईडी ने दावा किया कि डायरी से संकेत मिलता है कि ज्योतिप्रिय ने मिल मालिकों से मासिक आधार पर पैसे लिए। ईडी ने दावा किया कि पूछताछ के दौरान बालू के करीबी मिल मालिक बकीबुर रहमान ने यह खुलासा किया है। इसके अलावा जांच एजेंसी का दावा है कि एनपीजी राइस मिल नाम की एक राइस मिल के अधिकारियों में से एक ने कटमनी के बारे में आठ दिसंबर को ईडी को यही बयान दिया था। खाद्य विभाग सहकारी समितियों के माध्यम से धान खरीदता था। ईडी की जांच में पता चला कि राधाकृष्ण आटाकल से जुड़े व्यक्ति कालिदास साहा ने ज्योतिप्रिय और उसके साथियों को नकद पैसे दिए थे। ईडी ने अदालत में यह भी दावा किया कि प्रति क्विंटल खाद्यान्न पर ये "कटमनी" ज्योतिप्रिय और उस-ाके सहयोगियों द्वारा नियमित रूप से नकद में ली जाती थी। हाल ही में राशन मामले में बनगांव के पूर्व मेयर शंकर आध्या उर्फ डाकू की गिरफ्तारी के बाद ईडी ने कोर्ट को बताया कि शंकर ने कई फॉरेक्स कंपनियों या फॉरेन एक्सचेंज ट्रेडिंग कंपनियों के जरिए विदेश में 20 हजार करोड़ रुपये का लेनदेन किया था। पैसे को पहले विदेशी मुद्रा (मुख्य रूप से डॉलर) में परिवर्तित किया गया और फिर दुबई भेजा गया। ईडी का दावा है कि कम से कम नौ से 10 हजार करोड़ रुपये ज्योतिप्रिय के हैं।

विधायक प्राथमिकता बैठक 29 और 30 जनवरी को शिमला में

शिमला, (हि. स.)। मुख्यमंत्री ठ-ाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू की अध्यक्षता में वार्षिक बजट 2024-25 के लिए विधायकों की प्राथमिकताओं के निर्धारण के लिए प्रस्तावित दो दिवसीय बैठक का आयोजन 29 और 30 जनवरी को हिमाचल प्रदेश सचिवालय में किया जाएगा। एक सरकारी प्रवक्ता ने मंगलवार को बताया कि 29 जनवरी को पूर्वाह्न 10.30 बजे से 1.30 बजे तक ऊना, हमीरपुर और सोलन तथा अपराह्न 2 बजे से 5 बजे तक सिरमौर, चम्बा, बिलासपुर और लाहौल-स्पिति जिले के विधायकों के साथ बैठक आयोजित की जाएगी। 30 जनवरी को पूर्वाह्न 10.30 बजे से 1.30 बजे तक कांगड़ा, किन्नौर व कुल्लू जिलों तथा अपराह्न 2 से 5 बजे तक शिमला और मण्डी के विधायकों के साथ बैठक आयोजित की जाएगी। इन बैठकों में वार्षिक बजट 2024-25 की विधायक प्राथमिकताओं के निर्धारण के लिए विचार-विमर्श किया जाएगा। बैठकों में विधायकों से वर्ष 2024-25 के लिए मित्तव्ययता उपायों, वित्तीय संसाधन जुटाने एवं बेहतर प्रशासन के संदर्भ में प्राप्त सुझावों पर भी चर्चा होगी।

कमलनाथ बोले- भाजपा के पास राम मंदिर का पट्टा नहीं, 22 जनवरी के बाद मैं भी जाऊंगा अयोध्या

छिंदवाड़ा, (हि.स.)। अयोध्या में 22 जनवरी को होने वाले रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर पूरे देश में उत्साह का माहौल है। इस पूरे मामले पर राजनीति भी जमकर हो रही है। मंगलवार को तीन दिवसीय दौरे पर छिंदवाड़ा पहुंचे पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने राम मंदिर को लेकर बड़ा बयान दिया है।

उन्होंने कहा है कि राम मंदिर सभी का है। भाजपा के पास राम मंदिर का पट्टा नहीं है। 22 जनवरी के बाद मैं भी अयोध्या जाऊंगा। कमलनाथ ने कहा कि मंदिर देश का है, राम मंदिर का पट्टा भाजपा के पास नही है। मंदिर सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर बन रहा है। सरकार भाजपा की है, इसलिए बनवाने की जिम्मेदारी उसी की है। वहीं अयोध्या जाने के सवाल पर पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि '22 जनवरी को तो नहीं, लेकिन बाद में जाऊंगा।' छिंदवाड़ा में कांग्रेस राम उत्सव मना रही है। कांग्रेस की ओर से राम नाम पत्र का वितरण किया जा रहा है।

दिग्विजय सिंह ने भी भाजपा को घेरा - वहीं दूसरी तरफ दिग्विजय सिंह ने भी भाजपा को घेरा है। उन्होंने प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शंकराचार्यों के बदले नेताओं की उपस्थिति पर सवाल उठाया है। दिग्विजय सिंह ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर लिखा, 'राम मंदिर निर्माण में किसी को कोई एतराज नहीं था। पूर्व प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव यह कार्य सभी मान्यता प्राप्त शंकराचार्य जी द्वारा 'रामालय न्यास' के माध्यम से कराना चाहते थे, न कि विश्व हिंदू परिषद द्वारा। विहिप, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का संगठन है और इसका राजनीतिक संगठन भारतीय जनता पार्टी है। क्या सनातन धर्म को पालन करने वाले हमारे धर्म गुरु शंकराचार्य हैं या विहिप/आर-एसएस/बीजेपी? जरा सोचिए।'

कोयला आयात मामले में दिल्ली हाई कोर्ट ने सीबीआई और डीआरआई जांच का आदेश वापस लिया

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्ली हाई कोर्ट ने अडानी और एस्सार समूह समेत दूसरी कंपनियों की ओर से कोयला आयात में ज्यादा कीमतें वसूलने के आरोपों की सीबीआई और डीआरआई जांच के अपने आदेश को वापस ले लिया है। जस्टिस सुरेश कैत ने कहा कि इस मामले में याचिका सुप्रीम कोर्ट में लंबित है, इसलिए इस मामले के सीबीआई और डीआरआई जांच के आदेश को निलंबित किया जाता है। दरअसल, सीबीआई और डीआरआई के जांच के आदेश के बाद अडानी पावर लिमिटेड ने हाई कोर्ट में याचिका दायर कर कहा कि इस संबंध में कमिश्नर ऑफ कस्टम्स (आयात) की ओर से अडानी पावर महाराष्ट्र पावर लिमिटेड के खिलाफ दाखिल याचिका सुप्रीम कोर्ट ने मार्च 2023 में खारिज कर दी थी। सुप्रीम कोर्ट की ओर से याचिका खारिज करने के बाद कमिश्नर ऑफ कस्टम्स (आयात) ने पुनर्विचार याचिका दायर की है, जो अभी लंबित है। उसके बाद हाई कोर्ट ने सीबीआई और ड-ीआरआई जांच के अपने आदेश को निलंबित करने का आदेश दिया। हाई कोर्ट ने 19 दिसंबर, 2023 को अडानी की ओर से कोयले के आयात में ज्यादा कीमतें वसूलने के आरोपों की जांच का आदेश दिया था। कोर्ट ने कहा था कि इस मामले में वास्तविक स्थिति की जांच हो और नियमों का उल्लंघन करने वाली कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई हो। इस मामले में हाई कोर्ट में दो याचिकाएं दायर की गई थीं। पहली याचिका सेंटर फॉर पब्लिक इंटरेस्ट लिटिगेशन की ओर से वकील प्रशांत भूषण ने दायर की थी। दूसरी याचिका कॉमन कॉज की ओर से हर्ष मांदर ने दायर की थी। याचिका में डीआरआई की उस रिपोर्ट की जांच के लिए एसआईटी का गठन करने की मांग की गई थी, जिसमें विद्युत उत्पादक कंपनियों के खिलाफ ज्यादा कीमतें वसूलने की बात कही गई है।

डीआरडीओ ने सशस्त्र बलों के लिए बनाई 7.62X51 मिमी. की असॉल्ट राइफल 'उग्रम'

- चार किलोग्राम से कम वजन वाली असॉल्ट राइफल आधा किमी. तक कर सकती है फायर

- ऊंचाई, रेगिस्तान सहित विभिन्न मौसम और भौगोलिक परिस्थितियों में किया जाएगा परीक्षण

नई दिल्ली, (हि.स.)। रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (ड-ीआरडीओ) ने सशस्त्र बलों के लिए 7.62ग51 मिमी. कैलिबर की स्वदेशी असॉल्ट राइफल ह्यउग्रमह्ल लॉन्च कर दी है, जिसकी प्रभावी रेंज 500 मीटर और इसका वजन चार किलोग्राम से कम है। इसे स्वदेशी रूप से डिजाइन, विकसित और निर्मित किया गया है। इन असॉल्ट राइफल को सशस्त्र बलों, अर्धसैनिक बलों और राज्य पुलिस इकाइयों की जरूरतों को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है। डीआरडीओ की पुणे स्थित लैब आमार्मेंट रिसर्च एंड डेवलपमेंट एस्टेब्लिशमेंट (एआर-डीई) ने हैदराबाद की द्विपा आर्मर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से 7.62 X 51 मिमी. कैलिबर की एक अत्याधुनिक असॉल्ट राइफल विकसित की है। राइफल की प्रभावी रेंज 500 मीटर और इसका वजन चार किलोग्राम से कम है। राइफल का पहला ऑपरेशनल प्रोटोटाइप नाम ह्यउग्रमह्ल दिया गया है, जिसका अर्थ है क्रूर। इस असॉल्ट राइफल का अनावरण सोमवार को पुणे में डीआ-रडीओ के आमार्मेंट और कॉम्बैट इंजीनियरिंग सिस्टम के महानिदेशक डॉ. शैलेन्द्र वी गाडे के हाथों किया गया। इस परियोजना पर काम करने वाले एआरडीई के वैज्ञानिकों ने बताया कि राइफल को भारतीय सेना के जनरल स्टाफ क्वालिटेटिव रिक्वायरमेंट्स (जीएसक्यूआर) के आधार पर डिजाइन किया गया है। रा-इफल में 20 राउंड मैगजीन होती हैं और यह सिंगल और फुल ऑटो दोनों मोड में फायर करती है। इससे पहले दिसंबर में रक्षा अधिग्रहण परिषद ने भारतीय सशस्त्र बलों के लिए 7.62 ७ 51 मिमी. कैलिबर की 70 हजार यूएस-निर्मित सिग सॉयर असॉल्ट रा-इफल की खरीद को मंजूरी दी थी। इससे पहले 2020 की शुरूआत में 800 करोड़ रुपये से अधिक कीमत पर 72 हजार अमेरिकी सिग सॉयर असॉल्ट राइफलें खरीदी गईं थी। एआरडीई के निदेशक अंकथी राजू ने बताया कि यह दो साल पहले शुरू किया गया एक मिशन मोड प्रोजेक्ट था। राइफल की डिजाइन तैयार करने के बाद इसके विकास और निर्माण के लिए एक निजी उद्योग भागीदार की तलाश शुरू की। इसके लिए हैदराबाद स्थित द्विपा आर्मर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को चुना गया, जिसने इसके हार्डवेयर पर काम करना शुरू कर दिया। स्वदेशी असॉल्ट राइफल उग्रम को सशस्त्र बलों में शामिल करने से पहले कई आंतरिक, स्वीकृति और उपयोगकर्ता परीक्षणों से गुजरना होगा। निदेशक राजू के मुताबिक राइफल को जल्द ही परीक्षण के लिए भेजा जायेगा। परीक्षण के दौरान ह्यउग्रमह्ल से बिना रुके निर्धारित संख्या में राउंड फायर करके इसकी सटीकता और स्थिरता की जांच की जाएगी। हथियार का परीक्षण ऊंचाई, रेगिस्तान आदि सहित विभिन्न मौसम और भौगोलिक परिस्थितियों में किया जाएगा। स्वीकृति प्रक्रिया के लिए सेना अधिकारियों का एक बोर्ड गठित किया जाएगा। द्विपा आर्मर इंडिया के निदेशक जी राम चैतन्य रेड्डी ने बताया कि रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण भारत में एके-203 परियोजना शुरू न हो पाने की वजह से भारत में असॉल्ट राइफलों की बड़ी कमी है। तीन महीने पहले अक्टूबर 2023 में ऑर्डर मिलने के बाद हमने सफलतापूर्वक पांच प्रोटोटाइप असॉल्ट राइफल दी हैं। यह दुनिया में किसी भी हथियार का सबसे तेज विकास है। प्रोटोटाइप के विकास और उनके परीक्षणों के बाद हम और पर-ीक्षण करेंगे, जिसके लिए हम एआ-रडीई को 15 और राइफल देंगे। इसके बाद आगे की मंजूरी की प्रक्रिया शुरू होगी।

जितना पहले मिला वोट,उससे बढ़कर दिलाएं इस बार मत : अखिलेश

लखनऊ, (हि.स.)। लोकसभा चुनाव की तैयारियों में समाजवादी पार्टी (सपा) तेजी से जुट गई है। संगठन को मजबूत करने से लेकर बूथ स्तर तक नेता,पदाधिकारियों और कार्यकताओं के साथ लगातार रणनीति और जीत का मंत्र दिया जा रहा है। इसी कड़ी में राजधानी लखनऊ मुख्यालय पर संगठन और पदाधिकारियों संग पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की मंगलवार को बैठकों का दौर जारी रहा। बैठक के दूसरे दिन पार्टी अध्यक्ष ने चुनावी जीत का मंत्र उपस्थित पदाधिकारियों को दिए। इस संबंध में अखिलेश के पत्रकारों को बताया कि आज अपने साथियों से यह कहा है कि पदाधिकारियों से जीत के लिए जितना उन्हें वोट पहले मिला था उससे बढ़ चढ़कर इस बार पार्टी के जो भी प्रत्याशी हों, उनकी मदद करें और उनको ज्यादा वोट दिलाएं। हमें उम्मीद है आने वाले समय में उत्तर प्रदेश का परिणाम ऐसा होगा, जिससे भारतीय जनता पार्टी का सफाया होगा। सपा अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा

लगातार इस बात का प्रचार कर रही है कि विकसित भारत बनेगा,क्या विकसित भारत किसानों के बिना आय बढ़ाए हो जाएगा?

देश की अर्थव्यवस्था तभी बेहतर होगी जब किसान और गरीब खुशहाल होगा। उनकी सरकार में जो भी नौकरी मिल रही है वह अपमान से भरी नौकरी है। जब भी समाजवादियों को मौका मिलेगा देश, प्रदेश के नौजवानों को सम्मान का रोजगार मिलेगा। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में समाजवादियों ने मेट्रो हर शहर में दी। लखनऊ, कानपुर, आगरा की मेट्रो, दिल्ली से नोएडा,ग्रेट नोएडा जोड़ने वाली मेट्रो समाजवादियों की देन है। 2017 से अभी तक 8.4 करोड़ लोगों ने मेट्रो में सफर किया है, इतनी बड़ी उपलब्धि भाजपा की किसी योजना की नहीं होगी। अखिलेश ने कहा कि एनसीआरबी के अगर हम आंकड़ें देखें तो उत्तर प्रदेश में सबसे ज्यादा असुरक्षित महिलाएं हैं। जब से भाजपा की सरकार दिल्ली में आई है एक लाख किसानों ने आत्महत्या की। आंकड़ों में उत्तर प्रदेश, कस्टोडियल डेथ में सबसे आगे है। इस दौरान पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल यादव, राम गोविंद चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल समेत अन्य पार्टी के नेता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

सबसे लंबी 'सोलर पावर्ड स्ट्रीट लाइट' लाइन बनाकर अयोध्या में सऊदी अरब का टूटेगा वर्ल्ड रिकार्ड

- लक्ष्मण घाट से लेकर गुप्तार घाट होते हुए निर्मली कुंड तक 10.2 किमी में 470 सोलर स्ट्रीट लाइट्स लगाकर गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में अयोध्या का नाम होगा दर्ज

अयोध्या, (हि.स.)। प्रभु श्रीराम की नगरी अयोध्या अब सूर्य की ही आभा से नव्य-भव्य स्वरूप को प्राप्त करने के साथ ही वैश्विक कीर्तिमान स्थापित करने की दिशा में भी तेजी से आगे बढ़ रही है। अयोध्या को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन के अनुसार जिस सोलर सिटी के मॉडल के तौर पर प्रोजेक्ट किया जा रहा है,उसका जल्द ही गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में भी उल्लेख होने वाला है। योगी के दिशा-निर्देशन में बनी विशिष्ट कार्ययोजना को क्रियान्वित करते हुए उत्तर प्रदेश नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विकास अभिकरण (यूपीनेडा) जल्द ही 'दुनिया की सबसे बड़ी सोलर पावर्ड स्ट्रीट लाइट्स लाइन' परियोजना को पूर्ण करके वैश्विक कीर्तिमान स्थापित करने की दिशा में तेजी से प्रयास कर रहा है। इस परियोजना के तहत 10.15 किमी के स्ट्रेच में 470 सोलर पावर्ड स्ट्रीट लाइट्स लगाकर यूपीनेडा अयोध्या की गौरवगाथा में एक नया अध्याय जोड़ने जा रही है। फिलहाल, करीब 70 प्रतिशत कार्यों को पूर्ण कर लिया गया है और 22 जनवरी से पहले ही निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करके वर्ल्ड रिकॉर्ड कायम कर लिया जाएगा।

जल्द ही गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में फिर से अयोध्या का नाम होगा दर्ज - अयोध्या का नाम यूं तो दीपोत्सव को लेकर पहले ही गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज है, मगर अब अयोध्या में सौर ऊर्जा के जरिए भी वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने की तैयारी योगी सरकार ने कर ली है। इस संबंध में यूपीनेडा के परियोजना अधिकारी (अयोध्या) प्रवीण नाथ पाण्डेय ने बताया कि 22 जनवरी के पहले ही अयोध्या में लक्ष्मण घाट से लेकर गुप्तार घाट होते हुए निर्मली कुंड तक 10.2 किमी के स्ट्रेच में 470 सोलर स्ट्रीट लाइट्स लगाकर वर्ल्ड रिकॉर्ड दर्ज किया जाएगा। 70 प्रतिशत कार्य पूर्ण कर लिया गया है और शेष 30 प्रतिशत कार्य भी जल्द ही पूरा कर लिया जाएगा। परियोजना के अंतर्गत लक्ष्मण घाट से गुप्तार घाट तक 310 सोलर लाइट्स को इम्पैनल्ड करके रोलआउट कर दिया गया है। जबकि गुप्तारघाट से लेकर निर्मली कुंड तक 1.85 किमी के स्ट्रेच में 160 सोलर पावर्ड स्ट्रीट लाइटों को लगाने का कार्य जारी है। यह सभी सोलर पावर्ड स्ट्रीट लाइटें एलईडी बेस्ड हैं जो कि 4.4 वॉट पावर पर कार्य करती हैं तथा स्मार्ट टेक्नोलॉजी युक्त हैं। इनके इंस्टॉलेशन के जरिए लक्ष्मण घाट से निर्मली कुंड तक 10.2 किमी का स्ट्रेच दूधिया रोशनी से जगमगा उठेगा।

सऊदी अरब के मलहम का टूटेगा रिकॉर्ड - योगी सरकार द्वारा सौर ऊर्जा चालित परियोजना के जरिए जिस विश्व रिकॉर्ड को तोड़ने की प्रक्रिया के तहत कार्य जारी है वह फिलहाल सऊदी अरब के मलहम के नाम दर्ज है। यहां वर्ष 2021 में 'लॉन्गेस्ट लाइन ऑफ द सोलर पावर्ड स्ट्रीट लाइट्स' के तौर पर गिनीज बुक में रिकॉर्ड कायम किया गया था। मलहम में 9.7 किमी स्ट्रेच में 468 सोलर पावर्ड लाइटें लगाकर वैश्विक कीर्तिमान स्थापित किया गया था, जबकि अब योगी सरकार के विजन अनुसार अयोध्या में 10.2 किमी स्ट्रेच में 470 सोलर पावर्ड लाइटें लगाकर इस रिकॉर्ड को ध्वस्त किया जाएगा।

दीपोत्सव के बाद अब नया रिकॉर्ड बनाने पर हो रहा काम - वर्ष 2023 में दीपावली के वक्त सरयू घाटों पर दीपोत्सव में अवध विश्वविद्यालय के 25000 वॉलेंटियरों ने मिलकर 22.23 लाख दीपक जलाकर गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में जगह बनाई थी। ऐसे में, 22 जनवरी को जब प्रभु रामलला का श्रीविग्रह भव्य रामजन्मभूमि मंदिर में सुशोभित होगा तो एक बार फिर सूर्यवंश की गौरवगाथा को नया प्रतिमान देते हुए सोलर पावर्ड स्ट्रीट्स लाइट्स की सबसे लंबी श्रृंखला को अयोध्या में संचालित करके इस उपलब्धि को गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में अंकित किया जाएगा। इस विषय में स्थानीय प्रशासन व यूपीनेडा के अधिकारियों व गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के पदाधिकारियों के बीच भी संवाद की प्रक्रिया निरंतर जारी है।

यूपी जोड़ो यात्रा में लोगों से मिले अभूतपूर्व स्नेह व अपनापन से कांग्रेसी उत्साहित

वाराणसी,(हि.स.)। सहारनपुर से लखनऊ तक निकली "यूपी जोड़ो यात्रा" से कांग्रेस के कार्यकताओं में उत्साह है। यात्रा के समापन के बाद सोमवार देर शाम गृह जनपद वाराणसी लौटे प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पूर्व मंत्री अजय राय ने काशी के कोतवाल कालभैरव, बाबा विश्वनाथ, लोहटिया स्थित बड़ा गणेश दरबार में हाजिरी लगाई। देव मंदिरों में हाजिरी लगाने के बाद प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने पत्रकारों से बातचीत की। उन्होंने दावा किया कि मोहब्बत का सन्देश देते हुए

सहारनपुर से लखनऊ तक चली यूपी जोड़ो यात्रा के मार्ग में जनमानस का अभूतपूर्व स्नेह व अपनापन मिला । जुड़ने के सफर का यह यात्रा गवाही दे गया कि देश प्रदेश यह कहने-करने का मन बना लिया है कि जुड़ेगा भारत! जीतेगा इंडिया गठबंधन। उन्होंने कहा कि निश्चित रूप से पूरे यूपी जोड़ो यात्रा के दौरान भाजपा के प्रति आमजनों में जनाक्रोश दिखा। कांग्रेस पार्टी के प्रति आमजनमानस का समर्थन व स्नेह इस बात का पुख्ता सबूत है की कांग्रेस के प्रति लोगो का समर्थन बढ़ रहा है। जिसका असर आगामी लोकसभा चुनाव में निश्चित रूप से दिखेगा। प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि प्रदेश और देश की जनता भाजपा सरकार को हटाना चाहती है।

मेरठ में अपनी मांगों को लेकर सिंचाई कर्मचारियों का धरना

मेरठ, (हि.स.)। अपनी मांगों को लेकर सिंचाई विभाग के कर्मचारियों का मुख्य अभियंता नलकूप कार्यालय पर धरना चल रहा है। मंगलवार को कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजकर अधिशासी अभियंता नलकूप खंड पश्चिम पर तानाशाही रवैया अपनाने का आरोप लगाया है। चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी संघ सिंचाई विभाग के बैनर तले पांच जनवरी से कर्मचारी मुख्य अभियंता नलकूप के कार्यालय के बाहर धरना दे रहे हैं। शीतलहर के बीच मंगलवार को भी सिंचाई कर्मचारियों ने अपना धरना जारी रखा। मुख्य अभियंता के माध्यम से कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को ज्ञापन भेजा। कर्मचारियों ने कहा कि वे लंबे समय से खंडीय शाखा नलकूप पश्चिम की

13 सूत्रीय मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहें है। उनकी मांगों के निस्तारण को लेकर अधिशासी अभियंता नलकूप खंड पश्चिम बागपत-मेरठ तानाशाही व्यवहार कर रहे हैं। कर्मचारियों ने अधिशासी अभियंता पर अपनी बातें नहीं सुनने का आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री से कार्रवाई की गुहार लगाई। इस अवसर पर संजय कुमार, सुमेर सिंह, राजवीर, राजेश, अजय, जयवीर आदि उपस्थित रहे।

विहिप नेताओं ने नगीना के संतों को सौंपा निमन्त्रण पत्र

बिजनौर, (हि.स.)। आगामी 22 जनवरी को अयोध्या में रामलला की होने वाली प्राण प्रतिष्ठा के कार्यक्रम में नगीना के भी तीन संतों को निमंत्रण मिला है। विहिप नेताओं ने आश्रम पर पहुंचकर इन संतों को निमंत्रण पत्र सौंपा। वहीं जनपद के सैंदवार में स्थित आश्रम के महंत को भी निमंत्रण पत्र मिला है। विश्व हिंदू परिषद के विभाग संगठन मंत्री जयलेश, विभाग मंत्री मनोज शर्मा, जिला अध्यक्ष राजीव गुप्ता, जिला उपाध्यक्ष प्रदीप गर्ग व कुंवर अमरजीत सिंह क्षेत्र के ग्राम कालूवाला में स्थित कृपा दास

जी महाराज के आश्रम पर पहुंचे तथा उन्हें 22 जनवरी को अयोध्या में होने वाले भगवान श्री राममूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा के कार्यक्रम का निमंत्रण पत्र सौंपा। कृपा दास जी महाराज ने अयोध्या में 22 जनवरी को श्री रामलला के विराजमान होने वाले भव्य कार्यक्रम का निमंत्रण पत्र मिलने पर खुशी व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि उन्हें बिल्कुल भी उम्मीद नहीं थी कि उन्हें इस ऐतिहासिक कार्यक्रम का साक्षी बनने का अवसर मिल सकेगा। वीएचपी नेता मनोज शर्मा ने बताया कि इनके अलावा मिथुन नाथ जी महाराज व रविंद्र नाथ जी महाराज का भी निमंत्रण पत्र आया है। जो पहले इसी आश्रम में रहते थे। अब उनके नए पते को पूछ कर उन्हें भी निमंत्रण पत्र भिजवाया जाएगा। उन्होंने बताया कि सैदवार आश्रम के महंत रामगोपाल दास जी को भी निमंत्रण पत्र दिया जा चुका है।

मुख्यमंत्री ने डोंबारी बुरु हत्याकांड के अमर वीर शहीदों की शहादत को किया नमन

रांची, (हि. स.)। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि झारखंड में जलियांवाला बाग जैसी कई वीभत्स घटनाएं इतिहास के पन्नों में खोयी हुई हैं। सोरेन ने एक्स पर मंगलवार को कहा कि अमर वीर शहीदों और महान आंदोलनकारियों के संघर्ष और बलिदान से यहां की मिट्टी सनी हुई है। ब्रिटिश शोषकों की ऐसी ही क्रूरता और अत्याचार का गवाह है डोंबारी बुरु, जहां कई लोगों ने अपना अमर बलिदान दिया था। डोंबारी बुरु हत्याकांड के अमर वीर शहीदों की

शहादत को शत-शत नमन। झारखंड के वीर शहीद अमर रहें।

स्टेट बास्केटबॉल जूनियर चैंपियनशिप हजारीबाग में 13 से

हजारीबाग, (हि.स.)। बास्केटबॉल एसोसिएशन के तत्वावधान में आरोग्यम परिसर में आयोजित पत्रकार वार्ता में हजारीबाग बास्केटबॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ एहसान उल हक ने 13 से 15 जनवरी तक होने वाले 23वें झारखंड स्टेट बास्केटबॉल जूनियर चैंपियनशिप की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि चैंपियनशिप हजारीबाग में संत कोलंबा महाविद्यालय के बास्केटबॉल कोर्ट में संपन्न होगा, जिसे सफल बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण समितियों का गठन बास्केटबॉल एसोसिएशन के अधिकृत सभी पदाधिकारी की सर्वसम्मति से किया जा चुका है। इसके ऑर्गेनाइजिंग प्रेसिडेंट हजारीबाग ओलंपिक संघ के अध्यक्ष हर्ष अजमेरा, ऑर्गेनाइजिंग सचिव हजारीबाग बास्केटबॉल के अध्यक्ष डॉ एहसान उल हक एवं संयोजक के रूप में हजारीबाग बास्केटबॉल के उपाध्यक्ष अरविंद कुमार, सचिव सी दास तथा कोषाध्यक्ष सौरभ कुमार को जिम्मेदारी सौंप गई है। डॉ एहसान उल हक ने कहा कि जहां संत कोलंबा महाविद्यालय के बास्केटबॉल कोर्ट ग्राउंड में चैंपियनशिप का भव्य आगाज 13

जनवरी को होगा, वहीं एक दिन पूर्व 12 जनवरी की संध्या बेला में खिलाड़ियों एवं खेल प्रेमियों का रोड मार्च हजारीबाग में निकाला जाएगा। चैंपियनशिप के उद्घाटन भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ होगा, जिसमें अंतरराष्ट्रीय बास्केटबॉल कोच जेपी सिंह, ओलंपियन हरभजन सिंह सहित कई दिग्गज हस्तियां मौजूद होंगे। हर्ष अजमेरा ने कहा कि हजारीबाग बास्केटबॉल एसोसिएशन अवश्य ही खेल जगत में नई ऊंचाइयों को हासिल करेगा। खिलाड़ियों के अनुशासित खेल कौशल और उत्कृष्ट प्रदर्शन से पूरे झारखंड प्रदेश का राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नाम रोशन होगा। उन्होंने कहा कि वह अपना भरपूर सहयोग हजारीबाग बास्केटबॉल एसोसिएशन को देते रहेंगे। चैंपियनशिप के संयोजक सह हजारीबाग बास्केटबॉल एसोसिएशन के उपाध्यक्ष अरविंद कुमार ने कहा कि पूरा बास्केटबॉल एसोसिएशन अपने टीम वर्क के साथ पूरी लगन और समर्पण के साथ इस आयोजन को ऐतिहासिक एवं यादगार बनाने के लिए कृत संकल्पित है। ओलंपिक संघ से जुड़े मुरारी ने कहा कि इस आयोजन ने हजारीबाग के खिलाड़ियों को स्वर्णिम अवसर दिया है, जिसका लाभ उन्हें मिलेगा। अजीत कुमार ने कहा कि हजारीबाग में खेल की बड़ी संभावना है यहां के खिलाड़ी काफी मेहनती है। उन्हें इस आयोजन से काफी लाभ होगा। कोषाध्यक्ष सौरभ कुमार ने कहा कि इस आयोजन में हम शानदार मेजबानी के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। उन्होंने इसमें सहयोग देने वाले सभी सहयोगियों को बधाई का पात्र बताया।

ईडी कार्यालय पहुंचे पूर्व विधायक पप्पू यादव, पूछताछ शुरू

रांची, (हि. स.)। अवैध खनन मामले में पूर्व विधायक राज किशोर यादव उर्फ पप्पू यादव मंगलवार को ईडी के क्षेत्रीय कार्यालय पहुंचे हैं। सूत्रों ने बताया कि ईडी के अधिकारी पूर्व विधायक पप्पू यादव से पूछताछ शुरू कर दी है। इससे पूर्व ईडी ने तीन जनवरी को देवघर में पप्पू यादव के ठिकानें पर छापेमारी के बाद ही समन किया था। उन्हें नौ जनवरी को ईडी कार्यालय में पूछताछ के लिए उपस्थित होने को कहा गया था। बिहार के कटोरिया के पूर्व विधायक है,राजकिशोर यादव उर्फ पप्पू यादव। बीते तीन जनवरी को ईडी ने अवैध खनन मामले में 12 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की थी, जिनमें पप्पू यादव के देवघर स्थित आवास के अलावा बिहार का ठिकाना भी शामिल था। पप्पू यादव को साहिबगंज के डीसी रामनिवास यादव का करीबी बताया

जा रहा है।पप्पू यादव ने पंकज मिश्रा के गिरफ्तार होने के बाद अवैध खनन की कमान संभाली थी। उल्लेखनीय है कि अवैध खनन मामले में ईडी ने साहिबगंज डीसी रामनिवास यादव और जेल कर्मी अवधेश कुमार सिंह को 11 जनवरी, मुख्यमंत्री के करीबी विनोद कुमार सिंह को 15 जनवरी, मुख्यमंत्री के प्रेस सलाहकार अभिषेक प्रसाद पिंटू को 16 जनवरी का समन भेजा है। सभी के ठिकानों पर एक साथ तीन जनवरी को ईडी ने 12 ठिकानों पर छापेमारी की थी।

एमपी ज्यूडिशियल सर्विस एग्जाम के लिए ऑनलाइन कोर्स 24 से

रांची, (हि. स.)। नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ स्टडी एंड रिसर्च इन लॉ (एनयूएसआरएल) रांची की ओर से मध्य प्रदेश (एमपी) ज्यूडिशियल सर्विस एग्जाम 2024 के लिए ऑनलाइन कोर्स शुरू किया जाएगा। मंगलवार को मिली जानकारी के अनुसार इसमें विशेषज्ञ परीक्षा को तैयारी के लिए विभिन्न विषयों के बारे में बताएंगे। इसके साथ ही मॉक टेस्ट भी होंगे। इसमें अभ्यर्थी अपने तैयारी का आकलन भी कर सकेंगे। यह कोर्स 24 जनवरी से 24 मार्च 2024

तक चलेगा। इसके लिए 23 जनवरी तक रजिस्ट्रेशन कर सकेंगे। क्लास शनिवार और रविवार को आयोजित किए जाएंगे।

प्रदेश में शीत लहर का प्रकोप जारी, कुहासा-ठंड से फिलहाल राहत नहीं

पटना, (हि.स.)। प्रदेश में शीत लहर का प्रकोप जारी है। ठंड के साथ कोहरे से आम जन-जीवन परेशान है। मंगलवार सुबह घने कोहरे ने गाड़ियों की रफ्तार पर ब्रेक लगा दिया। वहीं मौसम विभाग का कहना है कि कुहासे और ठंड से फिलहाल राहत नहीं मिलने वाली है। मौसम विभाग के अनुसार राज्य के दक्षिण, उत्तर-पश्चिम एवं उत्तर-मध्य भागो में घना कोहरा जबकि अन्य हिस्सों में सुबह के समय हल्के से मध्यम स्तर का कुहासा छाया हुआ है। मंगलवार की रात और सर्द होने रहने वाली है जबकि दिन का पारा चढ़ेगा। राज्य में सुबह से ही किसी जिले में घना तो कही मध्यम कोहरा छाया है। मौसम विभाग के अनुसार बिहार में सतही पछुआ और उत्तर पछुआ के कारण मौसम में ठंड बनी हुई है। मौसम विज्ञान केंद्र पटना के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ मंगलवार से उत्तर पश्चिम भारत को प्रभावित कर सकती है। इससे बिहार के तापमान में 2 से 3 डिग्री की गिरावट और बारिश की संभावना है। प्रदेश में सोमवार को पटना, भागलपुर, पूर्णिया,

मुजफ्फरपुर, दरभंगा, सुपौल, मोतिहारी, सबौर और फारबिसगंज में अधिकतम तापमान सामान्य से सात से आठ डिग्री सेल्सियस कम होने के कारण सर्द दिवस यानी कोल्ड डे रहा। वहीं पटना, गया, भागलपुर, पश्चिमी चंपारण जिले में मध्यम स्तर का कोहरा देखा गया। मौसम विभाग के अनुसार एक और ताजा पश्चिमी विक्षोभ 10 जनवरी से उत्तर पश्चिम भारत को प्रभावित करने की संभावना है। जिसके फलस्वरूप बिहार के तापमान में 2-3 डिग्री की गिरावट और बारिश होने की प्रबल संभावना है। अगले 24 घंटे के दौरान प्रदेश का मौसम शुष्क रहेगा। सुबह के कोहरा छाया हुआ जबकि दिन में मीठी धूप खिलेगी। अधिकतम तापमान 20 से 22 सेंटीग्रेट और न्यूनतम तापमान 10 से 12 सें. के बीच रहने का पूवार्नुमान है। कोहरे की वजह से यातायात भी प्रभावित हो रही है। रेल यातायात पर काफी असर पड़ रहा है। कई सुपरफास्ट ट्रेनें 9-9 घंटे की देरी से चल रही है। इस वजह से मुसाफिरों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। विमान सेवाओं का भी हाल कुछ ऐसा ही है।

जिला स्थापना दिवस पर विकास मेला का होगा आयोजन, विभागीय योजनाओं की मिलेगी जानकारी

किशनगंज, (हि.स.)। जिलाधिकारी तुषार सिंगला के निदेर्शानुसार एडीएम अनुज कुमार की अध्यक्षता में जिला स्थापना दिवस 2024 के अवसर पर भव्य और आकर्षक कार्यक्रम के सफल आयोजन के निमित्त समीक्षा बैठक मंगलवार को उनके कार्यालय प्रकोष्ठ में सभी जिला स्तरीय पदाधिकारियों के साथ किया गया। बैठक में सभी विभागों के स्तर से होने वाले आयोजन की तैयारियों की समीक्षा की गई। मुख्य रूप से प्रभात फेरी सांस्कृतिक कार्यक्रम, विकास मेला के आयोजन पर विमर्श हुआ। बैठक में जिला स्थापना दिवस के दिन प्रभात फेरी निकालना, घर-प्रतिष्ठान सजावट, स्वच्छता, स्थानीय कलाकारों की भागीदारी, बड़े और बाहरी कलाकार के आवासन और प्रस्तुति आदि हेतु समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिया गया। गौरतलब हो कि जिला स्थापना दिवस पर 14 और 15 जनवरी को दो दिवसीय कार्यक्रम आयोजित होंगे। उल्लेखनीय है कि जिला स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर स्थानीय खगड़ा स्टेडियम में सांस्कृतिक कार्यक्रम निर्धारित है। कई बड़े और राष्ट्रीय स्तर के कलाकार को आमंत्रित करने पर विचार विमर्श पूर्व की बैठकों में हुआ था। जिला के सभी प्रखंड से लोगो को आमंत्रित किया गया है। सांस्कृतिक कार्यक्रम में सभी प्रखंड की सहभागिता होगी। खगड़ा स्टेडियम में स्थापना दिवस पर आयोजित विकास मेला में कृषि, ग्रामीण विकास, जीविका, कल्याण, समाजिक सुरक्षा, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण, स्वास्थ्य, पुलिस, आईसीडीएस, बाल संरक्षण, उत्पाद व अन्य विभाग के स्टॉल लगाए जायेंगे। इससे आमजनो को सरकारी योजनाओं और उससे प्राप्त होने वाले लाभ की जानकारी प्राप्त होगी। उद्घाटन सत्र में बीएसएफ और एसएसबी की तरफ से जाज बैंड, बैगपाइपर बैंड प्रस्तुति पर सहमति बनी है। जिलाधिकारी के निर्देश पर एडीएम अनुज कुमार ने संबंधित पदाधिकारी को निर्देश देते हुए कहा कि वे अपने सभी कर्तव्यों एवं दायित्वों का निर्वहन ससमय पूरा करना सुनिश्चित करेंगे। बच्चो, मीडिया और आम जनता के लिए दर्शक दीर्घा में कर्णांकित गैलरी तैयार करने का निर्देश दिया गया। सभी

पदाधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्यक्रम की सफलता हेतु कार्य योजना बनाकर कार्य करना होगा। गौर करे कि डीएम के द्वारा सोमवार को स्टेडियम में भ्रमण कर मंच, पंडाल, अन्य तैयारी हेतु स्थान का आकलन संबधित पदाधिकारियों के साथ किया गया था। स्टेडियम में स्थापना दिवस की तैयारियां प्रारंभ कर दी गई है। विदित हो कि जिला स्थापना दिवस पर दो दिवसीय कार्यक्रम 14 से 15 जनवरी पर ख्याति प्राप्त सितारों की प्रस्तुति होगी। कला, संस्कृति एवम युवा विभाग, बिहार तथा जिलाधिकारी, किशनगंज के निदेर्शानुसार 15 जनवरी को प्रथम बार खगड़ा मेला महोत्सव का आयोजन हो रहा है। किशनगंज जिला के स्थापना के उपरांत उसके विकास की झलकियां विकास मेला में देखने को मिलेगी। साथ ही, राजा हसन और मोनालिसा के द्वारा संध्या कार्यक्रम में प्रस्तुति होगी। खगड़ा मेला महोत्सव पर श्रद्धा पंडित तथा एसान कुरैशी के द्वारा सांस्कृतिक संध्या में प्रस्तुति 15 जनवरी को होगी। इसे लेकर जिलेवासियों में काफी उत्साह और उमंग है। बैठक में बताया गया कि 14 जनवरी को 11 बजे पूर्वाह्न में जिला स्थापना दिवस कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन किया जाएगा। इसके बाद स्थानीय कलाकार की प्रस्तुति अपराह्न 2 बजे तक होगी तथा संध्या 6 बजे से बाहरी कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। विदित हो कि इस वर्ष विभागीय निर्देश के आलोक में जिला स्थापना दिवस और खगड़ा मेला महोत्सव का आयोजन क्रमशः 14 जनवरी और 15 जनवरी को जिला प्रशासन के द्वारा किया जा रहा है। कार्यक्रम को दिव्य रूप दिया जा रहा है। खगड़ा स्टेडियम में तैयारियां प्रारंभ है। जिला स्थापना दिवस पर सुरक्षा की चाक चौबंद व्यवस्था की तैयारी की जा रही है। दंडाधिकारी और पुलिस पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की जाएगी। रात्रि में पुलिस गश्ती रहेगी ताकि जिला स्थापना दिवस पर प्रस्तुति देर संध्या तक जारी रहे। उन्होंने जिलेवासियों से खगड़ा स्टेडियम में आकर जिला स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम का आनंद भयमुक्त और सुरक्षित रूप से उठाने हेतु आग्रह किया है। उल्लेखनीय है कि शहीद अशफाक उल्ला खां स्टेडियम किशनगंज में व्यापक पैमाने पर 34 वें जिला स्थापना दिवस की तैयारियां चल रही है। डॉम हैंगर अधिष्ठापित किया जा रहा है।

संपादकीया

खंडित व्यक्तित्व

अयोध्या में श्रीराम के प्राण प्रतिष्ठा समारोह से पहले आल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक प्रंट यानि एआईयूडीएफ के अध्यक्ष और लोकसभा सदस्य बदरुद्दीन अजमल ने मुसलमानों से 20 जनवरी से 25 जनवरी तक अपने घरों में रहने को कहा है साथ ही यह भी जोड़ दिया कि भाजपा मुसलमानों की सबसे बड़ी दुश्मन है। दरअसल हैदराबाद वाले भड़काऊ भाईंजान असदुद्दीन ओवैसी और असम वाले अजमल दोनों ही खुद को मुसलमानों का सबसे बड़ा हितैषी बताकर साबित करना चाहते हैं कि उनकी आर्थिक और धार्मिक दुर्दशा के लिए जिम्मेदार भारतीय जनता पार्टी ही है। लेकिन यदि इन दोनों की बातों पर मुस्लिम समाज को भरोसा होता तो तमाम ऐसे मुस्लिम न तो राम जन्मभूमि आंदोलन से जुड़े होते और न ही वे श्रीराम के प्रति इतना आदर और समर्पण भाव दिखाते। अब जानकारी सामने आ रही है कि तमाम मुस्लिम भाईं राम जन्मभूमि आंदोलन से उतने ही जुड़े थे जितना कि आरएसएस, विश्व हिंदू परिषद और संघ के अन्य आनुषंगिक संगठन के लोग जुड़े थे। एएसआईं के पूर्व अधिकारी और पुरातत्व विद केके मुहम्मद निष्पक्ष कार्यं परायणता अजमल और ओवैसी जैसे लोगों को यह बताने के लिए पर्यांप्त है कि भगवान श्रीराम के मुद्दे पर कट्टरता की पुड़िया बांटने वाले न तो अपने समाज के प्रति ईंमानदारी से अपना कर्तव्य निभा रहे हैं और न ही संविधान की शपथ लेकर सांसद के रूप में राष्ट्रीय एकता के प्रति सही उत्तरदायित्व निभा रहे हैं। इस देश का यह दुर्भाग्य है कि धर्मनिरपेक्षता का चोगा डाले हुईं राजनीतिक पार्टियां ऐसे ही कट्टरपंथी मुस्लिम नेताओं के वंधे पर हाथ रखती हैं जो मुस्लिम समाज को हिन्दुओं के खिलाफ भड़काते हैं। विनम्र और कट्टरता से दूर रहने वाले मुसलमानों को तो धर्मनिरपेक्ष पार्टियां हिंदुत्व की सांप्रदायिकता से ग्रस्त मानते हैं ताकि उन्हें कट्टरपंथी मुसलमानों का समर्थन स्थाईं रूप से मिलता रहे। अजमल और ओवैसी दोनों की इतनी औकात नहीं है कि वे दोनों अपने दम पर अपनी-अपनी लोकसभा सीटें जीत लें। इसलिए दोनों को दूसरी पार्टियों की मदद तो चाहिए ही। अजमल को असम में कांग्रेस का समर्थन मिलता है तो ओवैसी के लिए के. चन्द्रशेखर राव की पार्टी बीआरएस का समर्थन मिलता है। अकेले कट्टरपंथी मतदाताओं के बल पर ये लोग राजनीति नहीं कर पाते। असल में भारतीयता से अनजान कट्टरपंथी यह नहीं जानते कि अब भी समरसता के समर्थक ही स्वीकार्यं हैं। बाबरी मस्जिद के पक्ष में अदालती लड़ाईं लड़ने वाले इकबाल वुरैसी भी भगवान श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा में हिस्सा ले रहे हैं और उनके साथ मुस्लिम समाज के वे तमाम उदारवादी और दूरदर्शी मुसलमान भगवान श्रीराम को अपना पूर्वज मानते हैं और 22 जनवरी को राष्ट्र के लिए गौरव बता रहे हैं कितु ये दोनों भाईंजान मुस्लिम भाइयों को भड़काने में लगे हैं। लब्बोलुआब यह है कि समाज में वैमनस्यता की चिंगारी पैलाने वाले इस गलतफहमी में हैं कि उनके भड़काऊ बयानों, जहरीले विचारों और संकीर्ण भाव वाले सलाहों का आंख मूंद कर अनुशरण करने वाले मुसलमान हैं जो राष्ट्र से बड़ा धार्मिक हितों को मानते हैं। कितु ऐसा नहीं है। अधिसंख्य मुस्लिम समाज के लोग हिंदू समाज के साथ मिलकर रहना चाहते हैं। वे अपनी खुशी में हिंदुओं का साथ और हिंदुओं की खुशी में खुद साथ खड़ा दिखना चाहते हैं। यही है भारत का वास्तविक राष्ट्रीय चरित्र जबकि भड़काऊ प्रवृत्ति के नेता खुद को अपनी कौम का हितैषी साबित करने का अभिनय करते हुए उनके अहित का जाल बुनते हैं। इसीलिए ऐसे नेताओं को खंडित व्यक्तित्व के बौने नेता कहा जाता है।

> एएसआईं के पूर्व अधिकारी और पुरातत्व विद केके मुहम्मद निष्पक्ष कार्यं परायणता अजमल और ओवैसी जैसे लोगों को यह बताने के लिए पर्यांप्त है कि भगवान श्रीराम के मुद्दे पर कट्टरता की पुड़िया बांटने वाले न तो अपने समाज के प्रति ईंमानदारी से अपना कर्तव्य निभा रहे हैं और न ही संविधान की शपथ लेकर सांसद के रूप में राष्ट्रीय एकता के प्रति सही उत्तरदायित्व निभा रहे हैं। इस देश का यह दुर्भाग्य है कि धर्मनिरपेक्षता का चोगा डाले हुईं राजनीतिक पार्टियां ऐसे ही कट्टरपंथी मुस्लिम नेताओं के वंधे पर हाथ रखती हैं जो मुस्लिम समाज को हिन्दुओं के खिलाफ भड़काते हैं। विनम्र और कट्टरता से दूर रहने वाले मुसलमानों को तो धर्मनिरपेक्ष पार्टियां हिंदुत्व की सांप्रदायिकता से ग्रस्त मानते हैं ताकि उन्हें कट्टरपंथी मुसलमानों का समर्थन स्थाईं रूप से मिलता रहे। अजमल और ओवैसी दोनों की इतनी औकात नहीं है कि वे दोनों अपने दम पर अपनी-अपनी लोकसभा सीटें जीत लें। इसलिए दोनों को दूसरी पार्टियों की मदद तो चाहिए ही। अजमल को असम में कांग्रेस का समर्थन मिलता है तो ओवैसी के लिए के. चन्द्रशेखर राव की पार्टी बीआरएस का समर्थन मिलता है। अकेले कट्टरपंथी मतदाताओं के बल पर ये लोग राजनीति नहीं कर पाते। असल में भारतीयता से अनजान कट्टरपंथी यह नहीं जानते कि अब भी समरसता के समर्थक ही स्वीकार्यं हैं। बाबरी मस्जिद के पक्ष में अदालती लड़ाईं लड़ने वाले इकबाल वुरैसी भी भगवान श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा में हिस्सा ले रहे हैं और उनके साथ मुस्लिम समाज के वे तमाम उदारवादी और दूरदर्शी मुसलमान भगवान श्रीराम को अपना पूर्वज मानते हैं और 22 जनवरी को राष्ट्र के लिए गौरव बता रहे हैं कितु ये दोनों भाईंजान मुस्लिम भाइयों को भड़काने में लगे हैं।

कानूनों का पालन तो करना ही चाहिए, सरकार को आवश्यकता है कि महत्वपूर्ण कानून पर ड्राइवरों की सलाह आवश्यक रूप से ले

'हिट एंड रन' कानून पर जागरूकता जरूरी

प्रो. मनोज डोगरा

> भारतीय न्याय संहिता में कई नए प्रावधान जोड़े गए हैं और अपडेट किए गए हैं, जिसमें से एक प्रावधान को लेकर देशभर में वाहन चालकों का विरोध जारी है। विरोध का कारण 'हिट एंड रन' का नया कानून है, यानी एक्सीडेंट होने के बाद भागने पर मिलने वाली सजा के नियमों में बदलाव पर ट्रक और बस ड्राइवर विरोध कर रहे हैं। नए हिट एंड रन कानून के तहत अगर रोड एक्सीडेंट में किसी व्यक्ति की मौत हो जाती है और ड्राइवर एक्सीडेंट एरिया से भाग जाता है तो उसे 10 वर्ष तक की सजा हो सकती है। सजा के साथ-साथ ही मौके से भागने वाले ड्राइवर को जुर्माना भी देना पड़ेगा।

भारत एक लंबी विरासत को समय के साथ लिए चल रहा है। आगे विकास की गाथा में नए आयाम स्थापित कर रहे हैं। समय के साथ-साथ आवश्यकता अनुसार हर चीज में परिवर्तन प्रकृति का नियम है। उसी प्रकार से देश में कुछ समय से पूराने कानूनों में संशोधन कर नए नियम बनाए जा रहे हैं जिनमें अब चर्चा में हिट एंड रन का नया कानून है। भारतीय न्याय संहिता में कई नए प्रावधान जोड़े गए हैं और अपडेट किए गए हैं, जिसमें से एक प्रावधान को लेकर देशभर में वाहन चालकों का विरोध जारी है। विरोध का कारण 'हिट एंड रन' का नया कानून है, यानी एक्सीडेंट होने के बाद भागने पर मिलने वाली सजा के नियमों में बदलाव पर ट्रक और बस ड्राइवर विरोध कर रहे हैं। नए हिट एंड रन कानून के तहत अगर रोड एक्सीडेंट में किसी व्यक्ति की मौत हो जाती है और ड्राइवर एक्सीडेंट एरिया से भाग जाता है तो उसे 10 वर्ष तक की सजा हो सकती है। सजा के साथ-साथ ही मौके से भागने वाले ड्राइवर को जुर्माना भी देना पड़ेगा। हिट एंड रन के मामले तब होते हैं जब चालक लापरवाही से गाड़ी चलाते समय किसी व्यक्ति के जीवन, स्वास्थ्य या संपत्ति को नुकसान पहुंचाते हैं और उसके बाद संबंधित कानूनी अधिकारियों के साथ अपने वाहन और ड्राइविंग लाइसेंस को पंजीकृत करने में विफल रहते हैं। आम आदमी के शब्दों में, हिट एंड रन का मतलब गाड़ी चलाते समय किसी व्यक्ति या संपत्ति को मारना और फिर भाग जाना है। सबूतों और गवाहों के अभाव के कारण दोषियों की पहचान करना और उन्हें सजा देना बहुत कठिन हो जाता है। हालांकि ऐसे कई उदाहरण हैं जब कानून ने उन्हें दोषी ठहराया है। हिट एंड रन के मामलों में सबसे बड़ा मुद्दा किसी भी प्रत्यक्ष सबूत का न होना है। आम तौर पर अपराधी को अपराध स्थल पर खड़ा करने के लिए कोई पुख्ता सबूत नहीं होता है। इससे पुलिस के लिए जांच को आगे बढ़ाना बहुत मुश्किल हो जाता है। कभी-कभी तेज रफ्तार वाहनों और

अत्यधिक भीड़ के कारण गवाह भी जांच में मदद नहीं कर पाते हैं। साथ ही गवाह अक्सर कानूनी पचड़े में नहीं फंसना चाहते। पुलिस को ऐसे मामलों में अप्रत्यक्ष सबूतों पर निर्भर रहना पड़ता है। जांच के लिए अपराध स्थल की बहुत सटीक और सावधानीपूर्वक निगरानी की आवश्यकता होती है। दुर्घटना के गवाह भी पीड़ितों की मदद करने के इच्छुक और अनिच्छुक नहीं हैं। इससे काफी जनहानि होती है। वर्ष 2013 में, शीर्ष अदालत ने सरकार को अच्छे लोगों की सुरक्षा के लिए कानून बनाने का निर्देश दिया। हालांकि ये कानून बनने के बाद भी ज्यादातर कागजों पर ही उपलब्ध हैं। हालांकि कर्नाटक जैसे कुछ राज्यों में ये कानून बहुत महत्व रखते हैं। हिट एंड रन दुर्घटना के बाद आपके द्वारा की जाने वाली कार्रवाई चिकित्सा और कानूनी दोनों कारणों से महत्वपूर्ण है। कानूनी दृष्टिकोण से, वे इस बात पर गहरा प्रभाव डाल सकते हैं कि क्या आपको कोई मुआवजा मिल सकता है, और यदि हां, तो आपको कितना मिलेगा। अन्य महत्वपूर्ण मामलों के अलावा, आपको यह जानना होगा कि हिट एंड रन कार दुर्घटना के बाद क्या करना है, हिट एंड रन दुर्घटनाओं की रिपोर्ट कहां करनी है, और हिट एंड रन दुर्घटना को कैसे साबित करना है। 1. अगर आपको मौका मिले तो कार की तस्वीर लें। 2. दुर्घटना स्थल पर न जाएं। यदि आप दूसरे ड्राइवर का पीछा करने की कोशिश करते हैं, तो आप स्वयं कानून तोड़ देंगे। 3. यदि आपको या किसी अन्य को चोट लगी हो तो एम्बुलेंस को कॉल करें। 4. पुलिस को दुर्घटनास्थल पर आने के लिए बुलाएं। किसी भी गवाह के साथ संपर्क विवरण का आदान-प्रदान करें। 5. दुर्घटना रिपोर्ट भरते समय पुलिस का सहयोग करें। जितनी जल्दी हो सके दुर्घटना रिपोर्ट की एक प्रति प्राप्त करें। आपका वकील और शायद आपकी बीमा कंपनी इसे देखना चाहेगी। सबसे महत्वपूर्ण बात, किसी कुशल व्यक्तिगत चोट वकील से संपर्क करें। भारतीय न्याय संहिता में हिट एंड रन कानून में जो नए प्रावधान हैं, उसके मुताबिक अगर गाड़ी ड्राइवर हादसे के बाद पुलिस को सूचना दिए बिना फरार होता है तो उसे 10 साल की सजा होगी। इसके साथ ही भारी जुर्माना भी वसूला जाएगा। इस कड़े प्रावधान का देशभर के ट्रक, ट्रेलर, बस, लोक परिवहन और टैक्सी ड्राइवर विरोध कर रहे हैं। उत्तर भारत के कई राज्यों में इस नए कानून के विरोध में प्रदर्शन हो रहे हैं और हाइवे जाम किए जा रहे हैं। दुर्घटना के आंकड़े बताते हैं कि हिट एंड रन के मामलों में हर साल देश में 50 हजार लोगों की मौत हो जाती है। मौतों के इन आंकड़ों को देखते हुए ड्राइवरों पर सख्ती करते हुए नए कानून में सख्त प्रावधान जोड़े गए हैं। एक दृष्टि से देखें तो ड्राइवरों के लिए आगे कुआं, पीछे खाई है। नए कानून का विरोध करने वाले ड्राइवरों का कहना है कि अगर दुर्घटना के बाद वे मौके से फरार होते हैं तो उन्हें 10 साल की सजा हो जाएगी। अगर वे मौके पर ही रुक जाते हैं तो भीड़ उन पर हमला करके पीट-पीट कर मार देगी। ड्राइवरों के लिए आगे कुआं और पीछे खाई वाली स्थिति हो गई। यह बात सही भी है कि कई बार उग्र भीड़ हिंसक रूप ले लेती है और मामला मॉब लिंचिंग का रूप ले लेता है। इस काले कानून के कारण पूरे देश में ट्रक ड्राइवर चक्का जाम करने की धमकियां दे रहे हैं। अब देखते हैं कि इस देश की अर्थव्यवस्था कैसे चलती है। देश के ड्राइवर कह रहे हैं कि हम हैं तो देश की अर्थव्यवस्था है, हम नहीं तो देश की अर्थव्यवस्था नहीं, जब तक हम चलेंगे तब तक देश की अर्थव्यवस्था चलेगी, हम नहीं चलेंगे तो देश की अर्थव्यवस्था नहीं चलेगी। अब देखते हैं कि इस कानून का देश के लिए फायदा होता है या नुकसान, समस्त ड्राइवर समाज असंमजस में है कि ऐसा कैसा कानून क्योंकि सडक़ पर चलते हैं तो दुर्घटनाएं हो ही जाती हैं, जानबूझ कर तो हम बिल्ली को भी बचाने का प्रयास करते हैं, मगर कई बार तेज रफ्तार बाइकर्स खुद ट्रकों से टकरा जाते हैं, ऐसे में हम क्या करेंगे। ऐसी बातों से स्पष्ट होता है कि कानून न अच्छा है न बुरा है, कानून तो कानून है, किसी चीज की कमी है तो वो जागरूकता की तथा कानून में भीड़ वाले पहलू की दृष्टि से सोचने की, क्योंकि भीड़ अगर मारपीट करती है तो उसका जिम्मेवार कौन? इन सवालों का जवाब जब मिलेगा तब कानून को लोग स्वयं मानेंगे, वैसे भी यह कानून केवल ट्रक या बस चालकों के लिए नहीं, बल्कि सभी वाहन चालकों के लिए है। कानूनों व नियमों का पालन तो करना ही चाहिए, सरकार को आवश्यकता है कि जनहित से जुड़े इस महत्वपूर्ण कानून पर ड्राइवरों की सलाह व चर्चा-परिचर्चा आवश्यक रूप से करे।

दृष्टि कोण

औपचारिक आमंत्रण पर न आने का आदेश

राजनैतिक परिदृश्य में नींव के पत्थरों को अदृष्टिगत करने का प्रयास कभी भी सुखद नहीं होता। अतीत में जो लोग लक्ष्य की प्राप्ति के लिए कांटों की सेज पर सत्ता के चाबुकों से लहूलुहान हुए हो, उन्हें लक्ष्य भेदन के बाद उपेक्षित करना, किसी हत्या से कम नहीं होता। अयोध्या में होने वाले भगवान श्री राम की प्राण प्रतिष्ठा समारोह में ऐसा ही प्रयास श्री राम जन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के द्वारा किया जा रहा है। भारतीय जनता पाटा के वरिष्ठतम नेता लालवृष्ण आडवानी, डा. मुरली मनोहर जोशी को औपचारिक आमंत्रण भेजने के बाद समारोह में न आने के लिए कहने की परम्परा पहली बार देखने को मिली है। सनातन के परचम तले चम्पत राय ने यह बात श्री राम जन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महामंत्री की हैसियत से समाज के सामने छाती ठोककर कहीं है कि आमंत्रण देने का बाद उन्हें समारोह में न आने के लिए कहा गया है। इसके पीछे बढ़ती उम्र और स्वस्थगत कारण उत्तरदायी है। बात यहीं समाप्त नहीं होती बल्कि अतीत की दुःखद घटना को भी वे अपनी उपलब्धि के रूप में निरूपित करते हुए उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिह को भी आमंत्रण देकर समारोह में आने से रोकने की पुरानी घटना को भी रेखांकित करने से नहीं चूके। ऐसे में सनातन की अतिथि देव भवः की परम्परा ने विवृत हो रही राजनैतिक सोच का एक और प्रहार स्वयं पर झेला। अपनों के द्वारा दिये जाने वाले जख्मों के लिए केवल राजनैतिक महात्वाकांक्षा की परूति ही उत्तरदायी नहीं है बल्कि सनातन को संरक्षण देने वाले संगठनों पर अन्तर्वलह के द्वारा कब्जा करने की नीतियां भी अब बलवती होने लगीं हैं। कभी राजनीति पर धर्म की पहरेदारी होती थी ताकि आम लोगों के मध्य समानता, सामंजस्य और सौहार्यं स्थापित रह सके परन्तु वर्तमान में राजनीति के द्वारा धर्म को नियंत्रित करने का प्रयास किया जा रहा है। सत्ता के लिए धर्म को हथियार बनाना कदापि उचित नहीं हैं। राम मंदिर के निर्माण के लिए जीवन सर्मपित करने वाले निर्मोही अखाड़े के सरपंच श्रीराजा रामाचार्यं जी महाराज को भी राजनैतिक दिग्गजों की तरह ही आमंत्रित करने के बाद आने से मना कर दिया गया। ऐसे लोगों की लम्बी पेरिस्त बताईं जा रही है। पूर्व निर्धारित योजना के अनुसार अयोध्या आने वालों को भी आयोजन काल में प्रतिबंधित कर दिया गया है। लोगों को अपनी एडवांस बुकिग वैंसिल करना पड़ी है। आखिर देश को किस दिशा और दशा में ले जाया जा रहा है। श्री राम जन्म भूमि पर मंदिर निर्माण का कार्यं अभी पूर्ण नहीं हुआ है। अधूरे मंदिर में नूतन विग्रह की स्थापना, उनकी प्राण-प्रतिष्ठा तथा विशाल समारोह का आयोजन करने के औचित्य पर भी शास्त्रीय मंथन निरंतर तेज होता जा रहा है। संतों के अनेक संगठन इस वातावरण को देखकर अन्तव्यवस्था से पीड़ित हैं। पूरे समाज को राम मंदिर की भव्यता स्वमेव ही दिखाईं पड़ रही है। धारा 370 का अस्तित्वहीन होना भी प्रत्यक्ष है। तीन तलाक का कानून भी जुल्म की दास्तां को मिटाने की कोशिश कर रहा है। स्रजिकल स्ट्राइक से लेकर कश्मीर के वर्तमान हालातों का सकारात्मक पक्ष भी किसी से छुपा नहीं है। जी20 सहित अनेक अन्तर्राष्ट्रीय मंचों पर भारत का बढ़ता वर्चस्व भी अपनी तरुणाईं दिखा रहा है। बिना युद्ध के पाकिस्तान को घुटनों पर ला देने की मिशालें भी दी जा रहीं है। उपलब्धियों के आकाश में चमकते नक्षत्रों की निरंतर बढ़ रही संख्या के मध्य अधूरे मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा, आमंत्रित करने के बाद न आने का आदेश, जातिगत समीकरणों को बढ़ावा, आरक्षण को संरक्षण जैसे ग्रहण लगाने का प्रयास करना, किसी भी हालत में सुखद नहीं कहा जा सकता। यूं तो अधिकांश राजनैतिक दल अपने स्थापन काल के आदर्शो को तिलांजलि दे चुके हैं। अवसरवादियों के लिए पलक पांवड़ें बिछाने वाले खद्दरधारियों ने अब धर्म को ढाल और जाति-प्रथा को हथियार बनाना शुरू कर दिया है। कोईं अयोध्या आयोजन के आमंत्रण को धर्म की निजिता का मुद्दा बताकर अस्वीकार कर रहा है तो कोईं आमंत्रण न मिलने से आहत है। कहीं हिन्दुत्व का झंडा उठाकर शेर की तरह दहाड़ने वाले मिमयाने लगे हैं तो कहीं टोपी-जनेऊ-मोमबत्ती की जुगलबंदी दिखाईं जा रही है। धर्म की चौखट पर राजनीति का मकड़जाल निरंतर बढ़ता ही जा रहा है। देश का ठेकेदार बनने की ललक ने कभी मंदिर में माथा टेकने पर विवस पर दिया तो कभी मजार पर चादर चढ़ाने के लिए पहुंचा दिया।

कुछ अलग

जनसंख्या नियंत्रण कानून की आवश्यकता

देश अब तक जनसंख्या नियंत्रण के लिए कठोर कानून नहीं बना पाया है। जनसंख्या नियंत्रण कानून के अभाव में जनसंख्या इसी प्रकार बढ़ती रहेगी और हमारे संसाधन कम पड़ते रहेंगे। देश में जनसंख्या नियंत्रण हेतु कठोर और प्रभावी कानून बनाए जाने की सख्त जरूरत है। दुनिया को 100 करोड़ की जनसंख्या तक पहुंचने के लिए 20 लाख वर्षो का इंतजार करना पड़ा लेकिन यह आर्यं का विषय है कि मात्र 220 वर्ष (1804 से 2024) के मध्य दुनिया की आबादी 100 करोड़ से बढ़कर 800 करोड़ पहुंच जाएगी। भारत में औसतन 70000 शिशुओं का जन्म प्रतिदिन हो रहा है। इस लिहाज से प्रतिवर्ष भारत में 2.5 करोड़ बच्चों का जन्म हो जाता है। भारत का क्षेत्रफल दुनिया का 2.45 प्रतिशत है और यहां पर दुनिया के 18™ लोग निवास करते हैं। दुनिया के जल संसाधन का महज 4™ भाग ही भारत के पास उपलब्ध है। जनसंख्या वृद्धि अनेकों समस्याओं की जड़ है। भारत में बढ़ती हुईं जनसंख्या नियंत्रण हेतु कठोर जनसंख्या नियंत्रण कानून की नितांत आवश्यकता है। आज विश्व की वुल जनसंख्या लगभग 7.7 अरब है। 1804 में विश्व की जनसंख्या 1 अरब पहुंच गईं। 1 अरब से 2 अरब जनसंख्या पहुंचने में दुनिया को 123 वर्ष लग गए। 1927 में विश्व की जनसंख्या 2 अरब हो गईं। 33 साल बाद 1959 में दुनिया की जनसंख्या बढ़कर 3 अरब हो गईं। इसके बाद तो जनसंख्या सुरसा के मुंह की बात बढ़ने लगी।12 से 15 सालों के भीतर विश्व की जनसंख्या 1 अरब बढ़ती गईं। सन 1999 में विश्व की जनसंख्या 6 अरब को पार कर गईं। 21 साल के भीतर आज 2020 के अंत में विश्व की जनसंख्या 1.7 अरब बढ़कर 7.7 अरब पहुंच चुकी है। अगर ऐसा ही चलता रहा तो वर्ष 2050 तक दुनिया के वुल जनसंख्या 10 अरब के पार पहुंच जाएगी। इस वैश्विक जनसंख्या वृद्धि में 2 देशों का अतुलनीय योगदान रहा है, वे हैं चीन और भारत। वर्ष 1000 में भारत की जनसंख्या 7.5 करोड़ थी। 500 सालों में केवल 3 करोड़ जनसंख्या बढ़ी। वर्ष 1501 में देश की जनसंख्या 11 करोड़ पहुंच गईं। 1801 में भारत की वुल जनसंख्या 19 करोड़ थी। 100 साल में देश की जनसंख्या में 4 करोड़ की वृद्धि हुईं। 1901 में भारत की जनसंख्या 23 करोड़ थी। 1951 में देश की जनसंख्या 36 करोड़, 2001 में 102 करोड़, 2011 में 121 करोड़ हो गईं। आज 2020 के अंत में देश की जनसंख्या 140 करोड़ है। संयुक्त राष्ट्र की मानें तो वर्ष 2027 में भारत की जनसंख्या चीन से अधिक हो जाएगी। वर्ष 2019 में चीन की जनसंख्या 143 करोड़ थी जबकि भारत के 137 करोड़ के आसपास थी। आज चीन और भारत के जनसंख्या में महज 6 करोड़ का अंतर है। हमें हमेशा याद रखना चाहिए कि चीन का क्षेत्रफल भारत के क्षेत्रफल से 3 गुना अधिक है। भारत का वुल क्षेत्रफल 3287263 वर्ग किलोमीटर है जबकि चीन का क्षेत्रफल 9596961 वर्ग किलोमीटर है। चीन में दुनिया का 7™ पानी उपलब्ध है जबकि भारत के पास दुनिया का मात्र 4™ पानी ही उपलब्ध है। जनसंख्या घनत्व की बात की जाए तो चीन की स्थिति हमसे 3 बहुत बेहतर है। भारत में जनसंख्या घनत्व 440 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर है जबकि चीन में जनसंख्या घनत्व 148 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर है। चीन ने अपनी बढ़ती हुईं जनसंख्या को नियंत्रित करने के लिए कड़े कानून बनाए। वर्ष 1970 में चीन ने 'टू चाइल्ड पॉलिसी' अपनाईं। फायदा कम होता देख चीन ने वर्ष 1979 में 'टू चाइल्ड पॉलिसी' को बदलकर 'वन चाइल्ड पॉलिसी' अपना लिया। चीन में 'वन चाइल्ड पॉलिसी' को कड़ाईं से लागू किया गया। लगभग 40 करोड़ बच्चों को जन्म लेने से रोक दिया गया, वरना आज चीन की जनसंख्या 180 करोड़ से अधिक होती।

देश दुनीया से

खाद तेलों ने बिगाड़ा रसोईं का बजट

> पेट्रोल डीजल के भाव लगातार बढ़ने से लोगों में रोष है। रही सही कसर खाद्या तेलों ने निकाल दी है। खाने-पीने की चीजें काफी महँगी हो गईं हैं। बाजार में सरसों, मूंगफली और सोयाबीन तेल और चावल की कीमतों में बेतहाशा वृद्धि ने रसोईं का बजट बिगाड़ दिया है। खाने में उपयोग होने वाले सभी खाद्या तेलों की कीमतें एक बार फिर बढ़ गईं हैं। उपभोत्ता मामलों के मूल्य निगरानी विभाग पर उपलब्ध खाद्या तेल की कीमतों पर नजर डालें तो सभी में बीते दो महीने में तेजी से उछाल आया है। खाद्या तेलों के भावों में 25 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुईं है। नया आलू आने के बाद भाव वुछ नरम हुए तो प्याज भी पकड़ में आ गया। हरी सब्जियां बाजार में बहुतायत से आने से लोगों को राहत मिली मगर दालों के भाव आसमान छू रहे।

नया साल महंगाईं के मोच्रे पर जनता के लिए दुखदायी साबित हो रहा है वहीँ भाजपा सरकार के लिए भी सुखदायी नहीं कहा जा सकता। कोरोना काल में लोगों ने महंगाईं का रौद्र रूप देखा था। फिर आलू, प्याज और दालों ने लोगों को रुला दिया। अर्थव्यवस्था पहले से ही बिगड़ी हुईं है। बेकारी अपने चर्म पर है। पेट्रोल डीजल के भाव लगातार बढ़ने से लोगों में रोष है। रही सही कसर खाद्या तेलों ने निकाल दी है। खाने-पीने की चीजें काफी महँगी हो गईं हैं। बाजार में सरसों, मूंगफली और सोयाबीन तेल और चावल की कीमतों में बेतहाशा वृद्धि ने रसोईं का बजट बिगाड़ दिया है। खाने में उपयोग होने वाले सभी खाद्या तेलों की कीमतें एक बार फिर बढ़ गईं हैं। उपभोत्ता मामलों के मूल्य निगरानी विभाग पर उपलब्ध खाद्या तेल की कीमतों पर नजर डालें तो सभी में बीते दो महीने में तेजी से उछाल आया है। खाद्या तेलों के भावों में 25 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुईं है। नया आलू आने के बाद भाव वुछ नरम हुए तो प्याज भी पकड़ में आ गया। हरी सब्जियां बाजार में बहुतायत से आने से लोगों को राहत मिली मगर दालों के भाव आसमान छू रहे। इस दौरान आम आदमी को सबसे ज्यादा परेशान खाद्या तेलों ने किया। महँगाईं को नियंत्रण में रखने का दावा करने वाली बीजेपी सरकार के लिए यह बड़ी चुनौती है। जब सामान इतने महँगे हो जाएँ कि लोगों की जेबें खाली होने लगे तो सरकारों के सामने चिताएँ मँडराने लगती हैं। फिलहाल जिस तरह के आर्थिक हालात हैं उसमें महँगाईं का बढ़ना मोदी सरकार के लिए एक तरह से संकट से कम नहीं है। पेट्रोल और डीजल के भाव पहले से ही बढे हुए है। इसके कारण माल ढुलाईं महँगी हुईं और लोगों को आम जरुरत की वस्तुएं महँगी मिलने लगी। लगातार 29वें दिन पेट्रोल-डीजल के दाम स्थिर रहने के बाद बुधवार को 30वें दिन कीमतों में बढ़ोतरी की गईं है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों का फायदा उपभोत्ता को नहीं मिल रहा है। बहरहाल देश में महंगाईं का कहर जारी है। आर्थिक तंगी से जूझ रहे देशवासियों को महंगाईं ने बेहाल कर रखा है। आर्थिक मोच्रे पर विफलता और बढ़ती बेरोजगारी से आहत मोदी सरकार पर अब महंगाईं ने जोरदार हमला कर दिया है। महंगाईं का सीधा अर्थ है वस्तुओं और सेवाओं की कीमतों का बढ़ जाना यानि रूपये की कीमत का कम हो जाना है। महंगाईं पर लगाम लगाने के सरकार के सारे प्रयास पेल हो गए है। आजादी के बाद देश में महंगाईं लगातार बढ़ी है, इसके कईं कारण गिनाये जा सकते है। भाजपा की पूर्ववता पाटा जनसंघ ने छठे और सातवें दशक में कांग्रेस सरकारों के खिलाफ महंगाईं को लेकर कईं बार जोरदार आंदोलन किया था। भाजपा बनने के बाद भी महंगाईं को लेकर भाजपा काफी मुखर रही है। महंगाईं के खिलाफ पाटा ने भारत बंद से लेकर जेल भरो आंदोलन का आगाज भी किया था। मनमोहन सरकार के दौरान भाजपा और नरेंद्र मोदी ने महंगाईं को लेकर कईं बार कांग्रेस सरकार को घेरा। मोदी सरकार का यह दूसरा कार्यंकाल है। जनता महंगाईं से राहत का इंतजार कर रही है मगर महंगाईं सुरसा के मुंह की तरह लगातार बढ़ती ही जा रही है।भारत की राजसत्ता दूसरी बार सँभालने के बाद भाजपा सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को महंगाईं से दो दो हाथ करने पड़ रहे है। जन साधारण को फिलहाल महंगाईं से राहत मिलती नहीं दिख रही है। महंगाईं ने एक बार फिर से देश में दस्तक देकर लोगों का जीना हराम कर दिया है। इसने मोदी द्वारा जनता से किए वादों पर सवाल खड़ा कर दिया हैं। लोगों ने विभिन्न मोर्चो पर राहत पाने के लिए भाजपा के हाथों में सत्ता सौंपी थी, लेकिन महंगाईं सरकार की छवि पर सवालिया निशान लगा रही हैं। मोदी राज में देश में महंगाईं लगातार बढ़ती ही जा रही है। इसकी सबसे ज्यादा मार दिहाड़ी मजदूरों और गरीबों पर तो लाजिमी रूप से पड़ी ही है साथ ही मध्यम वर्ग भी इसकी बेरहम मार से अछूता नहीं रहा है। हालाँकि भ्रष्टाचार पर वुछ हद तक लगाम लगाने में मोदी सरकार कामयाब रही है।

आप का नजरीया

निशाने पर ऐतिहासिक हिन्दू मंदिर

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनव्वा प्रांत के कटक जिले में पिछले दिनों ऐतिहासिक मंदिर में तोड़फोड़ और आगजनी के मामले में पुलिस ने कईं और लोगों को गिरफ्तार किया है। इसके साथ ही मामले में अब तक 100 से ज्यादा आरोपी पकड़े जा चुके हैं। इसमें पुलिस के वुछ कमा भी शामिल हैं। इस मामले में लगभग 350 नामजद आरोपी हैं। इनमें कट्टरपंथी संगठन जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम के वेंद्रीय नेता रहमत सलाम खट्टक और उनकी भीड़ को उकसाने वाले मौलवी भी शामिल हैं। गौरतलब है कि जिले टेरी गांव में कट्टरपंथियों की भीड़ ने एक ऐतिहासिक हिन्दू मंदिर में नए निर्माण के साथ उसके पुराने ढांचे को गत बुधवार को गिरा दिया था और उसके बाद उसमें आग लगा दी गईं थी। मानवाधिकार कार्यंकर्ता और पाक अल्पसंख्यक हिन्दु समुदाय ने इस घटना की कड़ी आलोचना की थी। इसके बाद प्रांत के मुख्यमंत्री महमूद खान ने शुव्रवार को कहा था कि प्रांतीय सरकार गिराए गए मंदिर का पुनर्निर्माण कराएगी। सरकार ने पुनर्निर्माण के लिए आदेश जारी कर दिया है। वहीं मंदिर में तोड़फोड़ और आगजनी को लेकर पाकिस्तान के चीफ जस्टिस गुलजार अहमद ने संज्ञान लेते हुए इस मामले की सुनवाईं शुरू कर दी है। ताजा घटना में साफ है कि मंदिर को गिराने का यह वृत्य सुनियोजित था। यह भी सच्चाईं है कि कहीं भी उकसाए लोग इस तरह की घटनाओं को अंजाम नहीं देते हैं। वरना अब तक तो यह मंदिर कब का साफ हो चुका होता। दूसरे धर्मो के प्राति घृणा पैलाने का काम कट्टरपंथी ताकतें ही करती हैं। ऐसी ताकतों को सत्ता का पूरा संरक्षण हासिल रहता है। मंदिर या दूसरे धर्म स्थलों को नुकसान पहुंचाने के मामले में आज तक किसी के भी खिलाफ कोईं कार्रवाईं हुईं हो ऐसा देखने में नहीं आया है। अपने नागरिकों को धार्मिक आजादी प्रादान कराने के मामले में वैसे भी पाकिस्तान बदनाम मुल्क के रूप में जाना जाता है। संयुक्त राष्ट्र से लेकर अमेरिका और दूसरे देश भी पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों के उत्पीड़न को लेकर चिन्ता व्यक्त करते रहे हैं। यहां तक कि पाकिस्तान का मानवाधिकार आयोग तक कह चुका है कि आने वाले वक्त में यहां धार्मिक अल्पसंख्यकों की स्थिति और खराब होगी। पाकिस्तान के संविधान ने धार्मिक अल्पसंख्यकों को भी सामान अधिकार देने की बात की है। लेकिन आज पाकिस्तान सरकार अपने ही संविधान की धज्जियां उड़ाते हुए यहां धार्मिक उत्पीड़न कर रही है। धार्मिक स्थलों पर हमलों को रोकने की नीति को बनाए अगर पाकिस्तान सरकार दशकों से बन्द पड़े मंदिरों और गुरुद्वारों को फिर से खुलवाने की दिशा में बढ़े तो इससे अल्पसंख्यकों के भीतर भी सरकार के प्राति भरोसा पैदा होगा और ऐसी कवायद भारत-पाकिस्तान के बीच रिश्तों को सामान्य बनाने की दिशा में सही भूमिका निभा सकती है लेकिन क्या पाकिस्तान इस बात को समझ पाएगा।

ऐसा लगा मानों श्रीराम आ गए हों, राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा से पहले ह्यूस्टन में भक्तों ने निकाली कार रैली

ह्यूस्टन । अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के उद्घाटन की तैयारियां जोरों पर हैं। 22 जनवरी को होने वाले प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए राम नगरी को सजाया जा रहा है। देश ही नहीं दुनिया में राम मंदिर के अभिषेक समारोह को लेकर उत्साह है। ह्यूस्टन में हिंदू अमेरिकी समुदाय के सदस्यों ने भजनों और जय श्री राम के नारों के बीच एक विशाल कार रैली निकाली। ये रैली रास्ते में 11 मंदिरों में रुकी। मंदिर प्रशासन को 22 जनवरी को अयोध्या में आयोजित होने वाले अभिषेक समारोह में शामिल होने के लिए अमेरिका के विश्व हिंदू परिषद (विहिपए) की ओर से औपचारिक निमंत्रण दिया गया।

सौ मील का रास्ता तय

राम मंदिर, भारतीय ध्वज और अमेरिकी ध्वज की तस्वीर वाले भगवा बैनर लिए 500 से अधिक लोगों ने 216 कारों की एक रैली निकाली। इस रैली ने सौ मील का रास्ता तय किया। रैली को ह्यूस्टन के समाजसेवी जुगल मलानी ने श्री मीनाक्षी मंदिर से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और यह रिचमंड के श्री शरद अंबा मंदिर में दोपहर बाद संपन्न हुई।

दो हजार से अधिक लोगों ने लिया भाग

ह्यूस्टन की व्यस्त सड़कों को पार करते हुए एक ट्रक के नेतृत्व में रैली निकाली गई। जय श्री राम के नारे की गूंज के साथ निकाली गई रैली छह घंटे में 11 मंदिरों में रुकी। करीब 2,000 युवा और बुजुर्ग श्रद्धालुओं ने मंदिरों में भजनों के साथ शोभायात्रा का स्वागत किया। मंदिर में मौजूद हर एक व्यक्ति जय श्री राम के नारे और शंख की आवाज में मंत्रमुग्ध दिखा। लिविंग प्लैनेट फाउंडेशन की संस्थापक कुसुम व्यास ने कहा कि राम भक्तों के साथ इस पल का अनुभव करना बड़ा आनंददायक था।

भक्ति और प्यार वाला पल

ह्यूस्टन के स्वयंसेवक अचलेश अमर, उमंग मेहता और अरुण मुंद्रा ने पहली बार इस तरह की रैली का आयोजन किया था।वीएचपीए के सदस्य अमर ने कहा कि भगवान श्री राम ह्यूस्टनवासियों के दिल में रहते हैं। कार रैली में भाग लेने वालों के लिए विभिन्न मंदिरों में एकत्र हुए 2,500 से अधिक भक्तों द्वारा दिखाई गई भक्ति और प्यार अभिभूत कर देने वाला था। वहीं मेहता ने कहा, माहौल भक्ति और प्रेम से भरा हुआ था। ऐसा लग रहा था जैसे श्रीराम खुद ह्यूस्टन पहुंचे हों। मुंद्रा ने कहा कि मंदिर प्रशासन को एक सुंदर निमंत्रण टोकरी भेंट की है। इस टोकरी में विहिपए की ओर दिया औपचारिक निमंत्रण, अयोध्या से पवित्र चावल, राम परिवार, गंगाजल, सुंदर कांड की एक प्रति और कुछ मिठाइयां थीं। उन्होंने कहा कि यह प्रत्येक मंदिर को भव्य श्री राम लला मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में भाग लेने का अनुरोध करते हुए दी गई थी।

न्यूज ब्रीफ

भारत से विवाद के चलते क्या चली जाएगी मोहम्मद मुइज्जू की कुर्सी जानिए किस विपक्षी नेता ने क्या कहा

माले । मालदीव सरकार के पूर्व मंत्रियों द्वारा पीएम मोदी के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने का मामला इतना बढ़ गया है कि राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू को पद से हटाने की मांग हो गई है। मालदीव के एक सांसद ने यह मांग की। मालदीव के कई अन्य शीर्ष नेताओं ने भी भारत विरोधी स्टैंड के लिए अपनी सरकार की तीखी आलोचना की। गौरतलब है कि मालदीव सरकार ने पीएम मोदी के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाले मंत्रियों को पद से हटा दिया है, लेकिन अभी भी मामला शांत नहीं हो पा रहा है। मालदीव की पार्टी द डेमोक्रेट्स के सदस्य अली अजीम ने मांग की है कि राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जु को सत्ता से हटाने के लिए सभी जरूरी कदम उठाए जाने चाहिए। अली अजीम ने मालदीव की सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी एमडीपी से मांग की है कि वह मोहम्मद मुइज्जू के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लेकर आएं। एक अन्य नेता ने मालदीव के विदेश मंत्री को भी समन भेजकर संसद में बुलाने की मांग की है क्योंकि उन्होंने पीएम मोदी के खिलाफ टिप्पणी मामले में कोई कार्रवाई नहीं की। मालदीव की पूर्व रक्षा मंत्री और विपक्षी पार्टी एमडीपी की नेता मारिया अहमद दीदी ने भी सत्ताधारी पार्टी की आलोचना की। उन्होंने कहा कि भारत, मालदीव का जांचा-परखा दोस्त है और संकट के समय भारत ही है, जो सबसे पहले मालदीव की मदद के लिए आता है। उन्होंने कहा कि हमारी हमेशा से इंडिया फर्स्ट की नीति रही है, लेकिन मौजूदा सरकार भारत से मालदीव के रिश्तों को तबाह कर रही है। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी, 2004 में आई सुनामी के समय भी भारत ने ही सबसे पहले मालदीव की मदद की थी।

महिला जज पर हमले का आरोपी फिर उन्हीं के सामने हुआ पेश, इस बार जानवरों की तरह बांधकर किया गया हाजिर

वॉशिंगटन । हाल ही में अमेरिका के लास वेगास में एक आरोपी ने अदालत की कार्यवाही के दौरान महिला जज पर हमला कर दिया था। इस हमले के वीडियो ने सोशल मीडिया पर खूब सुर्खियां बटोरी थी। उस आरोपी को एक बार फिर से उन्हीं महिला जज के सामने पेश किया गया। हालांकि इस बार आरोपी को जानवरों की तरह जंजीरों में बांधकर, मुंह पर मास्क लगाकर जज के सामने पेश किया गया। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, आरोपी डेयोब्रा रेड्डेन (30 वर्षीय) को क्लार्क काउंटी डिस्ट्रिक्ट कोर्ट में जज मैरी के होल्थस की अदालत में पेश किया गया। इस दौरान रेड्डेन के चेहरे पर मास्क बंधा था ताकि वह बोल ना सके और फिर पूरे चेहरे को एक जालीदार मास्क से कवर किया गया था। साथ ही आरोपी के हाथ सांचों में बंद किए गए थे और कमर और हाथों को जंजीर से बांधा गया था। कोर्ट में पेश रेड्डेन की तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। रेड्डेन को देख कर किसी को भी हॉलीवुड की फिल्म हैनीबाल का वो सीरियल किलर का किरदार याद आ सकता है, जिसे मशहूर एक्टर एंथनी हॉपकिंस ने निभाया था।

चीन ने पकड़ा ब्रिटिश खुफिया एजेंसी एमआई6 का जासूस, एक बड़ी कंपनी के प्रमुख के तौर पर कर रहा था काम

बीजिंग । चीन ने एक विदेशी नागरिक को गिरफ्तार किया है, जो एक बड़ी कंसल्टेंसी फर्म का प्रमुख है। आरोप है कि यह नागरिक ब्रिटेन के लिए जासूसी कर रहा था। चीन की नागरिक जासूसी एजेंसी मिनिस्ट्री ऑफ स्टेट सिक्योरिटी (एमएसएस) ने बयान जारी कर बताया कि उन्होंने एक व्यक्ति को पकड़ा है, जो ब्रिटेन की खुफिया एजेंसी एमआई6 के लिए काम कर रहा था। चीन ने आरोपी का उपनाम हुआंग बताया है, लेकिन उससे संबंधित अन्य जानकारियों का खुलासा नहीं किया गया है। एमएसएस ने बताया कि हुआंग ने साल 2015 में एमआई6 के साथ काम करना शुरू किया था। एमआई6 ने ही हुआंग को चीन जाने का निर्देश दिया था और हुआंग खुफिया जानकारी इकट्ठा करने के लिए कई बार चीन की यात्रा कर चुका है। एमआई6 ने ही हुआंग को ट्रेनिंग और आधुनिक जासूसी उपकरण मुहैया कराए थे ताकि एमआई6 कथित जासूस से कम्युनिकेशन स्थापित कर सके। एमएसएस का कहना है कि हुआंग कई अहम जानकारियां एमआई6 को भेज चुका है। बयान में कहा गया है कि हुआंग को कानून के मुताबिक काउंसुलर एक्सेस दे दिया गया है। ब्रिटेन की तरफ से अभी तक इसे लेकर कोई बयान नहीं दिया गया है।

गाजा में संघर्ष के दौरान फौदा एक्टर अमेदी गंभीर रूप से घायल, अस्पताल में भर्ती

यरूशलम/तेल अवीव । गाजा में इजराइली सेना और हमास के बीच संघर्ष जारी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, नेटफ्लिक्स वेब सीरीज फौदा में नजर आए अभिनेता-गायक इदान अमेदी संघर्ष के दौरान गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, अमेदी गाजा पट्टी के खान यूनिस में हमास आतंकवादियों के खिलाफ इजराइली सेना आईडीएफ के आरक्षित सैनिक के रूप में लड़ रहे थे। कथित तौर पर गंभीर रूप से घायल हो गए। अमेदी को हवाई मार्ग से अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेदी के पिता ने उनके घायल होने की पुष्टि की है। अभिनेता के चचेरे भाई ने भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर उनके घायल होने की जानकारी साझा की और लोगों से अमेदी के जल्द ठीक होने के लिए प्रार्थना करने की अपील की। वहीं, इजराइली राजनयिक अविया लेवी ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, फौदा के अभिनेताओं में शामिल इदान अमेदी गाजा में लड़ते हुए गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। हम उनके शीघ्र स्वस्थ होने के लिए प्रार्थना करते हैं।

इजराइली हमले में हिजबुल्ला कमांडर विसाम अल-तावील की मौत

इधर, गाजा में जारी जंग के बीच इजराइल को लेबनान में ईरान समर्थित हिजबुल्ला और यमन में हूती विद्रोहियों का भी सामना करना पड़ रहा है। गाजा सीमाओं से परे युद्ध भड़कने के संकेतों के बीच जी-7 देशों व अमेरिका ने युद्ध को शीघ्र खत्म करने का रास्ता गंभीरता से निकालना शुरू कर दिया है। इटली, जर्मनी, यूरोपीय संघ और अमेरिकी विदेश मंत्रियों ने इस मुद्दे पर क्षेत्र का दौरा तेज कर दिया है। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन इजराइल पहुंच चुके हैं। इससे पहले वह यूएई और सऊदी अरब पहुंचे और गाजा पर चर्चा की। इसका मकसद शांति के लिए ठोस प्रयास शुरू करना था। उन्होंनें कहा, फलस्तीन क्षेत्र में व्यापक टकराव से बचना बेहद जरूरी है। उन्होंने इससे पहले जॉर्डन और कतर में पांच दिनी मध्य-पूर्व राजनयिक प्रयास भी शुरू किए। इस बीच, ईरान समर्थित अन्य आतंकी समूहों ने लेबनान की सीमा पर इजराइली सेना, इराक और सीरिया में अमेरिकी सैनिकों के साथ-साथ लाल सागर में वाणिज्यिक जहाजों पर हमला किया है। हिज्बुल्ला के साथ 'एक और युद्ध' की चेतावनी इजराइल ने कहा कि हिज्बुल्ला ने उत्तरी इजराइल में एक हवाई यातायात नियंत्रण अड्डे पर हमला किया है। सेना ने ईरान समर्थित आतंकी समूह के साथ 'एक और युद्ध' शुरू होने की चेतावनी दी और हमले किए।

हूती विद्रोहियों के खिलाफ किसी देश की मदद नहीं करेंगे, नौसेना ने युद्धक जहाज की तैनाती पर दी सफाई

इस्लामाबाद । पाकिस्तान ने अरब सागर में अपने युद्धक जहाज की तैनाती की है। यह तैनाती ऐसे समय की गई है, जब हूती विद्रोही लगातार अंतराष्ट्रीय शिपिंग रूट से गुजरने वाले व्यापारिक जहाजों पर हमले कर रहे हैं। इसके चलते भारत, अमेरिका समेत कई देशों ने समुद्र में निगरानी बढ़ा दी है। हालांकि पाकिस्तानी नौसेना ने साफ किया है कि उन्होंने युद्धक जहाज की तैनाती हूती विद्रोहियों के खिलाफ किसी देश की मदद के लिए नहीं की है। पाकिस्तानी नौसेना के प्रवक्ता ने साफ किया कि वह यमन के हूती विद्रोहियों के खिलाफ कार्रवाई के मकसद से यह तैनाती नहीं की गई है। प्रवक्ता ने कहा कि पाकिस्तान की नौसेना का वही स्टैंड है, जो पाकिस्तान की सरकार का स्टैंड है कि हम युद्धग्रस्त गाजा के लोगों का समर्थन करते हैं। उन्होंने कहा पाकिस्तानी नौसेना के जहाज लगातार अरब सागर में पेट्रोलिंग करेंगे और पाकिस्तान के ट्रेड रूट की सुरक्षा सुनिश्चित करेंगे। साथ ही लगातार हवाई निगरानी भी की जाएगी ताकि पाकिस्तान के और अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक जहाजों की सुरक्षा की जा सके। पाकिस्तान हमेशा से फिलस्तीन का समर्थक और इजराइल विरोधी रहा है। यही वजह है कि वह किसी भी स्थिति में फिलस्तीनी लोगों के विरोध में नहीं दिखना चाहता, क्योंकि हूती विद्रोही फिलस्तीनियों के समर्थन में ही जहाजों को निशाना बना रहे हैं।

व्हाइट हाउस की सुरक्षा में बड़ी चूक, गेट से टकराया एक वाहन; चालक गिरफ्तार

वॉशिंगटन । अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास व्हाइट हाउस की सुरक्षा में बड़ी चूक सामने आई है। एक प्रवक्ता ने बताया कि व्हाइट हाउस के एक गेट से आठ जनवरी को एक वाहन टकरा गया। हालांकि, हादसे में कोई नुकसान नहीं हुआ है।

घटना से सुरक्षा कर्मियों में हड़कंप मच गया। चालक को पुलिस टीम ने हिरासत में ले लिया है। फिलहाल, सीक्रेट सर्विस के अधिकारी का कहना है कि घटना के कारण और तरीके की जांच की जा रही है।

सीक्रेट सर्विस के प्रवक्ता एंथनी गुग्लिल्मी ने बताया कि एक वाहन व्हाइट हाउस परिसर के बाहरी गेट से टकरा गया था। घटना की जांच की जा रही है। चालक को गिरफ्तार कर पूछताछ की जा रही है। अधिकारी ने बताया कि घटना के वक्त राष्ट्रपति जो बाइडन व्हाइट हाउस में मौजूद नहीं थे। हालांकि, दुर्घटना की वजह से 15वीं स्ट्रीट और पेंसिल्वेनिया एवेन्यू पर यातायात में देरी हुई। इससे पहले 17 दिसंबर को, सुरक्षा कारणों से सड़क को रोकने वाली एक आधिकारिक एसयूवी में 46 वर्षीय व्यक्ति ने अपनी बेज फोर्ड सेडान से टक्कर मार दी थी। पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया है।हालांकि सुरक्षा के नजरिए से यह घटना काफी बड़ी थी, लेकिन बाइडन और उनकी पत्नी जिल को कोई नुकसान नहीं पहुंचा था। यूएस सीक्रेट सर्विस ने बाद में बताया था कि यह एक दुर्घटना थी और किसी भी तरह का हमला नहीं था। अधिकारियों ने शख्स पर शराब के नशे में गाड़ी चलाने और लापरवाही से ड्राइविंग करने के आरोप लगाए थे। यह घटना डेलावेयर के विल्मिंगटन में हुई थी, जहां बाइडन जिल के साथ अपनी पार्टी के प्रचार अभियान केंद्र में रात्रिभोज के लिए गए थे। टक्कर तब हुई जब बाइडन इमारत से बाहर आए और प्रेस के सदस्यों से बात कर रहे थे। सुरक्षा कर्मचारियों ने तुरंत फोर्ड को घेर लिया और बाइडन को उनके आधिकारिक वाहन में बैठाकर बाहर ले गए थे। अमेरिकी राष्ट्रपति दुनिया के सबसे हाई-प्रोफाइल और कड़ी सुरक्षा वाले व्यक्तियों में से एक हैं। उनके आसपास अमेरिका और विदेशों में हर समय एक मजबूत सुरक्षा घेरा रहता है। अमेरिकी राष्ट्रपति की आधिकारिक गाड़ी, कैडिलैक लिमोसिन, जिसे द बीस्ट कहा जाता है, अपनी जबरदस्त सेफ्टी फीचर्स के कारण मशहूर है। इसका वजन लगभग 7,000 किलो है।

मुंबई में जन्मीं डेमोक्रेट मिनिता सांघवी भी चुनावी मैदान में उतरीं, इस सीट के लिए शुरू किया अभियान

वॉशिंगटन । अमेरिका में सियासी पारा चढ़ने लगा है। इस साल राष्ट्रपति चुनाव होना है। सभी उम्मीदवार बढ़-चढ़कर प्रचार में लगे हुए हैं। मुंबई में जन्मीं मिनिता सांघवी भी अब न्यूयॉर्क राज्य के सीनेट के लिए मैदान में उतर गई हैं। उन्होंने इसके लिए एक अभियान शुरू किया है। बता दें, पिछले साल ही अमेरिका के स्किडमोर कॉलेज की प्रोफेसर मिनिता दूसरी बार साराटोगा स्प्रिंग्स में कमिश्नर के पद के लिए चुनी गई थीं। 2001 में मुंबई से अमेरिका जाकर बसीं मिनिता समलैंगिक अधिकारों के लिए काम करती हैं।

44वें जिले से चुनाव लड़ रही

46 वर्षीय डेमोक्रेट ने बताया कि वह नवंबर में 44वें जिले से चुनाव लड़ रही हैं और यह सीट लंबे समय से रिपब्लिकन जिम टेडिस्को के पास है। उन्होंने कहा कि 73 साल के टेडिस्को बुनियादी मुद्दों की अनदेखी कर रहे हैं। मिनिता ने कहा कि वह पहले समुदाय को रखना चाहती हैं। उन्हें राजनीति नहीं करनी। सांघवी ने कहा, मैंने देश और राज्य के साथ काम किया है। जब किसी तरह की परेशानी सामने आती है और समाधान की जरूरत होती है तो मेरे पास इनका उपाय होता है।

जबकि टेडिस्को के हाथ खाली होते हैं। उनके पास कोई समाधान नहीं होता है। उन्होंने उन्होंने कहा, जिले में विकास हो रहा है। हमें एक नवाचार गलियारे की आवश्यकता है। हमें अपने जिले के विकास के लिए नए विचारों की आवश्यकता है। उन्होंने यह भी कहा कि एक मां के रूप में, बंदूक की सुरक्षा उनकी प्राथमिकताओं में से एक है। उन्होंने कहा कि जिन लोगों के पास बंदूकें हैं, वे इसके बारे में भी परेशान हैं। उन्होंने कहा कि यह कोई सुधार का मामला नहीं है, लेकिन एक मां के रूप में यह एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। सांघवी को अभी तक स्थानीय और काउंटी डेमोक्रेटिक समितियों से समर्थन नहीं मिला है। हालांकि, सांघवी का कहना है कि उन्होंने कईयों से बात की है। सांघवी की घोषणा के बाद से रिपब्लिकन पार्टी के अध्यक्षों ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि उन्हें आयुक्त पद से इस्तीफा दे देना चाहिए क्योंकि उन्होंने अभी शपथ ली है और अब वह दूसरे पद के लिए चुनाव लड़ रही हैं।

ईसाई धर्म के संवेदनशील मसले पर नई बहस शुरू, पोप के सलाहकार बोले-पादरियों को भी करने दो शादी

वेटिकन सिटी । ईसाइयों के सबसे बड़े धर्मनेता पोप के वरिष्ठ सलाहकार चार्ल्स साईक्लूना ने कहा कि पादरियों को भी विवाह करने की अनुमति देनी चाहिए। ईसाई धर्म के बेहद संवेदनशील मसले को छेड़ते हुए उन्होंने कहा, शायद मैं पहली बार यह बात सार्वजनिक तौर पर कह रहा हूं, लेकिन इस बारे में रोमन कैथोलिक चर्च को गंभीरता से सोचना चाहिए। मेरा यह कहना कुछ लोगों को स्वधर्मभ्रष्ट लग सकता है। माल्टा में आर्चबिशप चार्ल्स वेटिकन के सिद्धांतविद् कार्यालय के सहायक सचिव भी हैं। वहीं, चर्च के पदाधिकारियों पर लगे बच्चों के यौन शोषण के आरोपों की जांच भी उन्होंने की थी। उनकी जांच से कई बड़े खुलासे हुए थे। इन पदों की वजह से उनके बयान को बेहद अहम माना जा रहा है। साक्षात्कार में चार्ल्स ने कहा कि पादरियों को प्रथम सहस्राब्दी में विवाह करने की अनुमति थी, यह तथ्य चर्च के इतिहास में दर्ज है। आज भी कैथोलिक चर्च के पूर्वी रिवाजों में विवाह की अनुमति दी जाती है। उन्होंने साफ शब्दों में कहा, अगर यह मेरे बस में होता तो उस जरूरत में संशोधन कर देता, जिसमें कहा जाता है कि पादरियों को ब्रह्मचर्य का पालन करना पड़ता है। कई अनुभव मुझे बताते हैं कि हमें इस मामले में गंभीरता से कुछ सोचने की जरूरत है। चर्च ने इसे लेकर कोई ताजा बयान फिलहाल जारी नहीं किया है।

पादरियों को भी हो सकता है प्रेम

करीब 64 साल के चार्ल्स साईक्लूना ने कहा, विवाह की वजह से चर्च ने कई अच्छे पादरी गंवा दिए। उन्होंने पादरी बनने के बजाय विवाह करने का निर्णय लिया। बेशक चर्च में ब्रह्मचर्य का अपना स्थान है, लेकिन यह भी विचार करना चाहिए कि कभी-कभी पादरी प्रेम में पड़ सकते हैं। चार्ल्स के अनुसार, ऐसा होने पर उन्हें पादरी बने रहने या अपनी प्रेमिका में से किसी एक को चुनना होता है। कुछ पादरी तो इससे बचने के लिए अपने भावनात्मक संबंधों को गुप्त रूप से बनाए रखते हैं।

सदियों पुरानी बहस

रोमन कैथोलिक पादरियों को विवाह करने दिया जाए या नहीं, यह सदियों पुरानी बहस है। कैथोलिक चर्च के पूर्वी रिवाजों में विवाहित व्यक्ति को पादरी बनने की अनुमति दी जाती है। पूर्वी रूढ़िवादी (ऑर्थोडॉक्स) चर्च में भी इसकी अनुमति है। यही नहीं प्रोटेस्टेंट और एंजलिकन चर्च भी विवाहित पादरियों को अनुमति देते हैं। वहीं विवाहितों को पादरी बनाने के विरोधियों का कहना है कि ब्रह्मचर्य की वजह से पादरी खुद को चर्च के प्रति पूरी तरह समर्पित कर पाते हैं।

पोप का रवैया कभी सख्त

साल 2021 में पोप ने कुछ विवाहित लोगों को अमेजन के दूरदराज क्षेत्रों में पादरी बनाने का प्रस्ताव रद्द कर दिया था। यह ऐसे क्षेत्र हैं, जहां ईसाई धर्म अपनाने वाले साल में बमुश्किल एक बार पादरी से मिल पाते हैं। यहां पादरियों की भारी कमी है। 2019 में पोप फ्रांसिस ने कहा था कि रोमन कैथोलिक चर्च पादरियों के लिए ब्रह्मचर्य की अनिवार्यता का नियम बदलेगा, इसकी कोई संभावना नहीं है। हालांकि यह भी कहा था कि ब्रह्मचर्य चर्च का औपचारिक सिद्धांत नहीं है।

अमेरिका का आरोप- स्वतंत्र-निष्पक्ष नहीं थे बांग्लादेश के चुनाव, भारत बोला- शांतिपूर्ण तरीके से हुए

ढाका । बांग्लादेश में एक बार फिर शेख हसीना प्रधानमंत्री बनने जा रहीं हैं। हुए आम चुनाव में उनकी पार्टी आवामी लीग ने 300 में से दो-तिहाई सीटें जीत ली हैं। बीएनपी के बहिष्कार करने के बीच हुए चुनाव को अमेरिका ने स्वतंत्र एवं निष्पक्ष नहीं बताया। जबकि भारत ने बांग्लादेश में शांतिपूर्ण आम चुनाव की सराहना की।

भारत निर्वाचन आयोग के तीन सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने बांग्लादेश के शीर्ष चुनाव निकाय की सावधानीपूर्वक योजना बनाने और हाल ही में संपन्न चुनावों के शांतिपूर्ण संचालन के लिए सराहना की। वहीं, अमेरिका ने हजारों राजनीतिक विपक्षी सदस्यों की गिरफ्तारी पर चिंता जताते हुए इस बात पर जोर दिया कि ये चुनाव स्वतंत्र एवं निष्पक्ष नहीं थे। अमेरिका ने इस बात पर खेद जताया कि सभी राजनीतिक दलों ने चुनाव में हिस्सा नहीं लिया।

बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने एकतरफा चुनाव में लगातार चौथा कार्यकाल हासिल कर लिया है। उनकी अवामी लीग पार्टी ने अपने विरोधियों द्वारा बहिष्कार किए गए चुनाव में संसद की आधी से अधिक सीटों पर जीत हासिल की है। उनका अब तक का यह पांचवां कार्यकाल होगा। वह पांचवीं बार प्रधानमंत्री बनेगी।

ये चुनाव स्वतंत्र या निष्पक्ष नहीं

अमेरिकी विदेश मंत्रालय का कहना है, अमेरिका अन्य पर्यवेक्षकों के साथ इस विचार को साझा करता है कि ये चुनाव स्वतंत्र या निष्पक्ष नहीं थे। साथ ही हमें खेद है कि सभी दलों ने भाग नहीं लिया। अमेरिका का मानना है कि अवामी लीग पार्टी ने सात जनवरी को हुए संसदीय चुनावों में अधिकतर सीटें जीती हैं।

इसके अलावा, अमेरिका ने कहा कि वह हजारों राजनीतिक विपक्षी सदस्यों की गिरफ्तारी से चिंतित है। इसके अलावा चुनाव के दिन अनियमितताओं की खबरों से भी परेशान है। उसने चुनावों के दौरान और उससे पहले के महीनों में होने वाली हिंसा की निंदा भी की। साथ ही बांग्लादेश सरकार को हिंसा की रिपोर्टों की जांच करने के लिए प्रोत्साहित किया।

अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने कहा, अमेरिका स्वतंत्र और खुले हिंद-प्रशांत के लिए एक साझा दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने के लिए बांग्लादेश के साथ साझेदारी करने के लिए प्रतिबद्ध है।

भारत के चुनाव आयोग ने शांतिपूर्ण आम चुनाव की सराहना की

भारत निर्वाचन आयोग के तीन सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने बांग्लादेश के शीर्ष चुनाव निकाय की सावधानीपूर्वक योजना बनाने और हाल ही में संपन्न चुनावों के शांतिपूर्ण संचालन के लिए सराहना की।

बयान में कहा गया है, हम बांग्लादेश के चुनाव आयोग के प्रयासों, चुनाव प्रक्रिया के संचालन और इसे सुविधाजनक बनाने के लिए इसकी योजनाओं और व्यवस्थाओं की सराहना करते हैं।

वरिष्ठ उप चुनाव आयुक्त धर्मेंद्र शर्मा के नेतृत्व में महानिदेशक बी नारायणन और प्रधान सचिव मोहम्मद उमर ने 12वें संसदीय चुनावों के लिए पर्यवेक्षकों के रूप में बांग्लादेश का दौरा किया। इन लोगों ने पर्यवेक्षक के तौर पर भारत के चुनाव आयोग को आमंत्रित करने के लिए बांग्लादेश चुनाव आयोग को धन्यवाद दिया।

तीन सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने कई मतदान केंद्रों का दौरा किया और मतदान प्रक्रिया को प्रत्यक्ष रूप से देखा। उन्होंने कहा, हमने बांग्लादेश के नागरिकों को मतदान केंद्रों पर शांतिपूर्ण तरीके से अपने चुनावी अधिकारों का इस्तेमाल करते देखा।

उन्होंने आगे कहा कि भारत बांग्लादेश के चुनाव आयोग के साथ सौहार्दपूर्ण संबंध साझा करता है। हम अपना सहयोग जारी रखने के लिए तत्पर हैं।

देश को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाना है : मुख्यमंत्री भजन लाल

उदयपुर (हिंस)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा मुख्यमंत्री बनने के बाद पहली बार मंगलवार को उदयपुर पहुंचे। यहां उन्होंने नाई गांव पहुंचकर वहां चल रहे विकसित भारत संकल्प यात्रा शिविर का अवलोकन किया। वहां खेल मैदान में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने आह्वान किया कि वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है। इसके लिए उन्होंने उपस्थित जनसमुदाय से संकल्प कराया। जनता ने हाथ आगे कर देश को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा में सिर्फ नारे नहीं हैं, बल्कि योजनाओं का लाभ मिलने की गारंटी है। पीएम मोदी जो कहते हैं, वह करते हैं। उन्होंने भगवान जगदीश, एकलिंगनाथ की धरती को नमन करते हुए कहा कि उदयपुर पर्यटन नगरी के साथ ऐतिहासिक नगरी है। उन्होंने वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप के त्याग और बलिदान का जिक्र करते हुए कहा कि हमें उनके आदर्शों को आत्मसात करना होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि पीएम मोदी की योजनाओं की बराबर

मॉनिटरिंग होनी चाहिए। कोई भी पात्र व्यक्ति छूटना नहीं चाहिए। इन शिविरों में छूटे पात्र लोगों का लाभ मिल रहा है। 6 जनवरी तक की उदयपुर की प्रगति उत्साह जनक है। उन्होंने बताया कि किसान क्रेडिट कार्ड योजना में राजस्थान देश में प्रथम स्थान पर आया है। टीबी जांच में भी राजस्थान प्रथम स्थान पर रहा है। प्रदेश में 47 लाख लोगों की स्वास्थ्य जांच हुई है। मुख्यमंत्री ने पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि पेपर आउट से युवा परेशान थे। भाजपा की नई सरकार ने एसआईटी का गठन किया है। पेपर कमेटी बनाई गई जिसका असर रहा कि हाल ही में बिना किसी बाधा के पेपर हुए हैं। एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स का गठन कर गैंगस्टर पर लगाम लगाने का काम शुरू किया गया है। उन्होंने अन्नपूर्णा रसोई का जिक्र करते हुए कहा कि अब इस योजना में मोटे अनाज को शामिल कर 450 की बजाय 600 ग्राम भोजन देना शुरू किया गया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने इस योजना का न केवल नाम बदला, बल्कि न्यूनतम भुगतान के प्रावधान से धांधली का रस्ता भी खोल दिया। उन्होंने कांग्रेस समर्थकों से कहा कि इंदिरा, राजीव, सोनिया के नाम से आगे कांग्रेस को कुछ नहीं सूझता, उन्होंने कांग्रेस समर्थकों से कहा कि वे एक परिवार को खुश करना बंद करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि भ्रष्टाचार को किसी कीमत पर सहन नहीं किया जाएगा। पूर्ववर्ती सरकार के फैसलों की जांच होगी, भ्रष्टाचार मिला तो सजा मिलेगी। उन्होंने आमजन से अपने पड़ोस में जरूरतमंद पात्र लोगों की जानकारी कर उन्हे योजनाओं का लाभ पहुंचाने में मदद करने का आह्वान किया। इससे पूर्व, मुख्यमंत्री का उदयपुर पहुंचने पर जनजाति मंत्री बाबूलाल खराड़ी, सांसद अर्जुन लाल मीणा, विधायक फूलसिंह मीणा, विधायक ताराचंद जैन, विधायक उदयलाल डांगी आदि ने स्वागत किया।

लोकसभा चुनाव में भी 25 सीटों पर जीत दर्ज कराएंगे : विश्नोई

जोधपुर (हिंस)। उद्योग एवं वाणिज्य, युवा मामले एवं खेल, कौशल, नियोजन, उद्यमिता एवं नीति निर्धारण विभाग के राज्यमंत्री केके विश्नोई ने अपने जोधपुर प्रवास पर कहा कि 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव में एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में प्रदेश के अंदर 25 के 25 सीटे जीतेंगे। उन्होंने पुन: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने का दावा किया है। विश्नोई ने कहा कि पिछले दो चुनावो में भी जनता ने जिस तरह से पूर्ण बहुमत के साथ केंद्र में भाजपा की सरकार बनाई है उसी तरह इस बार फिर यही जनता का पूरा मूड है कि पिछली बार से भी ज्यादा उत्साह के साथ केंद्र में भाजपा की सरकार बनाकर नरेंद्र मोदी को एक बार फिर से प्रधानमंत्री बनाना है। उन्होंने केंद्र सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के बारे में कहा कि योजनाएं जनता तक पहुंचे ताकि वे अधिकाधिक लाभ ले सके। हैंडीक्राफ्ट उद्योग पर मंदी की मार बताते कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के कारण इसकी मंदी दिखाई नहीं दे रही, सबकुछ सुचारू ढंग से चल रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार को बने अभी एक महिना ही हुआ है।

भारत जोड़ो न्याय यात्रा चौदह जनवरी से : सचिन पायलट

जयपुर/दौसा (हिंस)। पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने दौसा में पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा की राहुल गांधी चौदह जनवरी से भारत जोड़ो न्याय यात्रा शुरू कर रहे हैं। यह यात्रा मणिपुर से शुरू होगी। इस यात्रा से आमजन को जुड़ने का मौका मिलेगा। पायलट ने कहा कि मणिपुर वह क्षेत्र है। जहां केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री ध्यान नहीं दे रहे है। लंबे समय से वहां अत्याचार हो रहा है लोग परेशान हैं। इस माहौल में राहुल गांधी वहां से यात्रा शुरू कर रहे हैं। हम सब लोग इस यात्रा में जाएंगे और यात्रा का शुभारंभ करेंगे। इस यात्रा से देश के अंदर जो हकीकत उसको देखने का समझने का और लोगों की बात सुनकर न्याय दिलाने की मुहिम राहुल गांधी ने शुरू की है उसको पूरा करेंगे। अभी अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने कुछ बदलाव किए हैं। उन्हें भी एक प्रदेश की जिम्मेदारी दी है वहां वह पूरी मेहनत से काम करेंगे। वह तीनों राज्यों में चाहे चुनाव हार गए हो। लेकिन हमारा वोट प्रतिशत घटा नहीं है। लोग आज कांग्रेस से उम्मीद करते हैं।

अंत्योदय परिवारों के लिए वरदान साबित हो रही दयालु योजना : ओम प्रकाश

नारनौल (हिंस)। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ओम प्रकाश यादव ने कहा कि हरियाणा सरकार द्वारा अंत्योदय परिवारों को सामाजिक.वित्तीय सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से शुरू की गई दयालु योजना वरदान साबित हो रही है। दयालु योजना के तहत पीपीपी सत्यापित आंकड़ों के आधार पर 1.80 लाख रुपए तक की वार्षिक आय वाले परिवार के सदस्य की मृत्यु या विकलांगता (70 प्रतिशत से अधिक) के मामले में सहायता प्रदान की जाती है। ओम प्रकाश यादव मंगलवार को विकसित भारत जन संवाद संकल्प यात्रा के दौरान सिहमा खंड के मित्रपुरा, अकबरपुर रामू व फैजाबाद गांव में ग्रामीणों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हरियाणा प्रदेश में वर्तमान सरकार में आम आदमी के कार्य आसानी से हो रहे हैं। सरकार ने आधुनिक तकनीक का प्रयोग करते हुए व्यवस्था परिवर्तन का काम किया है। इसी उद्देश्य से सरकार हर गांव व हर व्यक्ति तक पहुंच कर सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के साथ जोड़ा जा रहा है। पूर्व डिप्टी स्पीकर संतोष यादव ने उनींदा में ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत सरकार व हरियाणा सरकार द्वारा विकसित भारत जन संवाद संकल्प यात्रा प्रत्येक गांव में जा रही है। इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य गरीब से गरीब व्यक्ति को सरकार की योजनाओं का लाभ देना है। उन्होंने कहा कि सरकार महिलाओं को धुंआ रहित गैस रसोई के लिए निशुल्क गैस कनेक्शन दे रही है।

रंगला पंजाब बनाने के लिए संजीदा प्रयास कर रही सरकार : मान

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने मंगलवार को पंजाब राज्य सहकारी बैंक में नए भर्ती हुए 520 क्लर्कों - कम-डेटा एंट्री ऑपरेटरों को नियुक्ति पत्र सौंपे। चंडीगढ़ में नियुक्ति पत्र सौंपने के बाद नौजवानों से मुख्यमंत्री ने कहा कि आज का यह नियुक्तिपत्र वितरण समारोह उनकी सरकार का पहला समारोह नहीं है, क्योंकि राज्य सरकार अब तक ऐसे कई समारोह करके 40 हजार से अधिक नौजवानों को सरकारी नौकरियों के लिए नियुक्ति पत्र बांट चुकी है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पंजाब की पुरातन शान बहाल करके फिर *रंगला पंजाब* बनाने के लिए संजीदा प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री मान ने कहा कि राज्य के लगभग हरेक दूसरे गांव को महान गुरु साहिबान की चरण

स्पर्श प्राप्त हैं और पंजाब की धरती ने बहादुर पुत्र पैदा किए हैं, जिन्होंने अपने मुल्क की ख़ातिर अपना जीवन कुर्बान कर दिया। भगवंत सिंह मान ने कहा कि पंजाबियों के इस जज़्बे का लाभ राज्य की तरक्की और खुशहाली के लिए भी उठाया जा सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बहादुर और समर्पित भावना वाले पंजाबियों ने देश को ब्रिटिश हुकूमत की गुलामी से मुक्त करवाने के लिए बेमिसाल बलिदान दिए हैं। उन्होंने कहा कि बदकिस्मति से उनसे पहले मुख्यमंत्रियों को कभी भी राज्य की चिंता नहीं होती थी, बल्कि उनको अपने निजी हितों का फिक्र अधिक होता था। भगवंत सिंह मान ने कहा कि हरेक मुद्दे को लेकर राज्य द्वारा नकार दिए गए राजनीतिक नेता उनकी रोज निंदा कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब ने एक निजी कंपनी जीवीके पावर की मल्कीयत वाला गोइन्दवाल पावर प्लांट 1080 करोड़ रुपए की लागत के साथ खरीद कर इतिहास रचा है। उन्होंने कहा कि अब पहली बार उल्टा रुझान शुरू हुआ है कि सरकार ने कोई प्राइवेट पावर प्लांट खरीदा है, जबकि पहले राज्य सरकारें सरकारी जायदादें पसंदीदा व्यक्तियों को *कौड़ी* के भाव बेचती थी। भगवंत सिंह मान ने कहा कि पछवाड़ा कोयला खदान से निकलने वाले कोयले का प्रयोग सरकारी पावर प्लांटों के लिए ही किया जा सकता है, जिस कारण इस पावर प्लांट की खरीद से इस कोयले का प्रयोग राज्य के हरेक सेक्टर के लिए बिजली पैदा करने के लिए किया जा सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब अस्पतालों और स्कूलों में मुकम्मल तौर पर बदलाव देखने को मिल रहा है और आम आदमी की भलाई के लिए नए मेडिकल कॉलेज बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह फैसले उन लोगों द्वारा ही लिए जा रहे हैं जो ज़मीनी स्तर पर लोगों की समस्याओं से अवगत हैं। भगवंत सिंह मान ने कहा कि रिवायती राजनीतिक पार्टियों ने राज्य को बर्बाद कर दिया है और अब वह निर्लज होकर नैतिकता की बातें कर रही हैं।

कठुआ में वंदे भारत ट्रेन ना रुकने के विरोध में केंद्रीय मंत्री के खिलाफ कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

कठुआ (हिंस)। कांग्रेस पार्टी कठुआ इकाई ने कठुआ रेलवे स्टेशन पर वंदे भारत ट्रेन ना रुकने के विरोध में केंद्रीय मंत्री डॉ जितेंद्र सिंह के खिलाफ रेलवे स्टेशन कठुआ का घेराव कर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों का नेतृत्व कर रहे कांग्रेस पार्टी के जिला अध्यक्ष पंकज डोगरा सहित अन्य कार्याकताओं ने कहा कि केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह पिछले दस सालों से कठुआ की आवाम के साथ झूठ बोल रहे हैं। उन्होंने कहा कि बीते 30 दिसंबर से कठुआ में वंदे भारत का स्टाप होने की घोषणा की थी और रेलवे स्टेशन पर एक विशाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। केंद्रीय मंत्री 30 दिसंबर को वंदे भारत ट्रेन में बैठकर कठुआ पहुंचे थे और आवाम को बड़े-बड़े सपने दिखाए थे। वहीं स्थानीय लोगों ने भी उनका जोरदार स्वागत किया था। लेकिन 30 दिसंबर को मात्र 2 मिनट के लिए वंदे भारत जरूर रुकी लेकिन उसके बाद आज 10 दिन से कोई भी वंदे भारत ट्रेन कठुआ स्टेशन पर नहीं रुकी। उन्होंने कहा कि जितेंद्र सिंह पिछले 10 सालों में कठुआ की जनता के साथ झूठ पर झूठ बोले जा रहे हैं, लोकतंत्र की हत्या कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हीरानगर में इंटरनेशनल स्टेडियम की बात की थी लेकिन आज तक कोई भी इंटरनेशनल स्टेडियम हीरानगर में नहीं बनाया गया, लोगेट मोड के समीप हाईवे विलेज की घोषणा की थी लेकिन मात्र उद्घाटन किया गया जबकि जमीनी स्तर पर कोई भी कार्य नहीं हुआ। महंगाई, रोजगार, दस दस लाख, जुथाना पुल, भारत संकल्प यात्रा जैसे कई झूठ बोलकर कठुआ की आवाम को बेवकूफ बनाया जा रहा है जिसे कांग्रेस पार्टी कदापि बर्दाशत नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि कांगेस पार्टी कार्यकर्ता शांतिपूर्वक ढंग से प्रदर्शन कर रही हैं लेकिन पुलिस ने चारों तरफ से कंटीली तारे लगाकर उनके प्रदर्शन को विफल करने का प्रयास किया है लेकिन आगामी 3 महीने के बाद जब लोकसभा के चुनाव होंगे उस वक्त बीजेपी सरकार को बाहर का रास्ता दिखाया जाएगा। इस अवसर पर कांग्रेस पाटी के अन्य विरष्ठ नेताओं में पवन शर्मा, नरेंद्र खजुरिया, योगराज, रविंद्र सिंह, विशु अंडोत्रा, राजेश कुमार, बलबीर सिंह, राजकुमार सहित अन्य मौजूद रहे।

पीएम नरेंद्र मोदी ने एक करोड़ महिलाओं को बनाया लखपति : कृष्णपाल गुर्जर

फरीदाबाद (हिंस)। केंद्रीय कृष्ण पाल गुर्जर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज देश की महिलाएं आत्मनिर्भर बनने की तरफ अग्रसर है। उन्होंने कहा कि उज्ज्वला योजना हो या अन्य योजनाएं प्रत्येक योजना महिलाओं को आगे बढ़ने का कार्य किया है। वे सोमवार को लघु सचिवालय में के विभिन्न गांव से आई स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को लगभग 45 लख रुपए की राशि के चेक वितरित कर रहे थे। केंद्रीय राज्य मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक करोड़ महिलाओं को लखपति बनाया है। वहीं ड्रोन दीदी बनने पर ड्रोन खरीदने पर 15000 महिलाओं को 80 प्रतिशत सब्सिडी मिलेगी। चौधरी कृष्ण पाल गुर्जर ने कहा कि आजादी के अमृत महोत्सव के बाद शुरू हुए अमृत काल में देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में और प्रदेश में मुख्यमंत्री मनोहर लाल के नेतृत्व राज्य सरकार ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के साथ उनके विकास पर विशेष जोर दे रही है। प्रदेशभर में हजारों की संख्या में स्वयं सहायता समूह बनाकर देश व प्रदेश के विकास में महिलाओं की भागीदारी तय की जा रही है। उन्होंने बताया कि फरीदाबाद जिला में 1200 स्वयं सहायता समूह से 12000 से अधिक महिलाएं जुड़ी हुई हैं। उन्होंने बताया कि यह सभी महिलाएं अलग-अलग कार्यों के जरिए अब स्वावलंबन की दिशा में लगातार आगे बढ़ रही हैं। सभी महिलाओं को बधाई देते हुए उन्होंने कहा कि वह लगातार आर्थिक रूप से सक्षम बने और अगर उन्हें किसी भी मदद की आवश्यकता है तो वह प्रशासन सरकार की तरफ से की जाएगी। केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में स्वच्छता अभियान के तहत 11 करोड़ गरीब परिवारों की महिलाओं के घरों में शौचालय बनाए गए हैं। वहीं उज्ज्वला योजना के तहत गरीब परिवारों की 11 करोड़ महिलाओं को फ्री में गैस सिलेंडर और चूल्हा दिया गया है। हर घर नल के जरिए 14 करोड़ महिलाओं को घरों में शुद्ध जल नल के जरिए दिया जा रहा है। वहीं देश में एक करोड़ महिलाओं के सहायता समूहों को साढे सात करोड़ रुपए की धनराशि बिना ब्याज के स्वयं रोजगार के लिए बाटी गई है।

बीकानेर में पहली बार होगा चार्टर्ड एकाउंटेंस विद्यार्थियों का दो दिवसीय सम्मेलन

बीकानेर (हिंस)। बीकानेर में 14-15 जनवरी को पहली बार चार्टर्ड एकाउंटेंस विद्यार्थियों का दो दिवसीय सम्मेलन मंथन- अध्ययन, विचार विकास का आयोजन किया जायेगा। इस सम्मेलन का उद्देश्य सीए समुदाय के ज्ञान, अनुभव ओर विचारों का आदान-प्रदान करना है, साथ ही पेशेवर विकास के अवसर प्रदान करना है। बीकानेर शाखा के अध्यक्ष सीए राहुल पचीसिया ने बताया कि यह सम्मेलन बीकानेर के सीए समुदाय के लिए एक गौरव का विषय है। इस सम्मेलन के माध्यम से हम पेशेवर उत्कृष्ठता को बढ़ावा देना चाहते है और आगामी सीए को प्रोत्साहित करना चाहते है। सीकासा अध्यक्ष सीए मुकेश शर्मा ने बताया कि मंथन सम्मेलन का आयोजन दि इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंस ऑफ इंण्डिया की बीकानेर ब्रांच द्धारा किया जा रहा है। सम्मेलन में देशभर के प्रख्यात सीए विषेषज्ञ, उद्योग जगत के दिग्गज और सरकारी अधिकारी भाग लेंगे। इसके अलावा सम्मेलन में सांस्कृतिक कार्यक्रम और नेटवर्किंग का भी अवसर मिलेगा। उन्होंने बताया कि हम उम्मीद करते है कि यह सम्मेलन ज्ञान का एक केंद्र बनेगा और पेशेवर विकास के लिए एक मंच प्रदान करेगा। केंद्रीय और क्षेत्रिय परिषद के सभी पदाधिकारी पूरे भारत से बीकानेर में एकत्र होंगे। बीकानेर के अलावा आसपास के शहरों के सीए छात्र भी इस सम्मेलन में भाग लेने के लिए उत्साहित है। माना जा रहा है कि मंथन सम्मेलन बीकानेर के सीए समुदाय के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा।

राष्ट्रपति ने पहलवान सुनील मलिक को अर्जुन अवार्ड से किया सम्मानित

सोनीपत (हिंस)। सोनीपत के गांव डबरपुर के पहलवान सुनील मलिक मंगलवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा सम्मानित किए जाने पर गांव में जश्न का माहौल है। वर्ष 2023 दिसंबर में उन्हें अवार्ड देने की घोषणा की गई थी। हरियाणा के जिला सोनीपत के खंड गन्नौर के गांव डबरपुर के पहलवान सुनील मलिक पैतृक गांव डबरपुर महिला व पुरुष खेल प्रेमियों ने जश्न मनाया। लड्डू बांटे हैं। सुनील की मां अनिता देवी ने सुनील पहलवान के भाई जतिन, नितिन मलिक, भाभी किरण, बहन डॉ. रेणू, मामा देवेंद्र, डबरपुर के सरपंच सुनील सीला, मेहर सिंह अखाड़ा रोहतक से कुश्ती के चीफ कोच रणबीर सिंह ढाका, नेवी के कोच कुश्ती कुलदीप, रवि कोच रोहतक, पहलवानों में कृष्णा पुरिया, डीएसपी जयभगवान, ओलंपियन हरदीप ढिल्लो, निडानी के सरपंच दिलीप सिंह सांपला से देवेंद्र व नरेंद्र सिंह ने पहलवान सुनील मलिक की सफलता पर कहा है कि यह उसने अपने पिता के सपने को साकार किया है। पहलवान सुनील मलिक चीन के हांगझोऊ में हुए एशियन गेम्स में 87 किलोग्राम भारवर्ग में देश का प्रतिनिधित्व करते हुए कांस्य पदक जीता था। सुनील पहलवान के भाई जतिन, नितिन मलिक, भाभी किरण, बहन डॉ. रेणू, मामा देवेंद्र, डबरपुर के सरपंच सुनील सीला के साथ भारी संख्या में खेल प्रेमियों खुशी मनाई है। सुनील के चीफ कोच रणबीर सिंह ढाका ने बताया कि सुनील का पदक ग्रीको रोमण में देश के लिए बहुत महत्वपूर्ण रहा आने वाले समय सुनील स्वर्ण पदक लाने में सक्षम है। यह पदक भी 13 साल के बाद भारत को ग्रीको रोमन सुनील के द्वारा मिला था। गांव डबरपुर में सुनील पहले पहलवान हैं जो लगातार पदक लेकर आ रहे हैं।

केंद्र सरकार से खारिज झांकियों को पंजाब में घुमाएगी मान सरकार

चंडीगढ़ (हिंस)। गणतंत्र दिवस की परेड के लिए केंद्र सरकार की ओर से पंजाब की झांकी को रद्द किए जाने पर शुरू हुआ विवाद लगातार गहराता जा रहा है। पंजाब सरकार ने केंद्र सरकार के प्रति रोष व्यक्त कर खारिज हुई झांकियों को प्रदेश के सभी विधानसभा क्षेत्रों में घुमाने का फैसला किया है। दरअसल, पंजाब सरकार ने नई दिल्ली की गणतंत्र दिवस की परेड के लिए तीन झांकियां तैयारी की थीं। इनमें पंजाब के शहीदों व कुर्बानियों की गाथा, नारी शक्ति माई भागो की झांकी व पंजाब के अमीर सभ्याचार से जुड़ी झांकी शामिल थी। इन तीनों झांकियों को केंद्र सरकार ने रद्द कर दिया। अब पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने यह फैसला लिया है। पंजाब सरकार इन झांकियों को राज्य की सभी विधानसभा क्षेत्रों में घुमाएगी। मान के अनुसार पहले चरण में नौ झांकियां तैयार करवाई जा रही हैं। अगले चरण में इनकी संख्या में बढ़ोतरी की जाएगी।

शहरों की तर्ज पर करवाया जा रहा गांवों का विकास : दुष्यंत चौटाला

गांव पिरथला में उपमुख्यमंत्री ने 174 करोड़ रुपए की परियोजनाओं के किए उद्घाटन और शिलान्यास

फतेहाबाद (हिंस)। हरियाणा के उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने कहा है कि प्रदेश सरकार एक मजबूत व्यवस्था बनाकर गांवों का शहरों की तर्ज पर विकास करवा रही है। गांवों के आधारभूत ढांचे के विकास के लिए अनेक परियोजनाए लागू की है। प्रदेश के 108 गांवों में सीवरेज प्रणाली विकसित की जा रही है और गांवों में एसटीपी का निर्माण किया जा रहा है। उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला मंगलवार को टोहाना विधानसभा क्षेत्र के गांव पिरथला में जजपा के प्रदेश प्रवक्ता जतिन खिलेरी के दादा स्व. ओमप्रकाश खिलेरी की प्रथम पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री ने डिजिटल लाइब्रेरी का उद्घाटन भी किया। उपमुख्यमंत्री ने टोहाना विधानसभा क्षेत्र के 174 करोड़ 61 लाख रुपए की विकास परियोजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास भी किए।

जनसभा को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने कहा कि प्रदेश की गठबंधन सरकार ने एक नई व्यवस्था बनाकर हर क्षेत्र में काम को आगे बढ़ाया है। प्रदेश में 11 एक्सप्रेस हाइवे बनाये जा रहे हैं। डबवाली से पानीपत तक बनने वाले हाईवे का काम जल्द शुरू होगा, उसका टोहाना विधानसभा क्षेत्र को भी लाभ होगा। 35 नेशनल हाइवे पर काम चल रहा है। सड़कों का जाल बिछाकर कनेक्टिविटी को मजबूत किया गया हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने हर विधानसभा क्षेत्र के विधायक को 25-25 करोड़ रुपए मंजूर करके क्षेत्र के सड़कों के विकास कार्य कराये हैं। उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने कहा कि हरियाणा में बीपीएल का दायरा बढ़ा है। देश में 1.20 लाख सालाना आय वालों को बीपीएल की श्रेणी में रखा गया है जबकि हरियाणा में जिसकी आय 1.80 लाख रुपए सालाना है उन्हें बीपीएल की योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। पंचायत मंत्री देवेंद्र सिंह बबली ने कहा कि गठबंधन की सरकार लोगों के हित में काम कर रही है। गली-नाली के विकास से आगे गांवों में 9 सूत्री कार्यक्रम पर काम किया जा रहा है। इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष सुरेंद्र लेगा, जिला अध्यक्ष रवींद्र बेनीवाल, कुलजीत कुलडिया, पंकज झाझड़ा, अजय संधु, जतिन खिलेरी, सुभाष गोरछिया,कार्यकारी अभियंता केसी कंबोज, डीएफएससी विनीत जैन, कैलाशो देवी, रवि लांबा , संदीप समैन, महेंद्र जांडली, बीपीडीओ हुकमचंद कौशिक सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और अधिकारी मौजूद रहे।

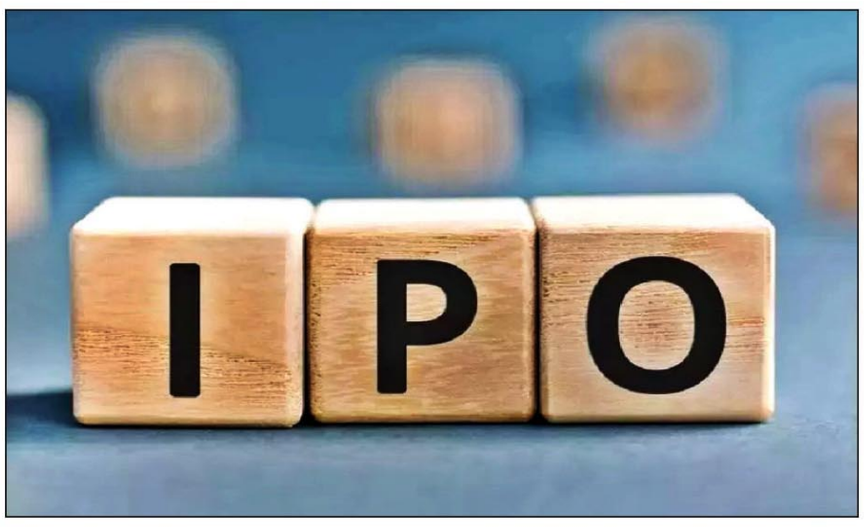

आईबीएल फाइनेंस आईपीओ और ज्योति सीएनसी ऑटोमेशन का खुला आईपीओ, निवेशकों से मिल रहा है जबरदस्त रिस्पांस

नई दिल्ली।
बाजार में आईबीएल फाइनेंस आईपीओ और ज्योति सीएनसी ऑटोमेशन का आईपीओ खुला है। अगल हफ्ते इन दोनों कंपनी के शेयर बाजार में लिस्ट होंगे। इन दोनों कंपनियों को निवेशकों से काफी अच्छा रिस्पांस मिल रहा है।

आईबीएल फाइनेंस आईपीओ

आईबीएल फाइनेंस आईपीओ निवेशकों के लिए खुल गया है। कंपनी के आईपीओ को रिटेल निवेशक काफी पसंद कर रहे हैं। आज कंपनी का आईपीओ अभी तक 2.71 गुना सब्सक्राइब हो गया है। कंपनी को कुल 1.59 करोड़ शेयरों के लिए बोलियां मिली है। यह आईपीओ 11 जनवरी 2024 को बंद हो जाएगा। कंपनी इस आईपीओ के जरिये 33.41 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बना रहे हैं। इस आईपीओ का प्राइस बैंड 51 रुपये प्रति शेयर है। कंपनी के आईपीओ का लॉट साइज 2,000 है। इसका मतलब है कि निवेशक को कम से कम 2,000 रुपये के शेयर खरीदने होंगे। कंपनी इस आईपीओ से जुटाए राशि का इस्तेमाल कैपिटल बेस को बढ़ाने और सामान्य कॉरपोरेट उद्देश्यों को पूरा करने के लिए करेगी। कंपनी के शेयर 16 जनवरी 2024 को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट होंगे।

ज्योति सीएनसी ऑटोमेशन

ज्योति सीएनली ऑटोमेशन का आईपीओ निवेशकों के लिए खुल गया। कंपनी के आईपीओ पर रिटेल निवेशक जमकर बोलियां लगा रहे हैं। यह आईपीओ 11 जनवरी 2024 को बंद हओ जाएगा। कंपनी का आईपीओ खुलने के चंद घंटों के बाद ही पूरी तरह से सब्सक्राइब हो गया है कंपनी को 2,58,91,875 शेयरों के लिए बोलियां मिली है। 2 बजे तक एनएसई पर कंपनी का आईपीओ 1.48 गुना सब्सक्राइब हो गया था। इस आईपीओ का प्राइस बैंड 315 रुपये से 331 रुपया है। ज्योति सीएनसी ऑटोमेशन कंप्यूटर न्यूमेरिकल कंट्रोल मशीनों की मैन्युफैक्चरिंग करती है। इसके ग्राहकों में इसरो, ब्रह्मोस एयरोस्पेस तिरुवनंतपुरम लिमिटेड, टर्किश एयरोस्पेस, एमबीडीए, यूनिपार्ट्स इंडिया, टाटा एडवांस्ड सिस्टम, टाटा सिकोरस्की एयरोस्पेस, भारत फोर्ज, कल्याणी टेक्नोफोर्ज और बॉश लिमिटेड शामिल हैं।

न्यूज ब्रीफ

सब्जियों के घटे दाम, प्याज-टमाटर की कीमतें घटने से थालियां 5 फीसदी तक सस्ती

मुंबई। प्याज व टमाटर की कीमतें घटने से दिसंबर, 2023 में आम आदमी की थालियां 5 फीसदी तक सस्ती हुई हैं। क्रिसिल मार्केट इंटेलिजेंस एंड एनालिटिक्स रिसर्च की जारी 'राइस रोटी रेट' रिपोर्ट के मुताबिक, घर में बनी शाकाहारी थाली की लागत पिछले महीने 3 फीसदी तक घटी है। मांसाहारी थाली की कीमत में 5 फीसदी की गिरावट आई है। रिपोर्ट के मुताबिक, त्योहारी सीजन के बाद घर की रसोई में इस्तेमाल होने वाली सब्जियों की कीमतें घटी हैं।मासिक आधार पर दिसंबर में प्याज के दाम 14 फीसदी घटे हैं, जबकि टमाटर में 3 फीसदी गिरावट आई है। रिपोर्ट के मुताबिक, ब्रॉयलर की कीमत मासिक आधार पर 5-7 फीसदी घटी है। इससे मांसाहारी थाली की लागत अधिक तेजी से घटी है। मांसाहारी थाली की लागत में ब्रॉयलर की हिस्सेदारी 50 फीसदी होती है। थाली तैयार करने की औसत लागत की गणना उत्तर, दक्षिण, पूर्व व पश्चिम भारत में थाली की कीमतों के आधार पर होती है। इससे पता चलता है कि थाली की कीमत में बदलाव अनाज, दाल, ब्रॉयलर, सब्जियां, मसाले, खाद्य तेल व रसोई गैस के दाम के आधार पर आता है। रिपोर्ट के मुताबिक, शाकाहारी थाली की कीमत सालाना आधार पर 12 फीसदी बढ़ी है। हालांकि, मांसाहारी थाली की लागत में चार फीसदी की गिरावट आई है। शाकाहारी थाली महंगी होने की वजह प्याज व टमाटर की कीमतों में क्रमशः 82 फीसदी व 42 फीसदी की वृद्धि है।

सोने की कीमत बढ़ी, चांदी के फिसले भाव, सोने के वायदा भाव 62,250 और चांदी के लगभग 72,400 रुपए

नई दिल्ली। सप्ताह के पहले दिन सुस्त शुरुआत के बाद दूसरे दिन सोने और चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। दोनों के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। हालांकि चांदी के वायदा भाव में बाद में सुस्ती देखी जाने लगी। सोने के वायदा भाव 62,250 रुपये और चांदी के वायदा भाव 72,400 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। वैश्विक बाजार में सोने और चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क फरवरी कॉन्ट्रेक्ट 54 रुपये की तेजी के साथ 62,149 रुपये के भाव पर खुला और 157 रुपये की तेजी के साथ 62,252 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 62,282 रुपये के भाव पर दिन का उच्च स्तर और 62,149 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। पिछले साल दिसंबर महीने में सोने के वायदा भाव ने 64,063 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर छुआ था। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मार्च कॉन्ट्रेक्ट 169 रुपये की तेजी के साथ 72,596 रुपये के भाव पर खुला और 30 रुपये की गिरावट के साथ 72,397 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 72,597 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 72,387 रुपये प्रति किलो के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया।

उद्धव गुट के विधायक और सहयोगियों के ठिकाने पर ईडी की छापेमारी, सात जगहों पर हो रही कार्रवाई

नई दिल्ली। मुंबई के जोगेश्वरी में एक होटल के निर्माण के मामले में उद्धव गुट के नेता और विधायक रवींद्र वायकर और उनके सहयोगियों से संबंधित 7 स्थानों पर ईडी के छापे चल रहे हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शहर के जोगेश्वरी इलाके में एक लग्जरी होटल के निर्माण में कथित अनियमितताओं से जुड़े धनशोधन के एक मामले में शिवसेना (यूबीटी) के विधायक रवींद्र वायकर और उनसे जुड़ी कुछ इकाइयों के परिसरों पर छापेमारी की। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार एजेंसी मुंबई में करीब सात स्थानों पर छापेमारी कर रही है। सूत्रों ने बताया कि इनमें वायकर और उसके कुछ सहयोगियों तथा अन्य के परिसर भी शामिल हैं। वायकर (64) उद्धव बालासाहेब ठाकरे गुट से शिवसेना के विधायक हैं और महाराष्ट्र विधानसभा में जोगेश्वरी पूर्व निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं।

भारत-मालदीव विवाद से लक्षद्वीप से जुड़ी कंपनी को फायदा

प्रवेग का शेयर 20 प्रतिशत चढ़ा, लक्षद्वीप के लिए सर्च 3,400 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली।
भारत और मालदीव के बीच चल रहे विवाद का फायदा लक्षद्वीप से जुड़े स्टॉक प्रवेग में देखने को मिल रहा है। टूरिस्ट प्लेस में लग्जरी रिसॉर्ट चलाने वाली कंपनी प्रवेग के शेयर ने 8 जनवरी को 20 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,037.50 के स्तर पर 52 वीक का हाई बनाया। हालांकि, दिनभर कारोबार के बाद शेयर थोड़ा नीचे आया और 17.51 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,015.95 के स्तर पर बंद हुआ।

इसी बीच ट्रैवल कंपनी मेक माय ट्रिप ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दौरे के बाद उनके प्लेटफार्म पर लक्षद्वीप के बारे में सर्च 3400 प्रतिशत बढ़ गई है। इसी को देखते हुए मेक माय ट्रिप ने बीचेस ऑफ इंडिया कैंपेन शुरू किया। वहीं, मालदीव की सभी फ्लाइट्स बुकिंग सस्पेंड कर दी है।

पिछले महीने प्रवेग को मिला था अगत्ती आइलैंड के डेवलपमेंट, मेंटेनेंस और मैनेजमेंट का काम

कच्छ के रण जैसे टूरिस्ट प्लेस में लग्जरी रिसॉर्ट चलाने वाली कंपनी प्रवेग को पिछले महीने सरकार ने लक्षद्वीप के अगत्ती आइलैंड में 50 से अधिक टैंट के डेवलपमेंट, मेंटेनेंस और मैनेजमेंट का काम दिया था। प्रवेग लक्षद्वीप के रिसॉर्ट्स के मेंटेनेंस, स्कूबा डाइविंग, डेस्टिनेशन वेडिंग, कॉर्पोरेट फंक्शन जैसे अन्य बिजनेस एक्टिविटीज की पेशकश करेगी। प्रवेग को तीन साल के लिए लक्षद्वीप का काम दिया गया है, जिसे 2 साल तक बढ़ाया जा सकता है।

मालदीव की सभी फ्लाइट्स बुकिंग सस्पेंड कीं

मालदीव की सभी फ्लाइट्स बुकिंग सस्पेंड कर दी। को-फाउंडर निशांत पिट्टी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर यह जानकारी दी। निशांत पिट्टी ने कहा, पीएम मोदी की लक्षद्वीप यात्रा पर मालदीव के सांसद की पोस्ट पर विवाद के बीच, हमने फैसला किया है कि हम मालदीव के लिए कोई बुकिंग एक्सेप्ट नहीं करेंगे।

हमारे देश से 3 लाख लोग हर साल मालदीव जाते

थे, अब वह यह फैसिलिटी अवेल नहीं कर पाएंगे। निशांत ने यह भी कहा कि लक्षद्वीप में टूरिस्ट को बढ़ावा देने के लिए हमने अपने प्लेटफार्म पर 5 नए पैकेज भी शुरू किए हैं। शेयर में भी 4.71 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली, जो स्टॉक एक्सचेंज में इजी ट्रिप प्लानर्स लिमिटेड के नाम से लिस्ट है।

कैसे शुरू हुआ विवाद

पीएम मोदी ने 4 जनवरी को लक्षद्वीप दौरे का एक वीडियो शेयर किया था। इसमें खूबसूरती के लिहाज से लक्षद्वीप अब मालदीव को टक्कर देता नजर आया। इसके बाद सोशल मीडिया पर लोग कहने लगे कि लाखों रुपए खर्च कर मालदीव जाने से बेहतर है कि लक्षद्वीप जाएं। इससे मालदीव के मंत्री और नेता नाराज नजर आए। उनके आपत्तिजनक पोस्ट के बाद सोशल मीडिया पर भारतीयों और मालदीव के नागरिकों के बीच जंग छिड़ गई। लोग मालदीव का जमकर विरोध करने लगे। लोगों का कहना है कि पीएम मोदी के लक्षद्वीप दौरे से मालदीव के टूरिज्म को तगड़ा झटका जरूर लगने वाला है।

मालदीव की मंत्री ने पीएम मोदी को आपत्तिजनक शब्द कहे

मंत्री मरियम शिउना ने सोशल मीडिया पर पोस्ट में पीएम मोदी के लिए आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया। वहीं, नेता जाहिद रमीज लिखा कि भारत सर्विस के मामले में हमारा मुकाबला नहीं कर सकता। मरियम यूथ एम्पावरमेंट, इन्फॉर्मेशन एंड आर्ट की डिप्टी मिनिस्टर थीं।

उनकी इस पोस्ट पर मालदीव के पूर्व राष्ट्रपति मोहम्मद नशीद ने कहा- शिउना ने गलत शब्द कहे हैं। ये बात मालदीव की सुरक्षा और समृद्धि को खतरे में डाल सकती है। राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू की सरकार को ऐसी टिप्पणियों से दूरी बनानी चाहिए।

मालदीव के नेता ने लिखा- वहां सफाई नहीं, कमरों से बदबू आती है

सोशल मीडिया पर एक यूजर ने पीएम मोदी का लक्षद्वीप वाला वीडियो शेयर करते हुए लिखा- बढ़िया कदम है! यह मालदीव की नई सरकार के लिए एक बड़ा झटका है, जो चीन की कठपुतली है। इस दौरे के बाद लक्षद्वीप में पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा।

इसके जवाब में पीपीएम के नेता जाहिद रमीज ने लिखा- बेशक यह अच्छा कदम है, लेकिन भारत कभी हमारी बराबरी नहीं कर सकता। मालदीव पर्यटकों को जो सर्विस देता है, वो भारत कैसे देगा। वो इतनी सफाई कैसे रख पाएंगे, जितनी हम रखते हैं। उनके कमरों में आने वाली बदबू टूरिस्टों के लिए सबसे बड़ी दिक्कत होगी।

लक्षद्वीप तक कैसे पहुंचें

लक्षद्वीप तक कोच्चि से ऑपरेट होने वाले शिप्स और फ्लाइट्स से पहुंचा जा सकता है। यहां पहुंचने के लिए अगत्ती आइलैंड में एयर स्ट्रिप है। अगत्ती से अक्टूबर से मई के दौरान कवरत्ती और कदमत के लिए नावें उपलब्ध रहती हैं। मानसून के मौसम में अगत्ती से कवरत्ती तक हेलीकॉप्टर उपलब्ध रहता है। कोच्चि से अगत्ती तक की उड़ान में लगभग एक घंटा तीस मिनट का समय लगता है।

सात पैसेंजर शिप - एमवी कवरत्ती, एमवी अरेबियन सी, एमवी लक्षद्वीप सागर, एमवी लैगून, एमवी कोरल, एमवी अमीनदीवी और एमवी मिनिकॉय कोचीन और लक्षद्वीप आइलैंड के बीच संचालित होते हैं। यात्रा के लिए चुने गए आइलैंड के आधार पर यात्रा में 14 से 18 घंटे लगते हैं। फेयर सीजन के दौरान, द्वीपों के बीच हाई स्पीड शिप्स चलते हैं।

इंडिगो की फ्लाइट से यात्रा करना हुआ महंगा

फ्रंट-विंडो सीट के लिए देने होंगे 2000 रुपये, एयरलाइन ने तय किए सीटों के दाम

नई दिल्ली।
पलाइट में मनचाही सीट लेने के लिए अतिरिक्त शुल्क देना होता है। ऐसे में सभी एयरलाइन यात्रियों से अलग-अलग चार्ज लेता है। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो ने सीट चार्ज को रिवाइज कर दिया है। आपको बता दें कि इंडिगो एयरलाइन को खरीद लिया है। यह फैसला फ्यूल सरचार्ज के कुछ दिनों के बाद लिया गया है।

अगर कोई यात्री फ्लाइट की पहली पंक्ति की पहली सीट लेना चाहते हैं तो उन्हें 2,000 रुपये का भुगतान करना होगा। 4 जनवरी 2024 को इंडिगो ने फ्यूल सरचार्ज को वापस लेने का फैसला लिया था। अब इस फैसले के कुछ दिनों के बाद एयरलाइन ने अपनी सीट चार्ज को रिवाइज कर दिया है।

इंडिगो की अधिकारिक वेबसाइट के अनुसार ए321 फ्लाइट की पहली पंक्ति या फिर गलियारे की सीट को चुनने पर यात्री 2,000 रुपये के चार्ज देना होगा। वहीं, मिडिल सीट के लिए यात्री को 1,500 रुपये का भुगतान देना होगा। इसी प्रकार दूसरी और तीसरी लाइन के लिए यात्री को 400 रुपये का भुगतान देना होगा।

इसके अलावा 232 सीटों वाले ए321 फ्लाइट और 180 सीट वाले ए320 फ्लाइट के लिए लगने वालेचार्ज में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

इंडिगो ने 4 जनवरी को फ्यूल चार्ज को हटाने का फैसला लिया गया है। एयरलाइन ने पिछले साल अक्टूबर 2023 की शुरुआत में फ्यूल चार्ज पेश किया था। पिछले साल अक्टूबर में एटीएफ की कीमतों में आई तेजी के बाद एयरलाइन ने यह फैसला लिया था। एयरलाइन ने घरेलू और इंटरनेशनल फ्लाइट के फ्यूल चार्ज को हटा दिया है।

ईडी ने पहली चार्जशीट दाखिल की

बिहार की पूर्व सीएम राबड़ी देवी और सांसद मीसा भारती का नाम

नई दिल्ली।
प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रेलवे की नौकरियों के बदले जमीन से जुड़े धनशोधन मामले में अपना पहला आरोपपत्र दायर किया जिसमें बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी और उनकी सांसद बेटी मीसा भारती का नाम है। अभियोजन शिकायत (आरोपपत्र) में राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव के परिवार के कथित करीबी सहयोगी अमित कत्याल, कुछ अन्य व्यक्तियों और कंपनियों के नाम भी शामिल हैं। सूत्रों ने बताया कि दिल्ली में धन शोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) की विशेष अदालत के समक्ष आरोपपत्र दायर किया गया और अदालत ने मामले की सुनवाई के लिए 16 जनवरी की तारीख तय की है। ईडी ने कत्याल को पिछले साल नवंबर में इस मामले में गिरफ्तार किया था, जबकि लालू प्रसाद यादव और उनके बेटे और बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव को एजेंसी ने तलब किया था, लेकिन वे अभी तक पेश नहीं हुए हैं। यह कथित घोटाला उस समय का है जब प्रसाद संप्रग-1 सरकार में रेल मंत्री थे।

आरोप है कि 2004 से 2009 तक भारतीय रेलवे के विभिन्न जोनों में ग्रुप डी के पदों पर कई लोगों को नियुक्त किया गया और बदले में इन लोगों ने अपनी जमीन तत्कालीन रेल मंत्री प्रसाद के परिवार के सदस्यों और एके इन्फोसिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड नाम की एक कंपनी को हस्तांतरित कर दी थी।

पीएमएलए की आपराधिक धाराओं के तहत दर्ज धनशोधन का मामला केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की ओर से दर्ज शिकायत से उपजा है। सीबीआई इस मामले में पहले भी आरोपपत्र दाखिल कर चुकी है।

सोनी के विलय रद्द करने की योजना की रिपोर्ट के बाद जी एंटरटेनमेंट के शेयरों में 8 प्रतिशत की गिरावट

नई दिल्ली।
सोनी के प्रस्तावित विलय को रद्द करने की योजना की रिपोर्ट के बाद जी एंटरटेनमेंट के शेयरों में 8 प्रतिशत की गिरावट आई। बीएसई पर जी एंटरटेनमेंट के शेयर 8.3 फीसदी की गिरावट के साथ 254 रुपये पर कारोबार कर रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सोनी इंडिया जी एंटरटेनमेंट के साथ विलय खत्म करने के करीब है। इन रिपोर्टों के अनुसार, सोनी 20 जनवरी तक टर्मिनेशन नोटिस जारी कर सकती है और अब विलय वाली कंपनी का नेतृत्व कौन करेगा, यह निर्णय विवादास्पद मुद्दा है।

एमके ग्लोबल फाइनेंशियल सर्विसेज ने एक रिपोर्ट में कहा कि सभी आवश्यक विनियामक अनुमोदन प्राप्त करने के बाद, यह ब्रेकडाउन सोनी और जी दोनों के लिए एक झटका हो सकता है, दोनों ने पिछले वर्ष की तुलना में कम वृद्धि दर्ज की है। सभी आवश्यक विनियामक अनुमोदन प्राप्त करने के बाद, यह ब्रेकडाउन सोनी और जी दोनों के लिए एक झटका

हो सकता है, दोनों ने पिछले साल की तुलना में कम वृद्धि दर्ज की है। रिपोर्ट में कहा गया, हमारा मानना है कि विलय नहीं होने से दोनों पक्षों को नुकसान होगा, खासकर रिलायंस-डिज्नी की बहुत बड़ी इकाई के साथ प्रतिस्पर्धा की स्थिति में (यदि विलय होता है), दोनों पक्षों को संभावित रूप से अपनी रणनीतियों को जमीनी स्तर से पुनः व्यवस्थित करना होगा, जो एक मुश्किल काम होगा। जी एंटरप्राइजेज पर रिपोर्ट में जिक्र है, हमारा मानना है कि विलय के संबंध में अंतिम निर्णय को लेकर अगले कुछ हफ्तों में स्पष्टता सामने आनी चाहिए और अगर ऐसा नहीं होता है तो हम मौजूदा स्तरों से महत्वपूर्ण गिरावट देखेंगे।

तमिलनाडु में 42,700 करोड़ निवेश करेगा अडाणी ग्रुप

अडाणी ग्रीन एनर्जी सबसे ज्यादा 24,500 करोड़ का इन्वेस्टमेंट करेगी

चेन्नई।
चेयरमैन गौतम अडाणी की लीडरशिप में अडाणी ग्रुप ने अपनी कई ग्रुप कंपनियों के माध्यम से तमिलनाडु में 42,700 करोड़ रुपए से ज्यादा का निवेश करने का ऐलान किया है। अडाणी ग्रुप ने तमिलनाडु ग्लोबल इन्वेस्टर्स मीट 2024 में कई मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग पर हस्ताक्षर किए हैं।

ग्रीन एनर्जी सबसे ज्यादा 24,500 करोड़ का निवेश करेगी - अडाणी ग्रीन एनर्जी ने कहा कि वह अगले 5-7 सालों में तीन पंप स्टोरेज प्रोजेक्ट्स में 24,500 करोड़ रुपए का निवेश करेगी, जो ग्रुप की कंपनियों के बीच सबसे बड़ा निवेश है। अडानी कॉनेक्स अगले 7 साल में हाइपरस्केल डेटा सेंटर में 13,200 करोड़ रुपए का इन्वेस्टमेंट करेगी।

अंबुजा सीमेंट्स और टोटल गैस भी राज्य में निवेश करेगी - इसके अलावा अंबुजा सीमेंट्स तीन सीमेंट ग्राइंडिंग यूनिट्स में 3,500 करोड़ रुपए का निवेश करेगी। वहीं अडानी टोटल गैस अगले 8 सालों में राज्य में 1,568 करोड़ रुपए का इन्वेस्टमेंट करेगी।

सीएम स्टालिन और करण अडाणी की उपस्थिति में साइन हुए एमओयूएस - तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन, राज्य के इंडस्ट्रीज मिनिस्टर टीआरबी राजा, अडाणी पोर्ट्स के करण अडाणी, अन्य कैबिनेट मिनिस्टर्स और सेक्रेटरीज की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए गए हैं।

तमिलनाडु में हाइली-स्किल्ड वर्कफोर्स है: करण अडाणी - करण अडाणी ने तमिलनाडु को स्टेबिलिटी (स्थिरता), वेल एस्टेब्लिश्ड इंडस्ट्रियल इकोसिस्टम, एडवांस्ड इंफ्रास्ट्रक्चर, टोटल कनेक्टिविटी, सेफ और सिक्योर नेबरहुड का एक असाधारण उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि राज्य में डाइवर्स और हाइली-स्किल्ड वर्कफोर्स है,

जिसमें देश में कहीं और की तुलना में ज्यादा महिलाएं हैं।

अडाणी पोर्ट्स कर चुकी है 3,733 करोड़ रुपए का निवेश - अडाणी पोर्ट्स एंड वर्तमान में कट्टपल्ली और एन्नोर पोर्ट्स को ऑपरेट करती है और अब तक तिरुवल्लूर जिले में 3,733 करोड़ रुपए का निवेश कर चुकी है। अडाणी ग्रीन एनर्जी पीएसपी प्लांट्स और हाइड्रोइलेक्ट्रिक एनर्जी स्टोरेज सिस्टम्स में निवेश करके अपनी प्रेजेंस को डायवर्सिफाई करेगी, जो इलेक्ट्रिसिटी जनरेट करने के लिए ग्रेविटेशनल फोर्स का यूज करती है।

क्लियर एनर्जी प्रोजेक्ट के लिए 25,000 करोड़ निवेश करेगी कंपनी - कंपनी क्लियर एनर्जी प्रोजेक्ट के लिए 25,000 करोड़ रुपए का निवेश करेगी, जिससे 4,400 से ज्यादा रोजगार के अवसर पैदा होंगे। रिन्यूएबल एनर्जी से चलने वाला अडाणी-एजकॉन्क्स डेटा सेंटर एक नेटवर्क न्यूट्रल फैसिलिटी है। इसकी कैपेसिटी 33 मेगावाट है, जिसे अब 13,200 करोड़ रुपए के निवेश से 200 मेगावाट तक बढ़ाया जाएगा।

अंबुजा सीमेंट्स-एसीसी एनुअल कैपेसिटी बढ़ाकर 14 मिलियन मीट्रिक टन करेगी - अंबुजा सीमेंट्स और एसीसी ने शहर में 1 मिलियन टन की एनुअल कैपेसिटी बनाने के लिए 550 करोड़ रुपए का निवेश किया था, जिसे अब 3,500 करोड़ रुपए के निवेश के साथ 14 मिलियन मीट्रिक टन तक बढ़ाया जाएगा। ग्रुप तीन प्लांट सेट-अप करेगा, जिसमें मदुक्कारा में 2 मिलियन टन की कैपेसिटी वाला एक और कट्टपल्ली और तूतीकोरिन में 6 मिलियन टन की कैपेसिटी वाले दो प्लांट्स शामिल हैं। यह प्लांट्स 5,000 से ज्यादा डायरेक्ट और इनडायरेक्ट रोजगार के अवसर पैदा करेंगे।

अडाणी टोटल गैस का टारगेट तमिलनाडु में अपने निवेश को 9 गुना बढ़ाना है - अडाणी टोटल गैस कुड्डालोर और तिरुप्पुर जिलों में 5,000 से ज्यादा घरों को 100 किमी पाइपलाइनों और 180 करोड़ रुपए के निवेश के साथ पाइप से गैस प्रोवाइड करती है। कंपनी का टारगेट सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन, लिक्विफाइड नेचुरल गैस और इलेक्ट्रिक व्हीकल्स में अपनी पेशकशों का विस्तार करने के लिए तमिलनाडु में अपने निवेश को 9 गुना बढ़ाना है।

बिग बॉस 17 में काफी कुछ होने वाला है इंटरेस्टिंग

-अनोखे तरीके से शो में होगा नॉमिनेशन

मुंबई (ईएमएस)। छोटे परदे के रियलिटी शो बिग बॉस 17 में काफी कुछ इंटरेस्टिंग होने वाला है। शो में इस बार अनोखे तरीके से नॉमिनेशन होते देखने को मिलेगा। कंटेस्टेंट्स ही एक दूसरे को नॉमिनेट करेंगे। इस वजह से यह प्रक्रिया ट्विस्ट से भरी होगी। इसके साथ ही बॉटम 3 में आने वाले कंटेस्टेंट्स के नाम को लेकर भी चर्चा तेज हो गई है। बिग बॉस 17 में हाई वोल्टेज ड्रामा देखने को मिल रहा है। अभिषेक कुमार के वापस आने के बाद फैंस में खुशी का माहौल है। वहीं, घर में एक बार फिर लड़ाई झगड़े देखने को मिल रहे हैं। अंकिता और विक्की के बीच फैंस को एक बार फिर से तू तू-मैं मैं होते देखने को मिलेगी। इस झगड़े के बीच वो पल भी आ गया है, जो कंटेस्टेंट्स के दिल की धड़कन बढ़ा देता है। बिग बॉस 17 के नॉमिनेटेड कंटेस्टेंट्स की लिस्ट सामने आ चुकी है। बिग बॉस ने घरवालों को कंटेस्टेंट्स को नॉमिनेट करने का टास्क दिया। इसमें उन्हें घरवालों को अपनी सुविधा अनुसार डेंजर जोन में डालना था। ट्विस्ट से भरे इस एलिमिनेशन में सभी को बाउल में से उस कंटेस्टेंट की फोटो उठानी है, जिसे वह बेघर होते देखना चाहते हैं। इस दौरान मनारा को ईशा, आयशा और विक्की ने नॉमिनेट किया। अरुण को मुनव्वर, विक्की, ईशा और आयशा ने नॉमिनेट किया। नॉमिनेशन की इस प्रक्रिया में अभिषेक, मुनव्वर और आयशा का टास्क दिलचस्प रहा। उन्होंने उस घर वाले को एलिमिनेशन की कैटेगरी में डाला, जिसकी शायद ही किसी को उम्मीद रही हो। इस टास्क में अभिषेक ने अरुण, विक्की, ईशा और समर्थ को नॉमिनेट किया है। अभिषेक का फैसला सुन सब खुश हुए क्योंकि उसने पहली बार एक्स गर्लफ्रेंड ईशा को नॉमिनेट किया है। वहीं, मुनव्वर को आयशा, अरुण और समर्थ ने नॉमिनेट किया। आयशा को ईशा, समर्थ, मनारा, मुनव्वर और विक्की ने नॉमिनेशन की कैटेगरी में डाला। टास्क के बाद बिग बॉस ने ऐलान किया कि अंकिता लोखंडे और ईशा मालवीय को छोड़कर बाकी सारे कंटेस्टेंट नॉमिनेशन में हैं। बॉटम 3 में समर्थ, आयशा और अरुण का नाम लिया गया है।

सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में शामिल एनिमल

-दर्शकों ने भी किया है फिल्म को खूब पसंद

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड की फिल्म एनिमल को दर्शकों और आलोचकों के एक वर्ग ने स्त्रीद्वेषी और हिंसक बताया था, इसके बावजूद यह 2023 में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में शामिल है। अभिनेता रणबीर कपूर ने कहा है कि उनकी फिल्म एनिमल से कुछ लोगों को दिक्कत हो सकती है, मगर इसे बॉक्स ऑफिस पर मिली कामयाबी साबित करती है कि लोगों ने फिल्म को पसंद किया है। संदीप रेड्डी वांगा द्वारा निर्देशित फिल्म एक दिसंबर को रिलीज हुई थी और इसने दुनियाभर में 900 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की। फिल्म के कामयाब होने के मद्देनजर शनिवार रात को एक पार्टी रखी गई थी जहां कपूर ने उन्हें फिल्म का हिस्सा बनाने के लिए निर्देशक का आभार जताया। अभिनेता ने कार्यक्रम में कहा, फिल्म ह्यएनिमल की कामयाबी के जश्न के मौके पर आज यहां आने के लिए आप सबका शुक्रिया। फिल्म से लोगों के एक वर्ग को दिक्कत हो सकती है, लेकिन मेरा मानना है कि जिस तरह का प्यार, सफलता और कमाई इसने हासिल की है, वे यह साबित करती है फिल्म के प्रति प्रेम से बढ़कर कुछ भी नहीं है। पार्टी में रेड्डी वांगा और एनिमल के अन्य अभिनेता अनिल कपूर, बॉबी देओल, रश्मिका मंदाना, तृप्ति डिमरी, प्रेम चोपड़ा, सुरेश ओबेरॉय, सौरभ सचदेवा और सिद्धांत कार्निक ने भी शिरकत की। रणबीर की पत्नी एवं अभिनेत्री आलिया भट्ट, मां-अभिनेत्री नीतू सिंह, फिल्म निमार्ता महेश भट्ट, अभिनेता विवेक ओबेरॉय, राधिका मदान और फिल्म निमार्ता अनीस बज्मी और फराह खान भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए। निर्देशक ने इस फिल्म में योगदान के लिए कलाकारों और अन्य जुड़े लोगों का आभार जताया। रेड्डी वांगा ने कहा, हर चरित्र बहुत खास था और उसने बेहतरीन काम किया। यह सबकी कड़ी मेहनत से मुमकिन हो सका। निमार्ता, गीतकार, संगीतकारों का शुक्रिया। आप सबका शुक्रिया। अनिल कपूर ने मुख्य किरदार निभाने वाली अभिनेत्री मंदाना को फिल्म का भाग्यशाली शख्सियत बताया।

नवंबर में ही अलग हो चुके ईशा कोप्पिकर और टिम्मी नारंग

- 9 साल की बेटी संग छोड़ चुकी है टिम्मी का घर

मुंबई (ईएमएस)। मशहूर एक्ट्रेस ईशा कोप्पिकर और उनके रेस्तरां मालिक पति टिम्मी नारंग का तलाक हो चुका है। इस बात पुष्टी टिम्मी नारंग ने खुद किया है। एक रिपोर्ट के अनुसार टिम्मी नारंग ने खुद बताया है कि ईशा संग उनका तलाक हो चुका है। कानूनी रूप से दोनों नवंबर में ही अलग हो चुके हैं। तलाक होते ही ईशा अपनी 9 साल की बेटी संग घर छोड़ चली गईं। रिपोर्ट के अनुसार, टिम्मी नारंग ने कहा कि करीब डेढ साल तक तलाक पर विचार करने के बाद दोनों ने इसे फाइल करने का सोचा था। उन्होंने कहा कि तलाक बीते साल नवंबर में हुआ था। वहीं, कई म्यूचुअल शर्तों पर किया गया था। इन सभी के बाद हम दोनों अपने-अपने जीवन में आगे बढ़ने के लिए पूरी तरह से आजाद हैं और मुझे नहीं लगता है कि इसमें कोई भी संदेह है।

वहीं, उन्होंने आगे कहा कि मैंने फिलहाल हाल की रिपोर्ट्स नहीं पढ़ी हैं और कानूनी ऑप्शन को लेकर सोचना भी कोई ऑप्शन नहीं रहा है, क्योंकि हमारा तलाक पहले ही हो चुका है। बता दें कि ईशा कोप्पिकर कृष्णा कॉटेज, डॉन, क्या कूल हैं हम, फिजा, 36 चाइना टाउन जैसी कई पॉपुलर फिल्मों में नजर आ चुकीं हैं। बता दें कि बॉलीवुड में खल्लास गर्ल के नाम से मशहूर एक्ट्रेस ईशा कोप्पिकर और उनके रेस्तरां मालिक पति टिम्मी नारंग संग शादी रचाई थी। कपल की एक 9 साल की बेटी रियाना है। हालांकि ये शादी ज्यादा लंबी नहीं चल सकी। शादी के 14 साल बाद दोनों ने तलाक लेने का फैसला किया था।

तेलुगु डेब्यू करने वाली दिव्या खोसला

बालीवुड अभिनेत्री दिव्या खोसला कुमार जल्द ही तेलुगु डेब्यू करने वाली है। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट के जरिए इस खबर को और हवा दे दी है हालांकि उन्होंने कोई खास जानकारी शेयर नही की है परंतु उनके पोस्ट से लोगों ने अनुमान लगाना शुरू कर दिया। उन्होंने अपने सोशल मीडिया पोस्ट पर लिखा मैं आप सभी से कुछ खास शेयर करने के लिए बहुत एक्साइटेड हूं, 16 जनवरी को इसकी घोषणा की जाएगी तो आप सभी मेरे साथ बने रहिए। कुछ विश्वशनीय सूत्रों ने यह अनुमान लगाया है कि दिव्या फिल्म यारियां 2 के बाद तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री में एक दमदार प्रोजेक्ट के साथ कदम रखने के लिए पूरी तरह तैयार हैं और माना जा रहा है कि इस फिल्म का नाम ह-ीरो एन हीरोइन है जिसका फर्स्ट पोस्टर 16 जनवरी 2024 को रिलीज किया जाएगा। बता दें कि दिव्या खोसला जो निर्देशक और निमार्ता भी हैं, वे कभी अपनी अदाकारी तो कभी अपनी स्टाइल स्टेटमेंट की वजह से चर्चा का विषय बनी रहती हैं।

सोनम कपूर ने इथेनिक वियर से कहर ढाया

बालीवुड एक्ट्रेस सोनम कपूर ने अपनी दोस्त की शादी में शानदार इथेनिक वियर से कहर ढाया है। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपनी बेस्ट फ्रेंड की शादी अटेंड की। इस दौरान एक्ट्रेस की शाही लहंगा चोलीसेट में सुर्खियां बटोरीं। डिजाइनर जिग्या पटेल के लेबल, जिग्या डॉट एम के इस रॉयल कढ़ाई वाली ये लहंगा- चोली एक पुरानी बनारसी साड़ी से बनाई गई थी। लाल, गहरे नीले, हरे और पीले रंग में बना ये मल्टीकलर लहंगा में असली सोने के साथ प्राचीन तकनीकों वाली कढ़ाई का इस्तेमाल किया गया था। विंटेज टैसल्स, सीपियों और मोती में बनी ये लहंगा- चोली कला का शानदार नमूना था। वहीं 60 साल से ज्यादा पुरानी दुपट्टे पर बनी गुजरात कढ़ाई मोची वर्क ने ड्रेस की शोभ और बढ़ा दी। वहीं ज्वैलरी की बात करें तो उन्होंने शामिल थे, जिसमें झुमका, एक कुंदन हार, चूड़ियाँ और स्टेटमेंट अंगूठियाँ शामिल थीं। हेवी-ड्यूटी मेकअप और सीधे लंबे बालों ने सोनम के शादी के मेहमान अवतार को सुंदरता का अंतिम स्पर्श दिया। एक्ट्रेस ने इस लाजवाब लहंगा- चोली के साथ एंटिक ज्वेलरी जुमके, कुंदन नेकलेस, चूड़ियां और बड़ी- बड़ी रॉयल स्टाइल रिंग के साथ अपना लुक कंप्लीट किया था। इसके साथ हैवी मेकअप, स्ट्राइट खुले बालों में वो अप्सरा से कम नहीं लग रही थी। इससे पहले भी एक्ट्रेस ने गोल्डन गाउन पहने देखा गया था। इसमें वो बहुत ही प्यारी लग रही थी। इसमें उन्होंने अपनी लुक को सटल बेस, न्यूड ग्लॉसी लिप्स और ग्लिटरी स्मोकी आई मेकअप से कंप्लीट किया था। इसमें बालों का बन बनाकर बांधा हुआ है। एक्सेसरीज के तौर पर सोनम ने कान में हैवी गोल्डन ईयररिंग्स कैरी किए हैं।

कहना गलता नहीं होगा कि एक्ट्रेस वेस्टर्न के साथ-साथ एथनिक लुक को भी बखूबी कैरी कर लेती हैं और हर ड्रेस में लोगों को अपना दीवाना बन लेती हैं। बता दें कि सोनम कपूर को को यूं ही फैशनिस्टा नहीं कहा जाता है। सोनम कपूर की खूबसूरती उनके शानदार एथनिक वॉर्डरोब से झलकती है।

ब्रेकअप पर विराम, मलाइका ने शेयर किया अर्जुन का वीडियो

अर्जुन कपूर और मलाइका अरोड़ा अक्सर अपने संबंध को लेकर खबरों में रहते हैं। लंबे समय से इनके ब्रेकअप की अटकलें लग रही हैं। हाल में सोशल मीडिया पर अर्जुन-मलाइका को लेकर ये दावा किया गया था वे दो महीने पहले एक-दूसरे से अलग हो गए थे। अब इन दावों के बीच मलाइका ने अर्जुन संग एक वीडियो शेयर सोशल मीडिया पर हंगामा मचा दिया है। वीडियो में अर्जुन अपने अजीज दोस्त रणवीर सिंह के साथ डिजे बनकर मस्ती करते हुए दिख रहे हैं। वीडियो को शेयर करते हुए मलाइका ने अर्जुन को बेहद कूल कहा है। बताया जा रहा है कि ये वीडियो अर्जुन मलाइका के एक दोस्त की शादी समारोह कहा है। जहां अर्जुन-मलाइका एक साथ शामिल हुए थे। इस बीच इस वीडियो के जरिए मलाइका ने अर्जुन से अलग होने की अफवाहों पर बड़े स्टाइल से विराम जरूर लगा दिया है।

अभिनेता रणबीर कपूर ने छूए सौरभ सचदेव के पैर

मुंबई (ईएमएस)। फिल्मी दुनिया में कुछ चेहरे ऐसे हैं जो सालों से फिल्म जगत का हिस्सा हैं। ऐसे ही एक कलाकार के रणबीर कपूर भी बड़े फैन हैं। एनिमल की सक्सेज पार्टी में जब यह कलाकार सामने आया तो रणबीर ने बिना देर किए नीतू सिंह के पैर छू लिए और गले लगा लिया। अगर आपने एनिमल देखी है तो फोटो में बॉबी देओल के साथ नजर आ रहे किरदार को पहचान गए होंगे। संदीप रेडी वांगा की फिल्म में यही शख्स अबरार की आवाज बना था। कम स्क्रीन स्पेस के बावजूद यह एक्टर अपनी मौजूदगी दर्ज कराने में कामयाब रहा था। वे हैं सौरभ सचदेव। वे बॉलीवुड में एक्टिंग कोच के तौर पर पहचाने जाते हैं और साथ ही बीते कुछ समय से अपनी एक्टिंग से भी इम्प्रेस कर रहे हैं। हाल ही हुई एनिमल की सक्सेस पार्टी में जब इन्हें रणबीर कपूर ने देखा तो इनके पैर छू लिए। ये रणबीर कपूर को भी एक्टिंग के गुर सीखा चुके हैं। रणबीर कपूर सौरभ को एक तरह से अपना गुरु मानते हैं और उन्होंने सौरभ से काफी कुछ सीखा है। यही वजह है कि जब सौरभ एनिमल सक्सेस पार्टी में मिले तो रणबीर ने झट से सौरभ सचदेव के पैर छू लिए। वहीं आलिया भट्ट और नीतू सिंह भी सौरभ की तारीफ करती नजर आईं। नीतू ने सौरभ को देखते हुए कहा कि अभी आपको क्या बोलूं इतना शानदार काम किया है। फिल्म में वे भाई अबरार की आवाज बने थे। सौरभ का जन्म 24 सितंबर 1978 को हल्द्वानी उत्तराखंड में हुआ था। सौरभ ने स्कूली शिक्षा दिल्ली से ली है। सौरभ बीते दिनों फिल्म हड्डी में नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ नजर आए थे। साल 2002 में उन्होंने एक्टिंग कोच के तौर पर अपने करियर की शुरूआत की थी। सौरभ ने राणा डग्गुबाती, वरुण धवन, फ्रीडा पिंटो, रिचा चड्ढा, राघव जुयाल, दुलकर सलमान, जैकलीन फर्नांडीज, वाणी कपूर जैसे कई कलाकारों को कोचिंग दी है। साल 2017 से सौरभ ने अपनी एक्टिंग करियर पर फोकस करना शुरू कर दिया था। इसके बाद साल 2018 में आई सीरीज सेक्रेड गेम्स उनके करियर के लिए बेहद खास साबित हुई। सीरीज में सुलेमान के किरदार में उन्होंने सभी को इम्प्रेस किया। इसे लेकर सौरभ का कहना है यह मेरे लिए टर्निंग पॉइंट था। सेक्रेड गेम्स के जरिए ने सभी ने मुझे एक्टर के तौर पर एक्सेप्ट किया। इसके बाद मुझे दूसरी फिल्मों के प्रस्ताव मिलने लगे। इसके लिए मैं अनुराग कश्यप सर को थैंक्स कहना चाहूंगा। मनमर्जियां, लाल कप्तान, तैश, रात बाकी है, गुड लक जैरी, भूत पुलिस, वध में सौरभ नजर आ चुके हैं। सौरभ के अनुसार, मैं एक तरह के किरदार में बंधना नहीं चाहता हूं। ग्रे शेड, रोमांटिक, फैमिली पर्सन सब तरह के किरदारों के जरिए दर्शकों के सामने आना चाहता हूं। फिल्म एनिमल को संदीप रेडी वांगा ने निर्देशित किया था। फिल्म 1 दिसम्बर 2023 को रिलीज हुई थी और रणबीर कपूर की मुख्य भूमिका वाली यह फिल्म ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी।

यह बहुत जरूरी, हमारी आत्मनिर्भरता पर आंच नहीं आना चाहिए : बिग बी

-वीरू पाजी के टवीट का किया समर्थन

मुंबई,(ईएमएस)। मालदीव और लक्षद्वीप की खूबसूरती को लेकर बहसशुरू हो चुकी है। इस लेकर देश की बड़ी हस्तियों ने अपनी प्रतिक्रिया देने शुरू कर दी हैं। बॉलीवुड के शहंशाह अमिताभ बच्चन ने भी मालदीव और लक्षद्वीप पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। पीएम नरेंद्र मोदी के लक्षद्वीप दौरे के बाद मालदीव और भारत की सरकार आमने-सामने है। प्रधानमंत्री मोदी के दौरे के बाद मालदीव के कुछ मंत्रियों ने उनके खिलाफ टिप्पणी की। हालांकि मालदीव सरकार ने मामले को काबू कर मंत्रियों को बाहर का रास्ता दिखा दिया है। लेकिन अब मालदीव और लक्षद्वीप की खूबसूरती को लेकर बहस शुरू हो गई है। दरअसल विवाद पर पूर्व क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग ने अपने अकाउंट पर लक्षद्वीप की तस्वीरें शेयर की हैं। साथ उन्होंने द्वीप समूह की काफी तारीफ की। सहवाग के पोस्ट पर प्रतिक्रिया देकर अमिताभ बच्चन ने लिखा, वीरू पाजी..... यह बहुत जरूरी है और हमारी धरती की सही भावना के अनुरूप है .. हमारे अपने लोग सबसे अच्छे हैं, मैं लक्षद्वीप और अंडमान गया हूं और वे आश्चर्यजनक रूप से सुंदर जगह हैं .. आश्चर्यजनक समुद्र तट और पानी के नीचे का अनुभव है। हम भारत हैं, हम आत्मनिर्भर हैं, हमारी आत्मनिर्भरता पर आंच मत डालिए, जय हिंद। सोशल मीडिया पर बिग बी का पोस्ट तेजी से वायरल हो रहा है। बिग बी के फैंस सहित तमाम सोशल मीडिया यूजर्स अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। बिग बी से पहले अजय देवगन, अक्षय कुमार, सलमान खान, श्रद्धा कपूर, जॉन अब्राहम सहित कई फिल्मी सितारों ने भी मालदीव और लक्षद्वीप विवाद पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। बता दें कि भारत और मालदीव के बीच राजनयिक तनाव हाल के महीनों में बढ़ गया है, खासकर पिछले साल नवंबर में राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के पदभार संभालने के बाद दोनों देशों के रिश्ते बेहद खराब हो गए हैं।

वीकेंड पर भी दहाड़ रही प्रभास की सालार

प्रभास की सालार बॉक्स ऑफिस पर अपना दबदबा बनाए हुए है। रविवार को फिल्म ने रिलीज के 17 दिन पूरे कर लिए सालार ने बॉक्स ऑफिस पर अपनी धाक शुरूआत से जमाई है। फिल्म का कलेक्शन लगातार आगे बढ़ रहा है। शाहरुख खान की डंकी से मुकाबला होने के बावजूद सालार ने घुटने नहीं टेके और बाजी अपने पाले में कर ली। सालार ने बॉक्स ऑफिस पर हैरान कर देने वाली ओपनिंग की थी। फिल्म ने पहले दिन ही 90 करोड़ के ऊपर कलेक्शन कर लिया। रिलीज के चंद दिनों में सालार ने 100, 200 और 300 करोड़ में एंट्री कर ली। अब फिल्म 400 करोड़ क्लब की ओर बढ़ रही है। सालार के वीकेंड कलेक्शन की बात करें तब फिल्म शुक्रवार को 3.65 करोड़ का कमाए, जबकि शनिवार को बिजनेस 5.45 करोड़ के करीब रहा। वहीं, शुरूआती आंकड़ों के अनुसार, रविवार को सालार के कलेक्शन में बढ़ोतरी हुई। रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म में 7 जनवरी को 5.75 करोड़ कमाए। इसके साथ रिलीज के 17 दिनों में सालार ने डोमेस्टिक बॉक्स ऑफिस पर 392.94 करोड़ कमा लिए है।

सूडोकु नवताल- 6668

सरल

5	9			3			8	7
8	7		1		5			
		2			9			4
	6				2		3	5
3	8		4	1	7		2	9
2	4		6				1	
7			3			8		
			5		8		7	3
9	3			2			6	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6667 का हल

7	4	8	3	9	2	1	5	6
2	6	9	5	7	1	8	4	3
3	1	5	4	8	6	7	2	9
5	7	4	8	6	9	3	1	2
8	9	1	2	3	4	6	7	5
6	3	2	1	5	7	4	9	8
4	8	7	6	2	5	9	3	1
9	2	6	7	1	3	5	8	4
1	5	3	9	4	8	2	6	7

शब्दजाल - 7415

श	रा	कै	फी	आ	ज	मी	ट	झ	क	न	
नौ	च	र	ह	रिं	लै	ता	दि	शा	को	र	
शा	र	श	बा	ना	आ	ज	मी	अ	ल	गि	
द	म	दा	च	ल	क	ड़	हा	मि	र	स	
ट्या	क	र	ष	अ	मि	री	चि	ता	र	ट	
ह	ह	मा	व	दा	भि	ला	ती	भ	न	ती	
ट	ट	बु	ल	र	म	जी	ह	ब	ह	क	
बा	जी	वा	ला	अ	छ	स	त	च्च	जू	ट	
स	थो	शे	व	ह	म	दा	ने	न	र	द	
र	ल	लें	ति	रं	ट	रो	बें	न	रु	थो	
र	वीं	द्र	जै	न	ख	बौ	ही	स	मी	र	

शब्द जाल में उत्तर प्रदेश के 10 प्रमुख सिने व्यक्तित्व के नाम ढूंढिए. नाम ऊपर से नीचे एवं तिरछे भी हो सकते हैं.

नौशाद, कमाल अमरोही, कैफी आजमी, नरगिस, शेलेंद्र, समीर, अभिजीत, रवींद्र जैन, शबाना आजमी, अमिताभ बच्चन

शब्दजाल - 7414 का हल

प्र	अ	मे	आ	ए	का	धि	का	र	प	क	
न	का	क	दि	इं	डे	ने	ग	ति	मा	री	
अ	दा	र	ला	मा	ग	अ	द	ह	प	म	
है	द	रा	बा	द	न	स	नं	ह	लि	न	
त	अ	अ	द	न	कृ	ष्णा	ह	त	न	ग	
ख	म्म	न	र	व	प	का	त	ह	पु	र	
ग	मा	ल	मा	व	चि	ला	र	मा	न	र	
र	न	भा	र	न	प	तु	रा	ल	वि	ला	
क	गु	बा	क	ड	प्पा	प	र	न	जू	दे	
र	टु	ति	मा	न	सिं	ब्रा	स	का	प	श	
बां	र	ल	प	रु	स	क	र्नू	ल	र	र	

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग- 6368

7	6		4		3	5
2	28	4	33	7	35	4
1	2		6	4	7	
	28	3	38	6	34	
4	2		3		1	7
	31		31	1	30	6
6		7	4	3		2

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6367 का हल

3	2	5	6	4	7	1
4	33	4	40	7	31	2
7	2	6	3	5	1	4
1	29	3	37	6	35	5
2	1	7	4	3	5	6
6	30	2	24	1	30	3
5	6	1	4	2	3	7

Jagrutidaur.com, Bangalore

वरुण तोमर और ईशा सिंह ने एशियाई शूटिंग चैंपियनशिप में जीता स्वर्ण पदक, ओलंपिक कोटा भी किया हासिल

नई दिल्ली ।
एशियाई शूटिंग चैंपियनशिप में भारतीय निशानेबाजों ने स्वर्णिम प्रदर्शन किया। बागपत के वरुण तोमर और एशियाड की स्वर्ण पदक विजेता ईशा सिंह ने 10 मीटर एयर पिस्टल में न सिर्फ स्वर्ण पदक जीते बल्कि पेरिस ओलंपिक का कोटा भी हासिल कर लिया। इसके साथ ही निशानेबाजों की ओर से पेरिस ओलंपिक के लिए जीते गए कोटा की संख्या 15 हो गई है। टोक्यो ओलंपिक में भी भारत के 15 निशानेबाजों ने हिस्सा लिया था, लेकिन इस चैंपियनशिप और और कोटा आने की उम्मीद है, जिससे टोक्यो की रिकॉर्ड संख्या पीछे छूट सकती है। टोक्यो ओलंपिक के फाइनल में पहुंचने वाले सौरभ चौधरी के ममेरे भाई वरुण ने क्वालिफाइंग राउंड में अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 586 का स्कोर किया। ठीक इतना ही स्कोर सौरभ ने टोक्यो में किया था। वरुण ने इस दौरान एक सीरीज 100 में से 100 की भी लगाई। वह क्वालिफाइंग में शीर्ष स्थान पर रहकर फाइनल में पहुंचे। एशियाड पदक विजेता अर्जुन चीमा (579) ने भी फाइनल में जगह बनाई। उवल मलिक (575) फाइनल में तो नहीं पहुंचे, लेकिन तीनों ने मिलकर टीम का स्वर्ण पदक देश को जरूर दिलाया। अर्जुन ने फाइनल में 237.3 का स्कोर रजत पदक जीता।

इस स्कोर को भी जल्द पीछे छोड़ूंगा: वरुण - फाइनल में 20 वर्षीय पूर्व जूनियर विश्व चैंपियन वरुण की शुरुआत अच्छी नहीं रही, लेकिन उन्होंने बाद में जबरदस्त वापसी करते हुए 239.6 का स्कोर स्वर्ण जीता। वरुण अमर उजाला से कहते हैं कि यह उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर जरूर है, लेकिन वह इसे भी जल्द पीछे छोड़ देंगे। वरुण ने सात वर्ष पहले शूटिंग शुरू की थी। वह बताते हैं कि उन्होंने सौरभ को देखकर प्रेरणा ली कि उन्हें भी इस खेल में कुछ अच्छा करना है। उन्होंने शुरुआती दिनों में घर पर ही रेंज लगाकर रात-दिन अभ्यास किया।

रिद्म ने जीता कांस्य - ईशा सिंह ने फाइनल में 243.1 का स्कोर कर स्वर्ण जीता। पाकिस्तान की किश्माला तलत (236.3) के साथ रजत और भारत की ही रिद्म सांगवान ने (214.5) के साथ कांस्य जीता। ईशा, रिद्म, सुरभि राव ने कुल 1736 का स्कोर टीम का भी स्वर्ण पदक जीता। एशियाड में पदक जीतने वाली किश्माला को भी पेरिस ओलंपिक का कोटा मिला। वह ओलंपिक कोटा हासिल करने वालीं तीसरी पाकिस्तानी निशानेबाज बनीं। इस चैंपियनशिप में 16 ओलंपिक कोटा दांव पर हैं। भारत को अभी दो और कोटा यहां मिल सकते हैं।

न्यूज ब्रीफ

नीतीश सरकार ने किया नए खेल विभाग का गठन, मंत्रिमंडल सचिवालय ने जारी की अधिसूचना

पटना। बिहार में खेल और खिलाड़ियों के विकास के लिए सरकार ने एक नए विभाग का गठन किया है। इस विभाग का नाम खेल विभाग होगा। नया विभाग कला संस्कृति एवं युवा एवं खेल विभाग से अलग कार्य करेगा। पूर्व में खेल विभाग कला संस्कृति एवं युवा एवं खेल विभाग के अंतर्गत आता था। मंत्रिमंडल सचिवालय ने इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी है। इससे पहले राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में खेल विभाग गठित करने का प्रस्ताव स्वीकृत किया गया था। नवगठित खेल विभाग राज्य का 45वां विभाग होगा। जारी अधिसूचना के मुताबिक खेल विभाग खिलाड़ियों के कल्याण के साथ ही खेलों के विकास से संबंधित सभी कार्य करेगा। यह विभाग बिहार में खेलों के विकास के लिए नई आधारभूत संरचनाओ का निर्माण करने के साथ ही पूर्व से गठित संरचनाओं की देखभाल भी करेगा। खेलकूद के लिए विश्वविद्यालय के गठन के साथ खेलों के विकास में लगी संस्थाओं के निबंधन, विभाग के लिए कर्मियों की नियुक्ति नियोजन उनकी सेवा शर्तों का गठन भी खेल विभाग ही करेगा।

फिटनेस के लिए जिम में जमकर अभ्यास कर रहे पंड्या, आईपीएल 2024 से करेंगे वापसी

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या अब आईपीएल 2024 में ही नजर आयेंगे। पंड्या अभी पूरी तरह से फिट नहीं हुए हैं और ऐसे में आईपीएल के लिए फिटनेस हासिल करने का प्रयास कर रहे हैं। टखने की चोट के कारण वह गत वर्ष हुए एकदिवसीय विश्व कप 2023 के बीच में ही बाहर हो गये थे। इसी कारण पंड्या अफगानिस्तान के खिलाफ आगामी टी20 सीरीज में भी शामिल नहीं किये गये हैं। उनके आईपीएल से पहले फिट होने की उम्मीदें हैं। आईपीएल नीलामी में रोहित शर्मा की जगह पर मुंबई इंडियंस के नए कप्तान बनाये गये पंड्या ने सोशल मीडिया पर अपनी रिकवरी यात्रा साझा की है। पंड्या ने सोशल मीडिय में जिम में पसीना बहाने का एक वीडियो भी साझा किया है। इसमें उन्होंने लिखा, केवल एक ही दिशा में जाना है आगे। गौरतलब हे कि पंड्या और आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव दोनों ही चोटिल होने के कारण अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज से बाहर हैं। वहीं चयनकर्ताओं ने रोहित शर्मा और विराट कोहली को अफगानिस्तान सीरीज के लिए एक बार फिर टी20 टीम में जगह दी है।

ईशान को अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज के लिए शामिल करना चाहिये था : चोपड़ा

नई दिल्ली । पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन को अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज के लिए टीम में जगह नहीं दिये जाने पर हैरानी जतायी है। चोपड़ा के अनुसार ईशान को टीम में क्यों शामिल नहीं किया यह वह समझ नहीं पा रहे हैं। उनका मानना है कि संजू सैमसन और जितेश शर्मा से ज्यादा ईशान किशन को शामिल करने पर विचार करना चाहिये था क्योंकि वह पारी की शुरुआत के अलावा बीच के ओवरों में भी बल्लेबाजी कर सकते हैं। टीम इंडिया की चयन समिति ने अफगानिस्तान के खिलाफ गुरुवार से शुरू होने वाली आगामी टी20 सीरीज के लिए 16 सदस्यीय टीम के लिए कई युवाओं को अवसर दिया है पर ईशान उसमें नहीं हैं। ये तीन मैचों की सीरीज मोहाली, बेंगलुरु और इंदौर में खेली जाएगी। आकाश के अनुसार अफगानिस्तान सीरीज के लिए ईशान की जगह पर सैमसन को शामिल करने का कोई कोई कारण नहीं बताया गया है। उन्होंने कहा, जितेश और संजू दोनो ही विकेटकीपर हैं, हालांकि पिछली दो सीरीज में सैमसन को विकेट कीपर के तौर पर नहीं रखा गया था। वहीं ईशान विकेटकीपर के तौर पर जा रहे थे पर अब वह नहीं हैं।

26 खिलाड़ियों को अर्जुन, 5 कोच को द्रोणाचार्य पुरस्कार

क्रिकेट में शमी, शूटिंग में ऐश्वर्य प्रताप अर्जुन अवॉर्डी ; सात्विक और चिराग को खेल रत्न

नई दिल्ली ।
राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रीय खेल पुरस्कार दिए गए। इसमें 5 कोच को द्रोणाचार्य तो 26 खिलाड़ियों को अर्जुन पुरस्कार दिया गया। 3 लोगों को लाइफ टाइम सम्मान से नवाजा गया। सबसे पहले कोच को द्रोणाचार्य, फिर लाइफ टाइम और इसके बाद खिलाड़ियों को अर्जुन अवॉर्ड दिया गया। क्रिकेट वनडे वर्ल्ड कप में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले फास्ट बॉलर मोहम्मद शमी को अर्जुन पुरस्कार दिया गया। बैडमिंटन की स्टार जोड़ी सात्विक साईराज और चिराग शेट्टी को मेजर ध्यान चंद खेल रत्न पुरस्कार दिया गया। यह जोड़ी फिलहाल मलेशिया ओपन सुपर 1000 में खेल रही है, इसलिए सेरेमनी में शामिल नहीं हुई।

शमी ने वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा विकेट लिए

अर्जुन अवॉर्ड विनर्स में 33 साल के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने वनडे वर्ल्ड कप में शानदार प्रदर्शन किया था। जहां भारत फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से हारकर उपविजेता रहा। टूर्नामेंट के शुरुआती 4 मैच नहीं खेलने के बावजूद शमी 24 विकेट लेकर टूर्नामेंट टॉप विकेट टेकर रहे।

सात्विक चिराग के लिए यह साल यादगार, 3 बीडब्लूएफ टाइटल जीते

सात्विक-चिराग को मेजर ध्यान चंद खेल रत्न पुरस्कार दिया गया। चिराग और सात्विक के लिए 2023 यादगार रहा। उन्होंने एशियन गेम्स में गोल्ड जीता (एशियन गेम्स के बैडमिंटन इवेंट में भारत का पहला गोल्ड) और एशियन चैंपियनशिप का खिताब जीता। इस जोड़ी ने इंडोनेशिया सुपर 1000, कोरिया सुपर 500 और स्विस सुपर 300 के खिताब भी जीते।

सात्विक-चिराग वर्ल्ड चैंपियनशिप के ब्रॉन्ज मेडल विनर हैं और 2022 के कॉमनवेल्थ गेम्स में भी गोल्ड जीतकर लौटे थे। दोनों को मेजर ध्यानचंद खेल रत्न अवॉर्ड मिलेगा, जो भारत में खेलों का सर्वोच्च सम्मान है।

लाइफ टाइम (ध्यानचंद अवॉर्ड)

कविता (कबड्डी), मंजूषा कंवर (बैडमिंटन) और विनीत कुमार शर्मा (हॉकी) को लाइफ टाइम (ध्यानचंद पुरस्कार) से नवाजा गया। इस पुरस्कार से उन खिलाड़ियों को सम्मानित किया जाता है जो अपने प्रदर्शन से खेलों में विशेष योगदान दिए हैं। साथ ही जो रिटायरमेंट के बाद भी खेल आयोजन को बढ़ावा देने में अपना सहयोग जारी रखते हैं।

5 कोच को दिया गया द्रोणाचार्य

गणेश प्रभाकरन (मलखंब), महावीर सैनी (पैरा एथलेटिक्स), ललित कुमार (कुश्ती), आरबी रमेश (शतरंज) और शिवेंद्र सिंह (हॉकी) को कोचिंग का सबसे बड़ा सम्मान द्रोणाचार्य अवॉर्ड दिया गया।

तीन कोच को लाइफ टाइम अवॉर्ड दिया गया

गोल्फ कोच जसकीरत सिंह ग्रेवाल, भास्करन ई (कबड्डी, कोच) और जयन्त कुमार पुसीलाल (टेबल टेनिस, कोच) को लाइफ टाइम अवॉर्ड प्रदान किया गया।

मौलाना अब्दुल कलाम आजाद ट्रॉफी 2023

गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी, अमृतसर (विनर), लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, पंजाब (फर्स्ट रनर-अप) और कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र (सेकेंड रनर-अप) देश की टॉप-3 स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी रहीं। अमृतसर की यूनिवर्सिटी को मौलाना अब्दुल कलाम आजाद ट्रॉफी दी गई।

पेरिस ओलंपिक में जगह बनाना चाहेंगे प्रणय, श्रीकांत और लक्ष्य, रैंकिंग में शीर्ष 16 में रहना जरूरी

नई दिल्ली ।
पेरिस ओलंपिक क्वालिफिकेशन पर नजरें टिकाए बैठे एचएस प्रणय और लक्ष्य सेन जैसे भारत के शीर्ष बैडमिंटन खिलाड़ियों को यहां शुरू हो रहे मलयेशिया ओपन सुपर 1000 टूर्नामेंट के साथ नए सत्र की प्रभावी शुरुआत करने की उम्मीद होगी। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों के लिए अगले चार महीने में काफी कुछ दांव पर लगा होगा और इस दौरान उनकी नजरें व्यस्त कार्यक्रम के बीच अप्रैल के अंत तक विश्व रैंकिंग में शीर्ष 16 में जगह बनाकर पेरिस खेलों के लिए क्वालिफाई करने पर टिकी होंगी। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पी वी सिंधू घुटने की चोट से उबर रही हैं जिसके कारण महिला एकल में भारत का कोई प्रतिनिधित्व नहीं होगा। मिश्रित युगल में भी कोई भारतीय प्रतिस्पर्धा नहीं कर रहा है। ओलंपिक में जगह बनाने की दौड़ में दुनिया के आठवें नंबर के खिलाड़ी प्रणय आगे चल रहे हैं। उनके लिए पिछला सत्र शानदार रहा जिसमें उन्होंने विश्व चैंपियनशिप और एशियाई खेलों में पहली बार कांस्य पदक और मलयेशिया मास्टर्स सुपर 500 में खिताब जीता। वह ऑस्ट्रेलिया ओपन सुपर 500 में भी फाइनल में पहुंचे। यह आठवीं वरीयता प्राप्त 31 वर्षीय खिलाड़ी अपने अभियान की शुरुआत डेनमार्क के एंडर्स एंटोनसन के खिलाफ करेगा और उन्हें अपनी शानदार फॉर्म जारी रखने की उम्मीद होगी। एंटोनसन ने 2023 में कोरिया ओपन जीतकर चोट से सफल वापसी की थी। सभी की निगाहें लक्ष्य और किदांबी श्रीकांत पर भी होंगी जो शीर्ष 16 में आने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। दुनिया के 16वें नंबर के खिलाड़ी लक्ष्य ने पिछले साल कनाडा ओपन सुपर 500 का खिताब जीता लेकिन इसके बाद अपनी फॉर्म गंवा दी। श्रीकांत की विश्व रैंकिंग 24वीं हैं और वह 2023 में सिर्फ चार टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे। सेन और श्रीकांत के लिए चीजें आसान नहीं होने वाली हैं क्योंकि उन्हें यहां शुरुआती दौर में क्रमशः चीन के वेंग होंग यैंग और इंडोनेशिया के छठी वरीयता प्राप्त जोनाथन क्रिस्टी जैसे कड़े प्रतिद्वंद्वियों का सामना करना है। पुरुष युगल में सात्विकसाईराज रैंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी 2023 में एशियाई खेलों में स्वर्ण और इंडोनेशिया में सुपर 1000 टूर्नामेंट का खिताब जीतने के अलावा कोरिया ओपन सुपर 500 और स्विस ओपन सुपर 300 जीता तथा कुछ समय के लिए दुनिया की नंबर एक जोड़ी भी बने।

डु प्लेसिस ने याद किये धोनी की कप्तानी में सीखे सबक

नई दिल्ली ।
दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेटर फाफ डु प्लेसिस ने भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी की जमकर प्रशंसा की है। डु प्लेसिस ने इंडियन प्रीमियर लीग में खेलते हुए चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के साथ अपने कार्यकाल के दौरान एक क्रिकेटर के रूप में धोनी से सीखे गए सबक को याद करते हुए कहा कि वह बहुत भाग्यशाली थे कि उन्होंने अपने करियर की शुरुआत में ही धोनी की कप्तानी में खेलने का अवसर मिला। एसए20 के दूसरे सत्र से पहले डु प्लेसिस ने कहा कि उन्होंने सीएसके में पहला सत्र धोनी और मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग को देखते हुए बिताया। इस दौरान उन्हें इन दिग्गजों से सवाल पूछने और सीखने का भी अवसर मिला था।

गौरतलब है कि फाफ डु प्लेसिस साल 2011 से 2021 तक सीएसके के साथ रहे। इस दौरान उन्होंने सीएसके की जीत में कई बार अहम भूमिका निभाई। साल 2021 आईपीएल फाइनल में उन्होंने केकेआर के खिलाफ 59 गेंदों पर 86 रनों की मैच विजेता पारी खेली थी। डु प्लेसिस ने टीम में हमेशा ही अपनी अलग पहचान बनाई।

2022 में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के कप्तान के रूप में बने डु प्लेसिस ने सभी प्रारूपों में दक्षिण अफ्रीका की कप्तानी की है। इसके अलावा वह दक्षिण अफ्रीका की टी 20 लीग में सुपर किंग्स फ्रेंचाइजी की ओर से खेलते हैं। नए साल में नए सत्र के लिए तैयार डु प्लेसिस ने कहा कि सबसे पहले, एक युवा व्यक्ति के रूप में उस ड्रेसिंग रूम का हिस्सा बनना सुखद अनुभव था। शायद मेरी सबसे बड़ी सीख मेरी शुरुआती यात्रा में फ्लेमिंग और धोनी से मिली थी। उनसे सीखना बहुत अच्छा था।

ऑस्ट्रेलिया टेस्ट हर किसी के लिए एक अद्भुत अवसर : मुख्य कोच आंद्रे कोली

एडिलेड।
वेस्टइंडीज ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपनी आगामी दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए करेन रोल्टन ओवल में क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया इलेवन के खिलाफ तीन दिवसीय मैच के साथ गंभीर तैयारी में जुट जाएगा और मुख्य कोच आंद्रे कोली इसे सात अनकैप्ड खिलाड़ियों सहित टीम में सभी के लिए एक शानदार अवसर के रूप में देख रहे हैं।

ऑस्ट्रेलिया के 2022 टेस्ट दौरे में खेलने वाली टीम से, केवल कप्तान क्रैग ब्रैथवेट, केमार रोच, अल्ज़ारी जोसेफ, जोशुआ दा सिल्वा और तेगनारायण चंद्रपॉल 2023 दौरे के लिए वेस्टइंडीज टीम में हैं।

उल्लेखनीय चूक में जेसन होल्डर और काइल मेयर्स शामिल हैं, जो फ्रेंचाइजी टी20 लीग में खेल रहे हैं, जबकि जेडन सील्स कंधे की चोट के कारण बाहर हैं। फिलहाल हमारे पास कई सफेद गेंद वाले फ्रेंचाइज़ी टूर्नामेंट हैं जो लगभग एक ही समय में हो रहे हैं, हमारे पास कुछ चोटें भी हैं इसलिए जब आप उन सभी को एक साथ रखेंगे तो इसका कुछ चयन पर असर पड़ेगा।

कोली ने कहा, लेकिन जैसा कि कहा गया है, यह इस तथ्य से दूर नहीं है कि जो खिलाड़ी यहां दौरे पर हैं वे वास्तव में अपने चयन के योग्य हैं। इसलिए यह उन खिलाड़ियों के लिए खुद को अभिव्यक्त करने और उस टीम के खिलाफ खेलने का अवसर है जिसने पिछली (विश्व टेस्ट चैंपियनशिप) जीती थी। यह हर किसी के लिए एक शानदार अवसर है।

वेस्टइंडीज के पास इस दौरे के लिए सहायक कोच के रूप में ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज शॉन टैट की भी सेवाएं हैं। कोली ने आगे कहा कि ऑस्ट्रेलिया में उन्हें मिलने वाली पिचों के बारे में खुला दिमाग रखना महत्वपूर्ण होगा।

यह पिचों के बारे में बात है, कोई भी दो समान नहीं हैं। इसलिए जब आप उन पर खेलते हैं तो आप आकलन करते हैं और आप काम करते हैं कि दृष्टिकोण क्या होगा। इसी तरह एक टेस्ट मैच में, आपको पता होता है कि एडिलेड की पिचें कैसे खेलेंगी लेकिन मैं एक समय पर एक कदम ही उठाऊंगा।

उन्होंने कहा, हम तीन दिवसीय मैच से निपटेंगे और तीन दिवसीय और प्रस्तावित सतह से जितना हो सके उतना हासिल करेंगे, और फिर जब टेस्ट मैच आएगा तो हम उससे निपटेंगे।

जर्मनी को विश्व विजेता बनाने वाले बेकनबाउर का निधन, दो बार बने थे दुनिया के श्रेष्ठ फुटबॉलर

म्यूनिख ।
जर्मनी के महान फुटबॉल खिलाड़ी फ्रेंज बेकनबाउर नहीं रहे। 78 साल की उम्र में नींद के दौरान उनका निधन हुआ। 1974 में पश्चिम जर्मनी जब नीदरलैंड को हराकर विश्व विजेता बना तो बेकनबाउर उस टीम के कप्तान थे, 1990 में जब जर्मनी लोथार मथायस की कप्तानी में विश्व चैंपियन बना तो बेकनबाउर उस टीम के मैनेजर थे। जगालो, बेकनबाउर के अलावा बाद में यह उपलब्धि फ्रांस के वर्तमान कोच डिडियर डेशचैंप ने हासिल की।

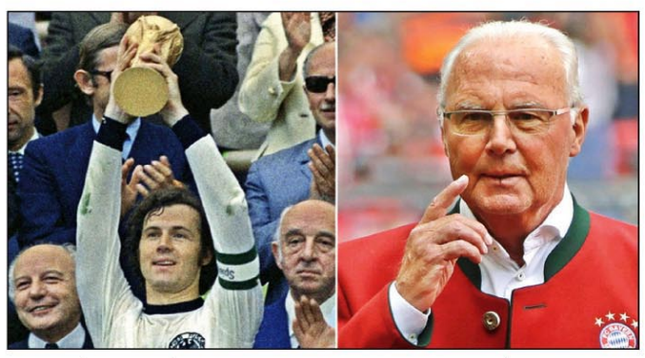

पांच विश्वकप में बतौर फुटबॉलर और मैनेजर बेकनबाउर उतरे, जिसमें चार में पश्चिम जर्मनी फाइनल में था, दो बार विश्व विजेता बना। उन्होंने 1972 में पश्चिम जर्मनी के साथ यूरोपीय चैम्पियनशिप भी जीती। बेकनबाउर ने अपने करियर में पश्चिम जर्मनी के लिए 104 कैप और बायर्न म्यूनिख के लिए 400 से अधिक कैप जीते। बेकनबाउर 1964 और 1977 के बीच बवेरियन क्लब के लिए खेले। इन 13 वर्षों में 1973/74, 1974/75 और 1975/76 में बायर्न टीम का हिस्सा थे, जिसने यूरोपियन कप खिताब की हैट्रिक जीती, जिसे अब यूईएफए चैंपियंस लीग नाम से जाना जाता है। उन्होंने 1966/67 में एक इंटरकांटिनेंटल कप और एक यूरोपियन कप विजेता कप के साथ पांच जर्मन लीग खिताब और पांच जर्मन कप भी जीते।

मैनेजर बनते ही जर्मनी को विश्वकप फाइनल में दिलाया प्रवेश - बेकनबाउर ने एक फुटबॉलर और मैनेजर, प्रशासक के रूप में बराबर की सफलता और ख्याति हासिल की। 1984 में जब उन्होंने फुटबाल से संन्यास लिया तो उन्हें सीधे पश्चिम जर्मनी की टीम की कोचिंग की कमान दे दी गई। उन्होंने अपने मार्गदर्शन में 1986 के विश्वकप में पश्चिम जर्मनी को फाइनल में पहुंचाया।

माराडोना से चुकाया हिसाब - 1986 विश्वकप के फाइनल में बेकनबाउर की कोचिंग वाली पश्चिम जर्मनी की टीम को माराडोना की अर्जेंटीना से हार मिली, पर 1990 के विश्वकप में एक बार फिर माराडोना की अर्जेंटीना उनके सामने थी, लेकिन ब्रेहमे के गोल की बदौलत पश्चिम जर्मनी ने खिताबी जीत हासिल की।

कंधा उतरा पर मैदान नहीं छोड़ा - बेकनबाउर ने 1966 के विश्वकप में चार गोल किए। 1970 के विश्वकप के सेमीफाइनल में पश्चिम जर्मनी और इटली के मुकाबले को सदी के मैच की संज्ञा दी गई। बेकनबाउर का कंधा उतर गया। बेकनबाउर हाथ में पट्टी डालकर फिर भी मैच खेलते रहे। हालांकि जर्मनी 3-4 से हार गया। जर्मनी के इस दिग्गज फुटबॉलर ने दो बार 1972 और 1976 में दुनिया के श्रेष्ठ फुटबॉलर का बेलन डि ओर पुरस्कार अपने नाम किया।

डेर कैसर मिला उपनाम - बेकनबाउर को डेर कैसर, या द एम्परर उपनाम से जाना जाता है। बेकनबाउर का शुमार सर्वकालिक महानतम डिफेंडर्स में होता है। उन्हें डिफेंस मिडफील्ड में क्लीन स्वीप करने की महारत हासिल थी, इसलिए उन्हें लिबरो के रूप में भी जाना जाता है। बेकनबाउर को फुटबॉल के महान डिफेंडर में से एक माना जाता था। 1990 में पश्चिम जर्मनी को विश्व कप खिताब दिलाने के अलावा उन्होंने 1993/94 में बायर्न को बुंडेसलीगा खिताब भी दिलाया और 1995/96 में प्रबंधक के रूप में क्लब के साथ यूईएफए कप भी जीता।

शानदार रहा करियर - बेकनबाउर का जन्म सितंबर 1945 में म्यूनिख के मजदूर परिवार में हुआ था। वह बचपन से 1860 म्यूनिख क्लब के प्रशंसक थे, लेकिन बायर्न क्लब की यूथ टीम से अपने करियर की शुरुआत की थी। उन्होंने 1964 में एक लेफ्ट विंगर प्लेयर के रूप में क्लब के लिए पदार्पण किया, लेकिन बायर्न क्लब के लिए खेलते हुए बाद में पश्चिम जर्मनी टीम के सेंटर-फॉरवर्ड खिलाड़ी बन गए। फिर वह सेंट्रल मिडफील्ड की भूमिका में खेलने लगे और टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन किया। 1968-69 सीजन में, बेकनबाउर को क्लब का कप्तान बनाया गया और वह बायर्न टीम के प्रमुख खिलाड़ी बन गए। उन्होंने कप्तान के रूप में अपने पहले सीजन में ही शीर्ष खिताब जीता।

पेले के साथ भी खेले - बेकनबाउर को महान फुटबॉलर का दर्जा प्राप्त था। वह कॅरिअर के अंतिम दौर में अमेरिका के कॉस्मॉस क्लब के लिए महान पेले के साथ भी खेले। 1974 विश्वकप के फाइनल में पश्चिम जर्मनी ने उनकी बदौलत नीदरलैंड को 2-1 से हराकर हैरत भरी जीत हासिल की थी।

अच्छा सोचें और सिर दर्द घटाएं

सरदर्द, आज की जीवनशैली में होने वाली सबसे आम समस्या है और इसका कारण तनाव से लेकर माइग्रेन तक हो सकता है। तनाव की स्थिति में गर्दन की मांस पेशियों में सिकुड़न हो जाती है। शायद आपको यह आश्चर्यजनक लगे कि, अपनी प्रतिदिन की दिनचर्या में थोड़ा सा बदलाव लाकर आप सरदर्द से बच सकते हैं। अगर आपके सरदर्द का कारण भी तनाव है, तो तनाव का मुकाबला करना सीखें।

साफ हवा सुधारती है बच्चों के फेफड़ों की सेहत

साफ हवा में सांस लेना अमूमन सभी के लिए सेहतमंद माना जाता है, लेकिन बच्चे के लिए एक और भी फायदेमंद है। ताजा शोध के मुताबिक साफ हवा बच्चे के फेफडे की बेहतर सेहत के लिए लाभदायक है। शोध के अनुसार बच्चे के आसपास साफ हवा मुहैया कराने की कोशिश बचपन में उसके फेफडे की सेहत के लिए अच्छा तो है ही, यह भविष्य में भी उसके लिए फायदेमंद रहता है।

डायलिसिस से बचा सकती है स्टेम सेल थैरेपी

शोधकर्ताओं ने ऐसी चिकित्सा पद्धति ईजाद की है, जिसके प्रयोग से डायलिसिस या किडनी प्रत्यारोपण की स्थिति से बचा जा सकता है। वैज्ञानिकों ने अपने शोध में पहली बार एंटी स्कैरिंग एजेंट के साथ स्टेम सेल थैरेपी के प्रभाव का अध्ययन किया। इसके माध्यम से किडनी के क्षतिग्रस्त होने के संकेतों को बदलना संभव है। परिपक्व स्टेम सेल सेरेलेक्सिन प्रोटीन से मिलकर क्षतिग्रस्त किडनी को ठीक कर सकता है।

स्पेशल ट्रीटमेंट

कब होती है नी रिप्लेसमेंट सर्जरी की जरूरत...

बीते कुछ वर्षों में नी रिप्लेसमेंट सर्जरी की प्रक्रिया काफी प्रचलित हो गई है। केवल अमेरिका में ही हर साल लगभग 600,000 लोगों की नी रिप्लेसमेंट सर्जरी की जाती है। भारत में भी इसका आंकड़ा काफी बड़ा है। लेकिन आप कैसे जानेंगे कि आपको वाकई नी रिप्लेसमेंट सर्जरी की जरूरत है। क्योंकि नी रिप्लेसमेंट से कई जोखिम भी जुड़े होते हैं। इसलिए आपके लिए ये जानना जरूरी होता है कि सर्जरी में कुछ गड़बड़ होने पर आपको किन जोखिमों का सामना करना पड़ सकता है। चलिए जानें नी रिप्लेसमेंट सर्जरी करने से पहले जान लेने वाली 5 बेहद जरूरी बातें -

रिप्लेसमेंट सर्जरी के साइड इफेक्ट: डॉक्टरों के अनुसार घुटनों में अर्थराइटिस होने या फिर किसी चोट आदि से कई बार बेहद मुश्किल स्थिति पैदा हो जाती है और बेहद दर्द होने लगता है। और फिर जैसे-जैसे घुटने जवाब देने लगते हैं, चलना-फिरना, उठना-बैठना, यहां तक कि बिस्तर से उठ पाना भी मुश्किल हो जाता है। तो ऐसे में दोनों घुटनों का नी-रिप्लेसमेंट ऑपरेशन किया जाता है। इस सर्जरी में इसमें जांघ वाली हड्डी, जो घुटने के पास जुड़ती है और घुटने को जोड़ने वाली पैर वाली हड्डी, दोनों के कार्टिलेज काट कर उच्चस्तरीय तकनीक से प्लास्टिक फिट किया जाता है।

एनेस्थीसिया साइड इफेक्ट्स : कुछ बड़ी सर्जरी में बेसुध करने के लिए एनेस्थीसिया दिया जाता है ताकि रोगी को ऑपरेशन के दौरान दर्द का आहसास न हो। अधिकांश मामलों में एनेस्थीसिया सुरक्षित होता है और कोई समस्या पैदा नहीं करता है, लेकिन फिर भी कहीं न कहीं इसके साइड इफेक्ट की गुंजाइश रहती ही है। इसके प्रतिकूल प्रभाव निम्न प्रकार से हो सकते हैं- ■ मतली और उल्टी, ■ चक्कर आना, ■ उनींदापन, ■ सांस की नली की सूजन, ■ दांतों को नुकसान, ■ वोकल कॉर्ड्स को चोट, ■ धमनियों में चोट

सर्जरी में डीप वेन थ्रंबोसिस का जोखिम: डीप वेन थ्रंबोसिस और पल्मोनरी एम्बोलिस्म दोनों ही टर्म फेफड़ों में रक्त के थक्के जमने वाली स्थिति लिए प्रयोग की जाती हैं। सभी सर्जरी खून के थक्कों के बनने के जोखिम को बढ़ाती हैं, लेकिन नी रिप्लेसमेंट सर्जरी जैसी आर्थोपेडिक प्रक्रियाओं में जोखिम बढ़ जाता है। आमतौर पर सर्जरी के बाद के पहले दो हफ्तों के भीतर रक्त के थक्के ज्यादा जमते हैं। इसलिए इनके लक्षणों के प्रति सचेत रहना चाहिए ताकि आपातकाल की स्थिति में समय से चिकित्सकीय मदद ली जा सके।

इंप्लांट विफल हो सकता है: कृत्रिम घुटने कई तरह से विफल हो सकते हैं, जैसे सर्जरी के बाद उनका न मुड़ पाना, दर्द बना रहना या ढीला हो जाना। घुटना ढ़ीला रह जाए तो इसे समायोजित करने की जरूरत पड़ती है।

ओस्टियोलिसिस हो सकता है: कुछ मरीजों में इंप्लांट वाले प्लास्टिक (पॉलीथीन) के टुकड़े शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को सक्रिय करने वाले कणों को उत्पन्न कर सकते हैं। ऐसे में वाइट ब्लड सेल इन कणों पर हमला कर उन्हें पचा सकती हैं। दुर्भाग्यवश वाइट ब्लड सेल हड्डियों को भी कमजोर बना सकती है।

क्या करें: जिन्दगी की भागदौड़ में घुटने अकसर कमजोर पड़ ही जाते हैं, इसलिए चलते-फिरते और यहां तक कि आराम के वक्त भी इनकी सेहत का ध्यान रखें। घुटनों ने यदि दर्द, सूजन या टेढ़ेपन जैसा कोई संकेत दिया है तो इसे नजरअंदाज न करें। दवाई, एक्सरसाइज और चिकित्सकीय मदद आदि विकल्प आपके घुटनों की उम्र बढ़ा सकते हैं।

शरीर के लिए विषतुल्य हानिप्रद गंदगी को शरीर से बाहर निकाल फेंकने के लिए उषा पान जैसा अमोघ अस्त्र भारतीय परंपरा की ही देन है, जो भारतीय महाऋषियों के शरीर विषयक सूक्ष्म एवं विषद अध्ययन की खूबसूरत अभिव्यक्ति है। आइए जानें इसके लाभ।

बुढ़ापे से मुक्ति दिलाता है उषा पान...

काकचण्डीश्वर कल्पतन्त्र नामक आयुर्वेदीय ग्रन्थ में रात के पहले प्रहर में पानी पीना विषतुल्य बताया गया है। मध्य रात्रि में पिया गया पानी दूध के सामान लाभप्रद बताया गया हैं। प्रातःकाल यानी सूर्योदय से पहले पिया गया जल मां के दूध के समान लाभप्रद कहा गया है। यह इतना लाभप्रद है कि रोग और बुढ़ापे से मुक्ति दिला सकता है। लोहे के बर्तन में रखा हुआ दूध और तांबे के बर्तन में रखा हुआ पानी पीने वाले को कभी लिवर और रक्त संबंधी रोग नहीं होते और रक्त हमेशा शुद्ध बना रहता है। उषा पान के लिए पिया जाने वाला जल तांबे के बर्तन में रात भर रखा जाए, तो उससे और भी स्वस्थ्य लाभ प्राप्त हो सकेंगे। जल से भरा तांबे का बर्तन सीधे भूमि के संपर्क में नहीं रखना चाहिए, अपितु इसको लकड़ी के टुकड़े पर रखना चाहिए। और पानी हमेशा नीचे उकडू बैठकर यानी घुटनों के बल उत्कर आसान में बैठकर पीना चाहिए। ऐसे लोग जिन्हें यूरिक एसिड बढ़े होने की शिकायत है उनके लिए तो सुबह उषा पान करना किसी रामबाण औषिधि से कम नहीं है।

क्या है उषा पान

प्रातः काल यानी रात्रि के अंतिम प्रहार में पिया जाने वाल जल, दूध इत्यादि को आयुर्वेद और भारतीय धर्म शास्त्रों में उषा पान शब्द से संबोधित किया गया है। सुप्रसिद्ध आयुर्वेदीय ग्रन्थ 'योग रत्नाकर' सूर्य उदय होने के निकट समय में जो मनुष्य आठ प्रसर मात्रा में जल पीता हैं, वह रोग और बुढ़ापे से मुक्त होकर सौ वर्ष से भी अधिक जीवित रहता है।

कब करें उषा पान

प्रातःकाल बिस्तर से उठ कर बिना मुख प्रक्षालन यानी कुल्ला इत्यादि बिना किए हुए ही पानी पीना चाहिए। कुल्ला करने के बाद पिए जाने वाले पानी से सम्पूर्ण लाभ नहीं मिल पाता। ध्यान रहे पानी मल मूत्र त्याग के भी पहले पीना है।

उषा पान के फायदे

सवेरे तांबे के बर्तन में रखा हुआ पानी पीने से अर्श यानी बवासीर, शोथ(सोजिश), ग्रहणी, ज्वर, पेट के रोग, बुढ़ापा, कोष्ठगत रोग, मोटापा, मूत्राघात, रक्त पित्त यानी शरीर के किसी भी मार्ग में होने वाला रक्त स्त्राव, त्वचा के रोग, कान नाक गले सिर एवं नेत्र रोग, कमर दर्द तथा अन्यान्य वायु, पित्त, रक्त और कफ, मासिक धर्म, कैंसर, आंखों की बीमारी, डायरियां, पेशाब संबंधी बीमारी, किड़नी, टीबी, गठिया, सिरदर्द आदि से संबंधित अनेक व्याधियां धीरे धीरे समाप्त हो जाती हैं।

जल की नैसर्गिक शक्ति

जल में एक नैसर्गिक विद्युत होती है, जो रोगों का विनाश करने में समर्थ होती हैं। इसलिए जल के विविध प्रयोगों से शरीर के सूक्ष्म अति सूक्ष्म, ज्ञान तंतुओ के चक्र पर अनूठा प्रभाव पड़ता है, जिस से शरीर के मूल भाग मस्तिष्क की शक्ति और क्रियाशीलता में चमत्कारिक बढ़ोतरी होती है। एक कहावत हैं-प्रातः काल खाट से उठकर, पिए तुरतहि पानी। उस घर वैद्य कबहुं नहीं आए बात घाघ ने जानी।

साफ जल के नुकसान

मगर आज एक सोची समझी साजिश के तहत हमारे जल को भी अति दूषित कर दिया गया है और इसको साफ करने के लिए जो विधियां हम इस्तेमाल करते हैं वे पानी को साफ तो करती हैं मगर साथ में पानी में मौजूद मिनरल्स भी निकाल देती हैं। इसलिए जब हम पहाड़ों पर कभी जाते हैं तो वहां के पानी में बहुत बढ़िया स्वाद आता है।

इम्पोरटेंट फेक्ट्स

दिल में आक्सीजन की कमी एन्जाइना का संकेत

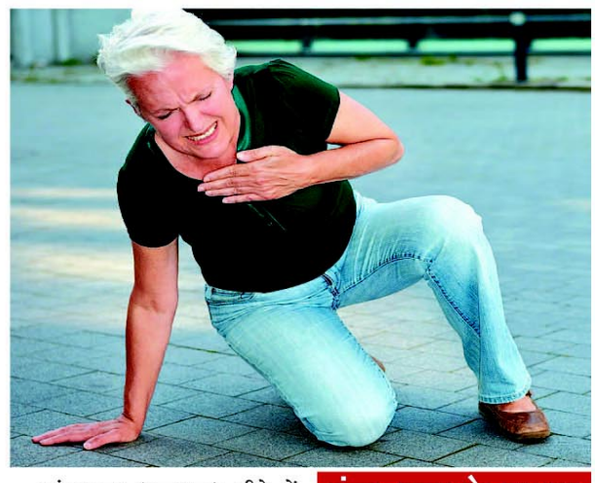

कंठ-शूल (एन्जाइना) सीने में होने वाला दर्द या दबाव है जो हृदय में रक्त के प्रवाह में कमी के कारण उत्पन्न होता है। आपकी बांहों, जबड़े या पीठ के ऊपरी भाग में भी दर्द महसूस हो सकता है। यह दर्द इस बात का संकेत है कि आपके हृदय को पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं मिल रही है। यह इस बात का लक्षण है कि आपको दिल का दौरा रोकने के लिए उपचार की आवश्यकता है।

कंठ-शूल के लक्षण

एन्जाइना के लक्षण काफी कुछ दिल के दौरे के लक्षणों जैसे हो सकते हैं।

- सीने, बांहों, जबड़े, कंधों या गर्दन में दर्द या दबाव, या खिंचाव अथवा भारीपन महसूस होना।
- पसीना आना।
- सांस फूलना।
- मितली या उल्टी आना।
- पेट में दर्द।
- बेहद थकान लगना, चक्कर या बेहोशी महसूस करना।

कुछ लोगों को कोई लक्षण महसूस नहीं होते। अगर आप जो कुछ कर रहे हैं उसे रोककर आराम करें तो अक्सर एन्जाइना के दर्द में आराम मिल जाता है। अगर आपके डॉक्टर ने आपको बताया है कि आपको एन्जाइना है, तो आपको दर्द होने पर दवा दी जा सकती है। इस दवा को नाइट्रोग्लिसरीन कहते हैं।

कब कराएं उपचार

एन्जाइना के लक्षण महसूस हो रहे हों और उसका उपचार करने के लिए दवा न हो। अपनी दवा ले ली हो लेकिन आपके लक्षण दूर न हो रहे हों या आपको ऐसे नए लक्षण महसूस हो रहे हों जो पहले कभी न हुए हों। आपातचिकित्सा टीम के आने तक बैठें या लेट जाएं। गाड़ी चलाकर अस्पताल न जाएं और न ही अपने डॉक्टर को फोन कर देर करें।

जरूरी सुझाव

आपको हृदय की समस्या है या नहीं यह देखने के लिए आपकी जांच की जाएगी। आपको दवाएं देनी शुरू की जा सकती हैं या आपके हृदय को रक्त प्रवाह में सुधार के लिए अन्य प्रक्रियाएं की जा सकती हैं। आपके डॉक्टर आपको कम वसा वाला भोजन करने और अपने हृदय का स्वास्थ्य बेहतर बनाने के लिए व्यायाम करने का सुझाव भी दे सकते हैं। अगर आपके डॉक्टर नाइट्रोग्लिसरीन सुझाते हैं, तो अपने डॉक्टर के आदेश के अनुसार दवा का प्रयोग करें। अधिक जानकारी के लिए, नाइट्रोग्लिसरीन हैंडआउट मांगें।

जान सकेंगे शादी के बाद की जिंदगी कैसे जीएं?

वैडिंग कोचिंग से हल होंगी परेशानियां

शादी का नाम सुनकर जहां दिल में गुदगुदी होती है, वहीं नए रिश्ते की शुरुआत के बारे में सोच कर मन आशंकाओं के समुद्र में गोते खाता रहता है। युवितयों के मन में अनेक सवाल जैसे शादी के बाद ससुराल में जींस पहनने देंगे या नहीं, पहली बार कौन सी डिश पकवाएंगे, पति को जाने मेरी किस बात का बुरा लग जाए, मायके ज्यादा आने देंगे कि नहीं, सासू मां का स्वभाव कैसा होगा, नौकरी करने देंगे या नहीं... आदि जहां परेशान करते हैं, वहीं निजी समस्याओं का भी डर सताता है, परंतु इन बातों का समाधान कहीं से नहीं मिलता। कौन समझे मन की बातें घर में दादी-नानी, मां, दीदी और भाभी की नसीहतें सुन-सुन कर दिल कई बार डरता है। सहेलियां हमउम्र होने के कारण उसकी परेशानियों को सुनकर भी कोई राय नहीं दे पातीं। ऐसे में आजकल वैडिंग कोचिंग का प्रचलन बढ़ता जा रहा है, कोचिंग में जाकर शादी से पहले हम खुद को मानसिक तौर पर तैयार कर लेते हैं।

मिल जाते हैं सवालों के जवाब

विवाह से पहले ही रिश्तों और उनकी मर्यादाओं के साथ अन्य पहलुओं को भी समझ लिया जाए तो विवाह में बिखराव और अलगाव की नौबत नहीं आती। इसके लिए घर की किसी बुजुर्ग महिला की नसीहतों के अलावा दुल्हन के लिए वैडिंग कोचिंग बढ़िया रहती है, जहां उसे पति-पत्नी के संबंधों से ताल्लुक रखने वाले छोटे से छोटे सवालों के जवाब काउंसिलिंग में मिल जाते हैं। क्या है वैडिंग कोचिंग विदेशों की तर्ज पर अब महानगरों में भी वैडिंग स्ट्रेस कोचिंग सेंटर खुलने लगे हैं, जिससे विवाह के बाद ही नहीं, विवाह से पहले भी एक-दूसरे की पसंद-नापसंद, इच्छा-अनिच्छा आदि को समझने में आसानी हो। दोनों एक-दूसरे की जरूरतें समझने के साथ फैमिली प्लानिंग पर भी विचार कर सकें। सिर्फ 2-3 सिटिंग ही इसके लिए काफी हैं।

मानसिक तौर पर खुद को करें तैयार

मैरिज काउंसलर की मानें तो आज की पीढ़ी में पहले की तुलना में समर्पण, धैर्य और त्याग जैसी भावनाएं काफी कम होने लगी हैं, सो ऐसी कोचिंग उन्हें एक-दूसरे को समझने में मदद करती है। कामकाजी दुल्हनों को कई बार एकल परिवार के ही दायित्व निभाने में भी दिक्कत आती है। पति के साथ अहं का टकराव होने से भी वैवाहिक जीवन को संभाल पाना कठिन हो जाता है। सफल वैवाहिक रिश्ते के लिए युगल स्वयं को मानसिक स्तर पर पहले तैयार करें। विवाह से पहले घर बसाने के लिए व्यावहारिक बातों की शिक्षा परिवार के बुजुर्गों द्वारा जरूर दी जाती है, लेकिन उसमें भी अहम बातें छूट जाती हैं। प्री-मैरिटल काउंसिलिंग में विवाह योग्य लड़के-लड़कियों को एक-दूसरे के विचारों से सामंजस्य बैठाना सिखाया जाता है।

रेसिपी

फ्रूट क्रीम

सामग्री

400 ग्राम क्रीम, 100 ग्राम चीनी, 100 ग्राम सेब (कटा हुआ), 50 ग्राम अनार, 50 ग्राम पपीता(कटा हुआ), 50 ग्राम आड़ू (कटा हुआ), 50 ग्राम अनानास (कटा हुआ), 35 ग्राम बादाम (कटे हुए)

विधि

सबसे पहले एक बाऊल में क्रीम और चीनी को अच्छी तरह मिक्स कर लें। मिक्स करने के बाद इसमें सेब, अनार, पपीता, आड़ू, अनानास और बादाम डालकर अच्छी तरह मिक्स करें। अब इसे 30 मिनट के लिए फ्रीज करें। फ्रीज करने के बाद पिस्ता और चेरी के साथ गार्निश करके सर्व करें।

रवा उत्तपम

सामग्री

1 कप रवा या सूजी, 1 छोटा चम्मच नमक, तीन चौथाई कप दही, आधा कप पानी, आधा छोटा चम्मच फ्रूट सॉल्ट, 1 छोटा टमाटर, 1 छोटा प्याज, 1 छोटी शिमला मिर्च, 2 कटी हरी मिर्च, 1 बड़ा चम्मच हरा धनिया, डेढ़ बड़े चम्मच तेल

विधि

बर्तन में सूजी, नमक और दही लें, थोड़ा-थोड़ा पानी डालते हुए सभी सामग्रियों को आपस में मिला लें। मिश्रण को 10 मिनट के लिए अलग रखें। 10 मिनट बाद सूजी काफी पानी सोख लेगी, सूजी हल्की होनी चाहिए। उसमें चम्मच चलाएं, यदि जरूरत लगे तो थोड़ा पानी और मिलाएं। हरी मिर्च का डंठल हटा कर उसे अच्छे से धोकर काट लें। प्याज को धो लें और फिर इसे बारीक काट लें। टमाटर को भी छोटा-छोटा काट लें। शिमला मिर्च को बीच से दो भागों में काट लें तथा इसका डंठल और बीज हटा दें। अब शिमला मिर्च को धोकर छोटा-छोटा काट लें। सूजी के घोल में कटी हरी मिर्च, हरा धनिया, टमाटर, प्याज और शिमला मिर्च डाल कर अच्छे से मिलाएं। सूजी के मिश्रण में ईनो डालें और उसके ऊपर एक छोटा चम्मच पानी डाल कर घोल को अच्छे से एक दिशा में एक मिनट तक फेंटें। अब मध्यम आंच पर एक तवा गर्म करें और जब तवा गर्म हो जाए तो इसको गीले कपड़े या फिर किचन पेपर से पोंछ लें। एक चम्मच कटोरी में सूजी का घोल लेकर लगभग 4 इंच का उत्तपम फैलाएं। दोनों तरफ से थोड़ा तेल लगा कर इसे अच्छे से सेकें। इसमें 2-3 मिनट का समय लगता है। स्वादिष्ट और पौष्टिक उत्तपम तैयार है। सर्व करने के लिए, अब इसे सांभर और नारियल की चटनी के साथ सर्व करें।

स्किन से जुड़ी प्रॉब्लम्स को दूर करती है, सुपारी

अक्सर देखा गया है कि सुपारी का इस्तेमाल ज्यादातर पूजा में किया जाता है। यह गर्ण तासीर की होती है। इसे जलाकर उसकी राख को दांतों को साफ किया जाता है और दांत चमकीले होते हैं। सुपारी बड़ी और छोटी होती है। आज हम आपको इसे इस्तेमाल करने पर होने वाले लाभ के बारे में बताएगें।

■ अगर आपके मसूड़ों से खून है तो सुपारी लेकर उसका मोटा कूटकर काढ़ा बना लें। इस काढ़े से रोज कुल्ला करने पर मसूड़ों से खून आना बंद हो जाता है।

■ अगर आपको बहुत ज्यादा यूरिन की समस्या हो रहा है तो ऐसे में सुपारी का पाउडर लेकर 1 या 2 ग्राम गाय के घी के साथ इस्तेमाल करें।

■ हाई ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में सुपारी में मौजूद टैनिन बहुत ही उपयोगी होती है।

■ इसका अधिक प्रयोग रक्तभार को कम करता है तथा चक्कर आने लगता है।

■ सुपारी का इस्तेमाल दांतों की सड़न को रोकने के लिए मंजन के रूप में किया जाता है क्योंकि इसमें एंटी-बैक्टीरियल गुण होते हैं।

■ अगर आपके दांतों में कीड़ा लगा है तो सुपारी को जलाकर उसका पाउडर बना लें और इससे रोजाना ब्रश करें।

■ अगर आपको कही चोट लगने से घाव हो गया हो और खून बह रहा है तो ऐसे में इसका बारीक पाउडर लगाने से खून बहना बंद हो जाता है।

■ जिन लोगों को डायबिटीज की समस्या है और उसका मुंह सूखे तो वह एक सुपारी का टुकड़ा मुंह में रख लें। ऐसी करने से मुंह बार-बार नही सूखेगा।

■ दाद, खाज, खुजली और चकत्ते होने पर सुपारी को पानी के साथ घिसकर लेप करने से फायदा होता है। बहुत ज्यादा खुजली होने पर सुपारी की राख को तिल के तेल में मिलाकर लगाने से लाभ होता है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**